राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 348

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, रविवार, 26 मई, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

सिंधू मलेशिया मास्टर्स ट्राफी से एक जीत दूर

>> 12

बारामुला के बाद अनंतनाग–राजौरी में भी मना लोकतंत्र का भव्य उत्सव

जागरण टीम, नई दिल्ली

- जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद–370 हटने के बाद टूटा 28 वर्ष का रिकार्ड, 52.28 प्रतिशत वोट पड़े
- अनंतनाग–राजौरी में 1996 में 50.20 प्रतिशत और 2019 में 9.7 प्रतिशत हुआ था मतदान
- बंगाल में सबसे अधिक 78.19 प्रतिशत वोट पड़े, रिकार्ड के बावजूद जम्मू–कश्मीर अब भी सबसे पीछे
- छठे चरण में छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटों पर हुआ 59.06 प्रतिशत मतदान

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में शनिवार को छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटों पर 59.06 प्रतिशत मतदान हुआ। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटने के बाद लोग लोकतंत्र के उत्सव में खुले दिल से शामिल हो रहे हैं। इसका असर यह हुआ कि आतंकियों और अलगाववादियों के प्रभाव वाली अनंतनाग-राजौरी सीट पर 28 वर्ष का रिकार्ड टूट गया और 52.28% मतदान हुआ। अनंतनाग-राजौरी में मतदान के साथ ही जम्मू-कश्मीर की पांचों सीटों पर मतदान प्रक्रिया भी संपन्न हो गई। प्रदेश की पांचों सीटों पर कुल 58% मतदान हुआ है, जो वर्ष 1989 के बाद बीते 35 वर्ष में अब तक का सबसे ज्यादा है। वहीं, बंगाल के सीटों के कुछ इलाकों से हिंसा की छिटपुट घटनाओं के साथ प्रदेश में सबसे ज्यादा 78.19% मतदान हुआ।

दिल्ली में मतदान के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, विदेश मंत्री एस जयशंकर, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी वोट डालने पहुंचे। बता दें कि लोकसभा के लिए सात चरणों में मतदान होना है। अब तक 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 428 सीटों पर मतदान पूरा हो चुका है। अंतिम चरण का मतदान एक जून को होना है। जबकि मतगणना चार जून को होनी है।

आतंक के गढ़ रहे अनंतनाग-राजौरी में शांतिपूर्ण मतदान के बीच टूटा रिकार्ड : जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटने का असर अब चुनावों में भी साफ दिखाई देने लगा है। ऐसे में बारामुला के बाद अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट पर शनिवार को बंपर मतदान हुआ। आतंकियों और अलगाववादियों के प्रभाव वाले इस क्षेत्र में वर्ष 1996 का रिकार्ड टूट गया और लगभग 52.28 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदाताओं का यह उत्साह वर्ष 2019 में 9.7% हुए मतदान से लगभग 42% अधिक और 1996 में हुए 50.20% मतदान से भी दो प्रतिशत ज्यादा है। इस दौरान कहीं कोई आतंकी हिंसा नहीं हुई। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अपने पोलिंग एजेंटों की गिरफ्तारी पर रोष जताते हुए लगभग तीन घंटे तक बिजबिहाड़ा में पुलिस स्टेशन के बाहर धरना दिया। उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने अनंतनाग में कुछ मतदान केंद्रों में ईवीएम की धीमी गति का मुद्दा उठाया। बता दें कि इससे पहले श्रीनगर सीट पर 39% और बारामुला में भी रिकार्ड 59% मतदान हुआ था।

> लोकसभा चुनाव के छठे चरण का चुनाव संपन्न होने के बाद राजग की सीटों की संख्या लगातार बेहतर होती जा रही है। लोगों को यह एहसास हो गया है कि विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए सत्ता के करीब नहीं पहुंच रहा, इसलिए उसे वोट देना व्यर्थ है। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव के छठे चरण में मतदान किया।
>
> – नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में शनिवार को जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग में बूथ पर मतदान करने के लिए लोगों की कतार दिखी। एएनआइ

कहां हुआ कितना मतदान

बिहार में आठ सीटों पर 55.45 प्रतिशत वोट पड़े। पूर्वी चंपारण के सुगौली में ट्रेन से दुर्घटना में मतदान पदाधिकारी की मृत्यु हो गई। वहीं, झारखंड की चार सीटों पर 62.74 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसके अलावा हरियाणा की सभी 10 सीटों पर 58.37 प्रतिशत, ओडिशा की छह सीटों पर 60.07 प्रतिशत, दिल्ली की सात सीटों पर 54.48 प्रतिशत और उप्र की 14 सीटों पर 54.03 प्रतिशत मतदान हुआ है।

बंगाल में जमकर मतदान, भाजपा प्रत्याशी पर पथराव, भाग कर बचाई जान पेज>>4

आयोग ने कहा ▶ हेराफेरी संभव नहीं, हमारे पास एक–एक वोट का हिसाब

चुनाव प्रक्रिया बाधित करने के लिए गढ़ी जा रहीं झूठी कथाएं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद आंकड़े जारी कर कहा, कोई देरी नहीं हुई
- लगाए जा रहे आरोपों को माहौल बिगाड़ने की साजिश करार दिया

मतों के आंकड़ों में फेरबदल के आरोपों को मनगढ़ंत और आधारहीन बताते हुए चुनाव आयोग ने पांच चरणों में पड़े कुल वोटों के प्रतिशत के साथ इसकी कुल संख्या का आंकड़ा भी शनिवार को जारी कर दिया। दावा किया कि चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के लिए झूठी कथाएं फैलाई जा रही हैं। डाले गए वोटों की संख्या में कोई भी बदलाव संभव नहीं है। झूठे आरोपों से चुनाव प्रक्रिया बाधित होती है। आयोग ने हर संसदीय क्षेत्र में कुल वोटरों की संख्या के साथ मतदान करने वाले वास्तविक मतदाताओं की संख्या भी सार्वजनिक कर दी है। साथ ही कहा है कि आयोग के पास एक-एक वोट का हिसाब है। यह भी स्पष्ट किया कि मतदान के बाद फार्म-17 सी प्रत्याशियों के एजेंटों को सौंप कर ईवीएम को स्ट्रांग रूम में जमा कर दिया जाता है। ऐसे में किसी भी स्तर पर वोट के आंकड़ों में हेराफेरी नहीं की जा सकती है।

चुनाव आयोग ने वोटों के आंकड़े को लेकर लगाए जा रहे आरोपों को माहौल बिगाड़ने की साजिश करार दिया है और कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों एवं फैसले ने चुनाव प्रक्रिया को मजबूती दी है। आयोग को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुपालन के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बोध होता है। इसलिए प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या को पारदर्शी तरीके से सार्वजनिक करने का फैसला लिया गया है।

> यहां किस तरह का खेल है, क्यों संदेह पैदा किया जाता है और क्यों संदेह जताया जाता है, हम एक दिन यह सब उजागर करेंगे। हम सबको दिखाएंगे कि लोगों को कैसे भ्रमित किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपना जवाब दे दिया है, लेकिन हम भी अपना जवाब देंगे और जरूर देंगे।
>
> –राजीव कुमार, मुख्य चुनाव आयुक्त

लोकसभा चुनाव 2024 : चरणवार वोट प्रतिशत

मतदान के चरण	सीटें	कुल मतदाता	कितने वोटरों ने वोट डाला	मतदान प्रतिशत
पहला चरण (19 अप्रैल)	102	16.64 करोड़	11 करोड़	66.14
दूसरा चरण (26 अप्रैल)	88	15.86 करोड़	10.58 करोड़	66.71
तीसरा चरण (सात मई)	94	17.24 करोड़	11.32 करोड़	65.68
चौथा चरण (13 मई)	96	17.71 करोड़	12.25 करोड़	66.71
पांचवां चरण (20 मई)	49	8.96 करोड़	5.57 करोड़	62.20

एडीआर की याचिका पर आयोग को आदेश देने से सुप्रीम कोर्ट ने किया था इन्कार पेज>>4

अपने वोट बैंक के लिए मुजरा कर रहा विपक्षी गठबंधन : प्रधानमंत्री मोदी

जागरण टीम, पटना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वोट बैंक की खातिर लालटेन लेकर कांग्रेस के सामने मुजरा करने वाली जमात पंजाब में बिहारियों के अपमान का विरोध नहीं कह रही। कांग्रेस पंजाब में बिहार के मेहनतकश भाइयों को भगाने की बात कह रही है। जमीन व मकान नहीं लेने देने को कह रही है। इनको बिहार के गौरव, होनहार नौजवानों की चिंता नहीं है। इनके लिए बिहारियों का सम्मान कोई मायने नहीं रखता। बिहारियों का अपमान मोदी नहीं होने देगा। देश के सारे शहजादों का शटर गिरने वाला है। बिहार के शहजादे चार जून के बाद हेलीकाप्टर से उतर जाएंगे। उनका समय अमानत व जमानत की चिंता में बीतेगा। दिल्ली के शहजादे छुट्टी पर जाने की तैयारी में हैं। यूपी के शहजादे की साइकिल बार-बार पंक्चर हो रही है। उनका हाल 2022 के विधानसभा चुनाव वाला होगा।

प्रधानमंत्री ने मोदी शनिवार को बिहार में एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, इंडी गठबंधन के पास काम नहीं है। देशवासियों ने उनकी छुट्टी कर दी है। वे लोग जेल में या बाहर विश्राम करते हैं।

इनकी योजना पांच साल में पांच पीएम देने की : पीएम ने कहा कि इनकी योजना पांच साल में पांच पीएम देने की है। वह पीएम की कुर्सी के लिए म्यूजिकल चेयर खेलना चाहते हैं। ऐसे में इस देश का क्या होगा? दावेदार कौन–कौन हैं....गांधी परिवार का बेटा, सपा वाले परिवार का बेटा, नेशनल कान्फ्रेंस वाले का बेटा, एनसीपी परिवार की बेटी, टीएमसी वाले का भतीजा, आप वाले की पत्नी, आरजेडी वाले का बेटा या फिर बेटियां। पीएम ने कहा कि आइएनडीआइए वाले का एक ही काम है, अपना काम बनता... भीड़ ने 'भाड़ में जाए जनता' कहकर बात पूरी कर दी।

यह भी बोले पीएम

- कहा, मेरे जीते जी ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को नहीं दे पाएगा आइएनडीआइए
- विपक्षी गठबंधन सत्ता में आया तो मुसलमानों के फायदे के लिए संविधान बदल देगा
- कहा–मैं भी अतिपिछड़ी जाति का, गरीब का बेटा, अपना हक नहीं मिलने का दर्द जानता हूं
- चार जून को परिणाम आने पर आइएनडीआइए वाले एक–दूसरे का कपड़ा फाड़ेंगे
- कहा, पीएम की कुर्सी के लिए म्यूजिकल चेयर खेलना चाहते हैं आइएनडीआइए वाले
- बिहार के पाटलिपुत्र में चुनावी जनसभा में आइएनडीआइए को घेरा

बिहार में सभा को संबोधित करते पीएम मोदी। जागरण

कर्नाटक में पिछड़ों का आरक्षण मुसलमानों में बांटा

पीएम ने बंगाल व कर्नाटक में पिछड़ों का आरक्षण मुसलमानों में बांटने पर प्रश्न खड़े किए। कहा, मैं भी अतिपिछड़ा गरीब का बेटा हूं, अपना हक नहीं मिलने का दर्द जानता हूं। यादव, कुर्मी, कुशवाहा, कलवार, तेली, निषाद, मुसहर, रविदास आदि का नाम लेते हुए कहा कि विपक्षी आरक्षण में इनका हक मारकर मुसलमानों को देना चाहते हैं। एलान करता हूं कि मैं ऐसा होने नहीं दूंगा। पूछा कि भारत को कैसा पीएम चाहिए? दमदार.. जो देश का दम दुनिया के सामने दमखम के साथ रख सके। वहीं दूसरी ओर आइएनडीआइए वाले भी हैं।

पांच साल बिहार के लिए अभूतपूर्व होगा पेज>>4

पुणे कार दुर्घटना में शामिल किशोर का दादा गिरफ्तार

पुणे : पुणे में पोर्श कार दुर्घटना में शामिल 17 वर्षीय लड़के के दादा सुरेंद्र अग्रवाल को अपने परिवार के वाहन चालक को बंधक बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय अदालत ने ने किशोर के दादा को शनिवार को 28 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। (पेज-6)

बंगाल में आज टकराएगा चक्रवात रेमल

कोलकाता : बंगाल में चक्रवात 'रेमल' से निपटने के लिए राज्य प्रशासन ने ऐहतियाती तैयारियां तेज कर दी है। शनिवार को राज्य के मुख्य सचिव बीपी गोपालिका ने उच्च स्तरीय बैठक कर चक्रवात से मुकाबले को लेकर चर्चा की। रविवार दोपहर से 21 घंटे के लिए कोलकाता हवाई अड्डे से उड़ानों का परिचालन निलंबित रहेगा। (पेज-6)

मप्र में एप से आवाज बदलकर सात छात्राओं से दुष्कर्म

नईदुनिया, सीधी

- मुख्य आरोपित समेत तीन गिरफ्तार, एसडीओपी के नेतृत्व में एसआइटी गठित, सात दिनों में मांगी गई रिपोर्ट

मप्र के सीधी जिले में मोबाइल एप के जरिये आवाज बदलकर बुलाने और एक नाबालिग समेत सात छात्राओं से दुष्कर्म करने के सनसनीखेज मामले का शनिवार शाम पुलिस ने राजफाश किया। मुख्य आरोपित बृजेश प्रजापति व उसके दो अन्य साथियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चार दिनों के रिमांड पर लिया है। पुलिस पड़ताल में आरोपित ने सात छात्राओं से दुष्कर्म की बात तो स्वीकारी है, साथ ही कहा कि उसे सही संख्या याद नहीं है। बृजेश पेशे से मजदूर है। दुष्कर्म पीड़ित छात्राओं की संख्या बढ़ सकती है। मामले की पहली रिपोर्ट 16 मई को सीधी के मझौली थाने में की गई थी। इस मामले में अब तक चार एफआइआर हो चुकी हैं। रीवा रेंज के आइजी महेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपितों के विरुद्ध दुष्कर्म, लूट सहित अन्य धाराओं में एफआइआर की गई है। एसडीओपी के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया है, रिपोर्ट सात दिन में मांगी गई है।

आरोपित बृजेश मोबाइल में वाइस चेंजिंग एप डाउनलोड कर एक कालेज की मैडम बनकर छात्राओं से बात करता था। वह छात्राओं को मिलने वाली छात्रवृत्ति आवेदन पर हस्ताक्षर कराने और पैसा नहीं निकलने की समस्याओं के निदान के लिए घर से नजदीकी स्थान पर बुलाता था। फिर मोटर साइकिल पर बैठाकर जंगल में ले जाकर दुष्कर्म करता था। पुलिस ने शनिवार को बृजेश के सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाए गए मकान को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया।

> ऐसा निंदनीय कार्य करने वाले समाज के दुश्मन हैं। आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
>
> - डा. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

यह है वाइस चेंजर एप

मैजिक काल के नाम से कई वाइस चेंजर एप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध हैं। एंड्रायड फोन में डाउनलोड कर इस एप के माध्यम से अपनी आवाज को पुरुष, महिला, बच्चे या किसी कार्टून के चरित्र की आवाज में बदला जा सकता है।

छात्राओं से दुष्कर्म का ऐसे हुआ राजफाश पेज>>6

राजकोट के गेमिंग जोन में लगी भीषण आग, 27 की मौत

राजकोट में शनिवार को टीआरपी गेमिंग जोन में आग के बाद उठता धुआं तथा लपटें। एएनआइ

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

- शार्ट सर्किट के चलते लगी आग, बड़ी संख्या में मौजूद थे बच्चे
- गेमिंग जोन के मालिक गिरफ्तार, जांच के लिए एसआइटी गठित

गुजरात के राजकोट स्थित टीआरपी गेमिंग जोन में शनिवार को भीषण आग लगने से 12 बच्चों समेत कम-से-कम 27 लोगों की मौत हो गई। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। दोपहर बाद लगभग चार बजे गेमिंग जोन में बड़ी संख्या में लोग एकत्र थे। गर्मी की छुट्टी और शनिवार का दिन होने के कारण बच्चे भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। फाइबर से बना गेमिंग जोन देखते ही देखते आग की लपटों में घिर गया। आग में पूरा ढांचा जलकर खाक हो गया। गेमिंग जोन के मालिक प्रकाश जैन और युवराज सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए एसआइटी का गठन कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। सहायक पुलिस आयुक्त राधिका भराई ने कहा कि अभी तक हमने 27 लोगों की मौत की पुष्टि की है। कुछ शव इतने जले हुए हैं कि उन्हें पहचाना नहीं जा सका है।

गुजरात सरकार ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपये मदद की घोषणा की है। पुलिस आयुक्त राजू भार्गव ने बताया कि 15 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने घटना की जानकारी लेने के साथ ही राजकोट के सभी गेमिंग जोन बंद करने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर शोक जताया है। एक्स पर एक पोस्ट में मुर्मु ने कहा कि राजकोट के एक गेमिंग जोन में लोगों की मौत के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि राजकोट में आग लगने की घटना से बेहद व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहा है।

दावा

इंडिया फर्स्ट ग्रुप के सीईओ और संस्थापक रान सोमर्स का बड़ा दावा, कहा, अपने गौरव, अपनी गरिमा और देश के भविष्य की महानता के लिए मतदान कर रहे भारतीय

'भारत के इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल करेंगे मोदी'

- भारत में निष्पक्ष चुनाव तो अमेरिका को क्यों करना पड़ रहा चुनौती का सामना

न्यूयार्क, प्रेट्र : एक प्रख्यात अमेरिकी एक्जीक्यूटिव और भारत-अमेरिका संबंधों के विशेषज्ञ रान सोमर्स ने कहा है कि 2024 के आम चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के इतिहास में अब तक के सबसे बड़े बहुमत से जीत हासिल करेंगे।

न्यूयार्क स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम 'विकसित भारत@2047' को संबोधित करते हुए इंडिया फर्स्ट ग्रुप के संस्थापक व सीईओ और यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआइबीसी) के पूर्व प्रेसिडेंट सोमर्स ने कहा कि 140 करोड़ आबादी के देश को संगठित करना, सात चरणों में चुनावी प्रक्रिया में 97 करोड़ मतदाताओं द्वारा मतदान, उसे स्वच्छ एवं पूरी तरह वैध रखना और परिणाम की सत्यता पर किसी को संदेह न होना, इसके लिए वह उनके प्रति सम्मान प्रकट करते हैं। भारतीय चुनावों की विशालता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'यह वास्तव में आश्चर्यचकित करता है कि हम अमेरिका में खुले और निष्पक्ष चुनाव क्यों नहीं करा पा रहे हैं। यह हैरान करने वाली बात है कि जब आप इसे भारत में उस स्तर पर कर सकते हैं तो हमें यहां चुनौती का सामना क्यों करना पड़ रहा है।'

सोमर्स ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव से लेकर प्रधानमंत्री मोदी तक सुधार की नीति एवं भारत को 2047 के मोड में लाने का काम लगातार जारी रहा है और देश को विकास के पथ आगे बढ़ाने में सर्वसम्मत समर्थन मिला है। भारत के महावाणिज्य दूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने कहा कि '2047 तक विकसित भारत' प्रधानमंत्री मोदी का विजन है। प्रधानमंत्री के शब्दों में '2047 तक विकसित भारत' एक मिशन है जिसमें सिर्फ महत्वाकांक्षा की नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, मजबूत शासन सुधार, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और वैज्ञानिक प्रगति को शामिल करते हुए एक बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'इस कार्ययोजना में संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण शामिल होगा जिसमें राज्य सरकारों, शिक्षा जगत, नागरिक समाज और भारत के युवाओं के साथ व्यापक विचार-विमर्श एवं उनके विचार शामिल होंगे।' श्रोताओं में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य, अमेरिकी एक्जीक्यूटिव्स, नीति विशेषज्ञ और थिंक टैंक शामिल थे। कार्यक्रम में भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के चेयरमैन आदिल जैनुलभाई का विशेष संबोधन और सामूहिक परिचर्चा भी हुई।

इंडिया फर्स्ट ग्रुप के संस्थापक व सीईओ रान सोमर्स। प्रेट्र

भारत में हो रहा है असाधारण काम

सोमर्स ने कहा कि 2047 के लिए भारत द्वारा छोड़ी जाने वाली महान विरासतों में से एक अभी चल रही भारतीय चुनाव प्रक्रिया है जिसे हम सभी देख रहे हैं और नजर रख रहे हैं। 97 करोड़ लोग अपने गौरव, अपनी गरिमा और देश के भविष्य की महानता के लिए मतदान कर रहे हैं। अभी भारत में जो हो रहा है, वह वास्तव में काफी असाधारण है। इसलिए अगर कोई रोशनी है तो उन्हें उम्मीद है कि भारत लोकतंत्र के भविष्य के दशकों में प्रकाशस्तंभ बन सकता है।

****

विश्वास.News

कन्हैया कुमार की तस्वीर से जुड़ा दावा भ्रामक ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल ● पेज-5

रविवार विशेष

पर्यावरण के रक्षक ● पेज-7

संपादकीय

बेनकाब हुई तुष्टीकरण की राजनीति : कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले ने इस आरोप को बल प्रदान किया है कि आइएनडीआइए के घटक संविधान विरुद्ध जाकर मजहब के आधार पर आरक्षण दे रहे हैं। **संजय गुप्त** का आलेख।

सम्मान मिलेगा खटाखट–खटाखट : ऐसे को सम्मानित करने का कोई औचित्य नहीं, जो सम्मान तक ठीक से हजम नहीं कर सकता। **संतोष त्रिवेदी** का व्यंग्य। ● पेज-8

विमर्श

नैरेटिव गढ़ने का खोखला प्रयास : भारत और भारतीय संस्कृति की व्याख्या करते हुए अब तक अनेक पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं। परंतु चुनाव के समय यदि कोई ऐसी पुस्तक प्रकाशित हो, जिसमें भारतीय संस्कृति से संबंधित तथ्यों के साथ छेड़छाड़ की गई हो, तो ऐसा किसी के पक्ष में नैरेटिव गढ़ने के लिए किया जाना कहा जाएगा। **अनंत विजय** का आलेख। ● पेज-9

आइपीएल

फाइनल

सनराइजर्स हैदराबाद vs कोलकाता नाइटराइडर्स

शाम 7:30 बजे | स्थान : चेन्नई

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स/ जियो सिनेमा

सप्ताह का साक्षात्कार

हेमंत जेल चले गए, संघर्ष करना हमारा कर्तव्य : कल्पना सोरेन

झारखंड में इस साल बड़ा राजनीतिक उलटफेर हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से सत्तारूढ़ क्षेत्रीय दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में एक शून्यता की स्थिति आई। इसे काफी कम समय में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने भरने की कोशिश की। उनका कहना है कि हेमंत के जेल जाने के बाद संघर्ष करना उनका कर्तव्य है। ऐसे में एक नया चेहरा लोगों के सामने आया। महज तीन माह में ही वह महागठबंधन की स्टार प्रचारक बन चुकी हैं। दैनिक जागरण के झारखंड राज्य ब्यूरो प्रमुख प्रदीप सिंह ने कल्पना सोरेन से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। ● पेज-13

महासमर 2024

जीरो लाइन तक केंद्र की योजनाएं तो पहुंचीं, मगर संदेश नहीं पेज>>3
भाजपा की हैट–ट्रिक की राह में चुनौतियां भी पेज>>3
वाराणसी में प्रियंका व डिंपल ने अधूरा छोड़ा चार किलोमीटर का तय रोडशो पेज>>4
हिमाचल–पंजाब के चुनावी रण की कांग्रेस के लिए है दोहरी अहमियत... पेज>>5

2 लाख 52 हजार 38 दिल्ली में फर्स्ट टाइम वोटर थे। 18 से 19 वर्ष के इन युवा मतदाताओं में भी मतदान के लिए उत्साह देखा गया। एक करोड़ 52 लाख एक हजार 936 मतदाता हैं।

आज का मौसम

आसमान साफ रहेगा। कहीं -कहीं भीषण लू चलेगी। दिन के वक्त 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चलने का पूर्वानुमान है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
26 मई	44.0	31.0
27 मई	45.0	31.0
नोएडा		
26 मई	45.0	31.0
27 मई	45.0	31.0
गुरुग्राम		
26 मई	45.0	32.0
27 मई	46.0	32.0

डिग्री सेल्सियस में

लोकसभा चुनाव के लिए सिविल लाइंस क्षेत्र के मतदान केंद्र पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पत्नी सुनीता केजरीवाल सहित दोनों बच्चें मतदान के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखाते हुए। ध्रुव कुमार

नई दिल्ली के निर्माण भवन स्थित पोलिंग बूथ पर लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण लिए मतदान करने के बाद सोनिया गांधी के साथ सेल्फी लेते राहुल गांधी। चंद्र प्रकाश मिश्र

नई दिल्ली में शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने के बाद देश के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ तथा उनकी पत्नी। प्रेट्र

न्यूज गैलरी

वेब कास्टिंग से रखी मतदान की प्रक्रिया पर पैनी नजर

नई दिल्ली: दिल्ली में मतदान शांतिपूर्ण रहा। कहीं से कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई। दिल्ली के 50 प्रतिशत मतदान मतदान केंद्रों पर लगे वेब कैम व लाइव वेब कास्ट के माध्यम से चुनाव की प्रक्रिया पर आयोग की पैनी नजर रही। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय और जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा वेबकास्टिंग की निगरानी की गई। दिल्ली में 2627 जगहों पर बने 13,641 मतदान केंद्रों में मतदान हुआ। जिसमें से 2891 संवेदनशील मतदान केंद्र शामिल रहे। (राब्यू)

युवती की हत्या कर थाने पहुंचा आरोपित युवक

गुरुग्राम: सदर थाना क्षेत्र के गांव टिकरी स्थित एक पीजी में युवती की चाकू से गोदकर हत्या करने के बाद आरोपित युवक सरेंडर करने के लिए थाने पहुंच गया। उसने थाना पुलिस के सामने युवती की हत्या की बात स्वीकारी। सदर पुलिस के अनुसार उसे शनिवार रात टिकरी गांव स्थित पीजी में 22 वर्षीय युवती की हत्या के बारे में जानकारी मिली। (जासं)

केंद्र की सरकार के साथ दिखे सरकारी कर्मचारी

नई दिल्ली: केंद्र में फिर से भाजपा की सरकार बने, इसके पक्ष में सरकारी कर्मचारी नजर आए। केंद्र के कर्मचारियों व अधिकारियों के बीच यही रुझान था। वह न तो पे-कमीशन लाने में देरी से नाराज दिखे और न ही उन्हें पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली का मुद्दा। (जासं)

गर्मी ठंडा नहीं कर पाई मतदाताओं का जोश

लोकसभा चुनाव ▶ दिल्ली की सात सीटों के लिए रात नौ बजे तक 55 .58 प्रतिशत हुआ मतदान

उत्तर पूर्वी दिल्ली में सबसे अधिक 60 .84 प्रतिशत व नई दिल्ली में सबसे कम 51 .98 प्रतिशत पड़े वोट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को शांतिपूर्ण तरीके मतदान संपन्न हो गया। यहां के सात लोकसभा सीटों के लिए 2,627 मतदान स्थलों के 13,641 मतदान केंद्रों पर हुए मतदान में छिटपुट घटनाओं को छोड़कर ईवीएम में खराबी और मतदान प्रभावित होने की भी खास घटनाएं सामने नहीं आईं। 43.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच हुए इस चुनाव में दिल्ली के मतदाताओं का जोश कम नहीं हुआ। इस वजह से इस बार के लोकसभा चुनाव में भी पिछले लोकसभा चुनाव के आसपास मतदान होने की सूचना है।

दिल्ली में सुबह सात से शाम सात बजे तक मतदान का समय था। चुनाव आयोग के अनुसार शाम छह बजे तक दिल्ली में 54.37 प्रतिशत मतदान हुआ। कई मतदान केंद्रों पर निर्धारित समय तक पहुंचकर लाइन में लगे मतदाताओं की शाम छह बजे के बाद भी देर रात तक मतदान की प्रक्रिया जारी थी। चुनाव आयोग के वोटर टर्न आउट एप के अनुसार रात करीब नौ बजे तक दिल्ली में 55.58 प्रतिशत मतदान हुआ। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह मतदान का फाइनल डाटा नहीं है। मतदान का अंतिम डाटा बाद में जारी होगा। दिल्ली में पिछले लोकसभा चुनाव में 60.50 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसके मुकाबले वोटर टर्न आउट एप पर रात नौ बजे तक प्रदर्शित मतदान के आंकड़ों के अनुसार 4.92 प्रतिशत मतदान कम है लेकिन सीईओ कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में मतदान का आंकड़ा 59 प्रतिशत से अधिक पहुंच चुका है, जो वोटर टर्न आउट एप पर अपडेट नहीं हुआ है। फाइनल डाटा अपडेट होने पर उम्मीद है कि पिछले लोकसभा चुनाव में हुए मतदान के आसपास ही इस बार भी मतदान कुल प्रतिशत रहेगा।

नई दिल्ली- लोकसभा चुनाव के लिए तीस हजारी कोर्ट के पास विक्टोरिया गर्ल्स सीनियर सकेंडरी स्कूल पिंक बूथ पर लगी युवा मतदाताओं की लंबी कतार। ध्रुव कुमार

लोकसभा चुनाव के लिए तुगलक क्रिसेंट रोड स्थित मोडल बूथ पर मतदान के बाद सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाते मतदाता। ध्रुव कुमार

नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र ने बिगाड़ा पूरी दिल्ली का मत प्रतिशत

विनीत त्रिपाठी ● जागरण

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी की नई दिल्ली लोकसभा सीट पर मतदाताओं ने न सिर्फ निराश किया, बल्कि पूरी दिल्ली के मत प्रतिशत बढ़ने की सूरत को भी बिगाड़ दिया। दिल्ली की कई लोकसभा सीट पर जहां सुबह से ही बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते नजर आए, वहीं नई दिल्ली सीट के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सुबह से लेकर शाम तक मतदाता उदासीन बने रहे।

वोटर टर्न-आउट एप पर जारी किए गए आंकड़ों पर गौर करें तो नई दिल्ली सीट पर शाम पांच बजे तक पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 52.55 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि सबसे कम कस्तूरबा नगर में सबसे कम 48.28 प्रतिशत मतदान ही रिकार्ड किया गया। शाम पांच बजे तक पूरी दिल्ली में 54 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

सुबह नौ बजे तक नई दिल्ली लोकसभा में छह से लेकर 10 प्रतिशत तक मतदान हुआ, वहीं नौ से 11 बजे तक मत प्रतिशत 22 प्रतिशत पहुंचा और शाम पांच बजे तक 48 से 52 प्रतिशत ही मतदान करने बाहर आए।

ईवीएम के खराब होने समेत चुनाव संबंधी पीसीआर को 80 काल मिलीं

राकेश कुमार सिंह ● जागरण

▶ चार जगहों पर ईवीएम खराब होने की काल मिलीं जिसके बाद उन्हें बदल दिया गया

▶ पुलिस अधिकारी का कहना है कि एक भी काल नहीं मिली जिस पर पुलिस को कार्रवाई करने की जरूरत पड़ी

नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव के छठे चरण में शनिवार को राजधानी दिल्ली में दिल्ली पुलिस की चाक चौबंद सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हो गया। करीब 20 से 25 जगहों पर विभिन्न पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच मतदान केंद्रों पर मामूली बातों को लेकर झड़पें जरूर हुईं लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें तुरंत समझा बुझाकर शांत करा दिया। चार जगह ईवीएम में खराबी आने की काल मिलीं जिन्हें कुछ ही देर में बदल दिया गया और फिर से मतदान शुरू हो गया। ईवीएम खराब होने से मतदाताओं को अधिक परेशानी नहीं हुई। उन्हें ज्यादा देर इंतजार नहीं करना पड़ा। सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम में चुनाव से संबंधित करीब 80 काल मिलीं, जिनमें एक भी काल ऐसी नहीं पाई गई जो हिंसा व फर्जी वोट डालने से संबंधित हो और पुलिस को उस पर कार्रवाई करने की जरूरत पड़ी हो।

दिल्ली पुलिस चुनाव सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि दक्षिणी व पूर्वी जिले में दो-दो जगहों पर ईवीएम खराब हो जाने की काल मिली, जिन्हें कुछ देर के अंदर बदल दिया गया। इसके अलावा बिजली गुल हो जाने से ईवीएम बंद हो जाने की भी काल मिली जिन्हें बैट्री का बैकअप देकर चालू करा दिया गया। पुलिस अधिकारी का कहना है कि मतदान केंद्रों पर पार्टी का झंडा लगाने, पार्टी के चुनाव चिह्न से संबंधित कपड़े पहनकर मतदान केंद्रों पर आने, शराब बांटे जाने, पोस्टर लगाने, अधिक भीड़ जमा होने, मतदाताओं को दूसरी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा गुमराह करने व उनके साथ गाली गलौज करने आदि की काल आती रहीं। हर काल पर पीसीआर व पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच की लेकिन कुछ नहीं मिला। पुलिस अधिकारी का कहना है कि एक भी काल ऐसी नहीं मिली जिसपर पुलिस कार्रवाई की जरूरत पड़ी। पीसीआर कर्मी कमांड रूम को सही रिपोर्ट देते रहे। पुलिस अधिकारी का कहना है कि पुलिस को मतदान केंद्रों पर बुलाने के लिए कार्यकर्ता फर्जी काल करते रहे। फर्जी वोट डालने, मारपीट व हिंसा से संबंधित कोई काल नहीं मिली। इस तरह की काल कल्याणपुरी, टिकरी, रणहौला, नंदनगरी, त्रिलोकपुरी आदि घनी आबादी वाले इलाकों से आईं। चांदनी महल के एक बूथ में मोबाइल लेकर जाने पर कांग्रेस प्रत्याशी जेपी अग्रवाल के बेटे मुदित अग्रवाल की पुलिस से बहस हो गई। इस पर मुदित ने ईवीएम खराब हो जाने का आरोप लगाया। राजधानी के संवेदनशील व अति संवेदनशील इलाकों में स्थित मतदान केंद्रों के आसपास अधिकारियों ने पैदल मार्च कर लोगों से शांतिपूर्ण मतदान करने की अपील की।

हृदय गति रुकने से विधायक राकेश दौलताबाद का निधन

जासं, गुरुग्राम: बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद का शनिवार दोपहर हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उन्हें सुबह लगभग लगभग साढ़े नौ बजे हार्ट अटैक आया था। स्वजन ने तत्काल नजदीक मणिपाल हास्पिटल में भर्ती कराया। दोपहर लगभग एक बजे उनका निधन हो गया। अंतिम संस्कार शनिवार शाम को पैतृक गांव दौलताबाद में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। पीएम मोदी ने भी उनके निधन पर दुख व्यक्त किया।

राकेश दौलताबाद की फाइल फोटो

पिछले कई साल से पालम विहार इलाके में परिवार सहित रह रहे मूल रूप से गांव दौलताबाद निवासी 44 वर्षीय राकेश दौलताबाद ने 2019 के दौरान भाजपा प्रत्याशी मनीष यादव को 10,142 मतों से चुनाव में हरा दिया था। बादशाहपुर विधानसभा में उनकी जबरदस्त पकड़ थी। मनोहर सरकार ने उन्हें हरियाणा कृषि उद्योग विकास निगम के चेयरमैन की जिम्मेदारी दी गई थी।

हाई टेक हुआ चुनाव, मतदाताओं के मददगार बने एप व वेबपोर्टल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

▶ अब चार जून को मतगणना के दिन चुनाव आयोग के वोटर टर्नआउट और वोटर हेल्पलाइन इन दो एप पर लाइव चुनाव परिणाम की जानकारी मिलेगी

लोकसभा का यह चुनाव पूरी तरह हाईटेक हुआ। चुनाव आयोग के मोबाइल एप व वेबपोर्टल मतदाताओं के लिए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से लेकर मतदान की प्रक्रिया तक में मददगार बने। यही वजह है कि मतदान केंद्रों पर बनी हेल्प डेस्क पर वोटर स्लिप के लिए मतदाताओं की बहुत ज्यादा भीड़ नहीं देखी गई। अब चार जून को मतगणना के दिन चुनाव आयोग के वोटर टर्नआउट और वोटर हेल्पलाइन इन दो एप पर चुनाव परिणाम की जानकारी मिलेगी।

चुनाव आयोग द्वारा जारी करीब 10 मोबाइल एप इस बार चुनाव में विभिन्न कार्यों के लिए इस्तेमाल किए गए। मतदाताओं के लिए इनमें वोटर हेल्पलाइन एप सबसे ज्यादा मददगार हुआ। यह एप मतदाता सूची में अपना नाम देखने और वोटर स्लिप निकालने में मतदाताओं के लिए मददगार रहा। ज्यादातर लोग वोटर स्लिप अपने साथ लेकर ही मतदान केंद्र पर वोट देने पहुंचे। इसका कारण यह है कि चुनाव आयोग द्वारा भी बहुत से मतदाताओं के घर वोटर स्लिप पहुंचा दी गई थी। वोटर स्लिप जिनके घर नहीं पहुंची, उनमें बहुत से मतदाता आनलाइन वोटर स्लिप डाउनलोड कर प्रिंटआउट लेकर मतदान केंद्रों पर पहुंचे थे। उन मतदाताओं को मतदान केंद्र पर बूथ ढूंढने में दिक्कत नहीं हुई।

इसके अलावा वोटर टर्नआउट एप के माध्यम से लोगों को मतदान प्रतिशत की जानकारी दी जा रही थी। इस एप पर हर दो घंटे के अंतराल पर मतदान प्रतिशत अपडेट होता है लेकिन मतदाता का डाटा करीब आधे की देरी से अपलोड हो रहा था। इसके अलावा सक्षम-ईसीआइ मोबाइल एप दिव्यांग मतदाताओं के लिए मददगार बना। कई दिव्यांग मतदाताओं ने पिक एंड ड्राप सुविधा के लिए आवेदन किया था, जिन्हें निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा नियुक्त किए गए वालंटियर उनके घर से व्हील चेयर व ई-रिक्शा से मतदान केंद्र लेकर आए और मतदान के बाद उन्हें घर पहुंचाया। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के वेबपोर्टल से भी मतदाता सूची में नाम देखने व वोटर स्लिप डाउनलोड करने की सुविधा थी। इस पोर्टल से भी मतदाताओं ने वोटर स्लिप डाउनलोड कीं। आयोग ने इस बार कई अन्य एप का इस्तेमाल किया जो चुनाव प्रबंधन में कर्मचारियों के लिए मददगार साबित हुए।

गठबंधन के बारे में नहीं थी जानकारी, पार्टी चिह्नों में उलझे दिखे मतदाता

नेमिष हेमंत, जागरण ● नई दिल्ली: चावड़ी बाजार में एक मतदान केंद्र के बाहर खड़े मतदाता, मतदान के मुद्दों के सवालों पर तपाक से पलटकर सवाल करते हैं कि क्या इस बार आम आदमी पार्टी (आप) चुनाव नहीं लड़ रही है? वह कहते हैं कि वह ईवीएम में झाड़ू चिन्ह तलाश रहे थे, लेकिन उन्हें नहीं दिखा, जबकि दो-दो ईवीएम मशीनें लगी थी। लोकसभा चुनाव के मतदान में वह अकेले मतदाता नहीं थे, जिन्हें कुछ सीटों से आप के उम्मीदवार के न उतरने की जानकारी हो, चांदनी चौक क्षेत्र में ऐसे कई मतदाता मिले, जिन्हें आप और कांग्रेस पार्टी के गठबंधन में झाड़ू के नहीं बल्कि पंजे के निशान पर संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करने की जानकारी मतदान से पूर्व मिली हो।

एक पोलिंग बूथ पर कांग्रेस के एजेंट ने बताया कि गठबंधन भले ही ऊपर हुआ, लेकिन बूथ स्तर के दोनों पार्टियों में कुछ हद तक समन्वय का अभाव दिखा है। मटिया महल इलाके के मतदान केंद्रों के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ता मतदाताओं को यह समझाते भी मिले कि इस बार झाड़ू नहीं दिखेगा, बल्कि पंजा चिन्ह पर बटन दबाना है। यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार जेपी अग्रवाल चुनावी सभाओं तथा पोस्टरों में इस बात का जरूर जिक्र करते थे कि यहां से झाड़ू नहीं, बल्कि दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ रही है और इस बार कांग्रेस को ही मतदान करना है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति ने महापर्व का बढ़ाया मान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

चुनावी महापर्व में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु समेत प्रमुख हस्तियों ने सुबह ही मतदान कर लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा अपने मतदान केंद्र पर मतदान करने वाले पहले मतदाता बने। इसके लिए दोनों को नई दिल्ली जिला प्रशासन प्रशस्ति पत्र भी दिया।

राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार उन लोगों में शामिल रहे, जिन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में बने पिंक बूथ पर कतार में खड़े होकर अपना वोट डाला। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने नार्थ एवेन्यू स्थित सीपीडब्ल्यूडी के सर्विस सेंटर पर वोट डाला। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि लोकसभा चुनाव में में अपना वोट डालना गौरव का क्षण है। मताधिकार दायित्व भी है और ताकत भी है। सभी से उन्होंने वोट देने की अपील की। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के लायंस विद्या मंदिर सेकेंडरी स्कूल में एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद कहा, ''मैंने देश के नागरिक के रूप में अपना कर्तव्य पूरा किया है। मैं पहले ही कह चुका हूं कि यह एक नागरिक का सबसे बड़ा कर्तव्य है।''

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को नई दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान किया। प्रेट्र

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ ने मतदान किया। एएनआइ

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, ''हम चाहते हैं कि लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए आएं क्योंकि यह देश के लिए एक बड़ा निर्णय लेने का समय है।'' वहीं, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी कहा कि गेट खुलने से आधे घंटे पहले मतदान केंद्र पर पहुंचना और दुनिया के सबसे बड़े कार्निवल और लोकतंत्र के उत्सव में भाग लेना बहुत अच्छा एहसास है।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी व राहुल गांधी ने निर्माण भवन में बने मतदान केंद्र पर वोट डाला। राहुल मां सोनिया गांधी के साथ ऊंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए एक्स पर तस्वीर पोस्ट कर कहा कि मां और मैंने लोकतंत्र के इस महापर्व में वोट डालकर योगदान दिया। आपका वोट आपके जीवन को बेहतर बनाने के साथ-साथ लोकतंत्र की रक्षा भी करेगा।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल, पिता और दो बच्चों के साथ चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र में वोट डाला, उन्होंने कहा कि उन्होंने ''तानाशाही, मुद्रास्फीति और बेरोजगारी'' के खिलाफ मतदान किया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लोगों से मतदान करने की अपील की और अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और दोस्तों से भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा, उनके पति रॉबर्ट वाड्रा, उनके बेटे रेहान और बेटी मिराया ने भी नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में लोधी रोड पर एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। पहली बार मतदाता बनीं मिराया वाड्रा ने कहा, 'युवाओं को मेरा एकमात्र संदेश है कि बाहर आएं और मतदान करें।' रेहान वाड्रा ने कहा, ''गर्मी है लेकिन हमें हर पांच साल में सीधे तौर पर बदलाव लाने और लोकतंत्र में भाग लेने का मौका मिलता है। इसलिए, सभी को बाहर आना चाहिए और मतदान करना चाहिए।

उधर, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा ने परिवार सहित मयूर विहार फेज-1 में वोट डाला और फिर दिल्ली भाजपा कार्यालय में बने कंट्रोल रूम में बैठ कर प्रारम्भिक समीक्षा की।

रणनीति

हाईटेक तरीके से बूथ पर मिनी प्रिंटिंग मशीन से मतदाताओं की बना रहे थे पर्ची, गर्मी में बूथ कार्यकर्ताओं को न हो दिक्कत इसके लिए शीतय पेय और भोजन की थी व्यवस्था

बूथ पर दिखा भाजपा का बेहतर चुनाव प्रबंधन

निहाल सिंह ● जागरण

नई दिल्ली: लगातार दो बार से दिल्ली की सातों सीटों पर काबिज होने वाली दिल्ली भाजपा ने पुनः कब्जा करने के लिए चुनाव के बेहतर प्रबंधन का भी सहारा लिया। इसके लिए न केवल बूथ के अंदर बैठे कार्यकर्ताओं के लिए पानी और खाने की व्यवस्था रहे इसके लिए इंतजाम किए गए बल्कि मतदान केंद्रों के पास लगी टेबल पर भी भाजपा का बेहतर चुनावी प्रबंधन दिखा। ज्यादातर टेबलों पर टेंट से लेकर छतरी तक की व्यवस्था थी। वहीं, कार्यकर्ताओं को दिक्कत न हो इसके लिए समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम थी जो पानी शीतल पेय पदार्थ उपलब्ध करा रहे थे। टेबल पर पहुंचने वाले मतदाताओं की पर्ची बनाने में ज्यादा समय न लगे, इसके लिए मिनी प्रिंटर का इस्तेमाल किया गया था जो मतदाताओं को भी आकर्षित कर रहा था।

जिन बूथों पर 10 हजार वोट थे उन पर एक-एक मशीन थी, जिन बूथों पर 15 हजार के करीब वोट थे उन पर दो से तीन मशीनें थी। यह मशीनें क्रेडिट या डेबिट कार्ड से भुगतान करने के बाद जो पर्ची निकलती है उसकी तरह (पीओएस) थी। जिन पर मात्र कुछ सेंकेड में मतदाता का नाम ढूंढा जा रहा था बल्कि उसकी पर्ची भी तुरंत मतदाता को दी जा रही थी। भाजपा के अलावा किसी और राजनीतिक दल की टेबल पर ऐसी व्यवस्था नहीं थी। इस मिनी प्रिंटर से और जल्दी पर्ची निकलने की वजह दूसरे राजनीति दलों से मतदाता इस पर आ रहे थे क्योंकि जल्दी पर्ची निकल रही थी।

राजेंद्र नगर में मतदान केंद्र के पास भाजपा की चुनावी टैबल पर मिनी प्रिंटर से पर्ची निकालकर मतदाता को सौंपते हुए भाजपा कार्यकर्ता विनीत व अन्य। जागरण

भाजपा की टेबल पर नजर आई भीड़

दिल्ली के मुस्लिम बहुल इलाकों को छोड़ दें तो ज्यादा भीड़ भाजपा की टेबलों पर नजर आ रही थी। क्योंकि भाजपा की व्यवस्था पूरी तरह से व्यवस्थित थी इसलिए लोगों को भी सहूलियत हो रही थी। वहीं, मुस्लिम बहुल इलाकों में जहां कांग्रेस पार्टी लड़ रही थी तो वहां कांग्रेस की टेबल पर भीड़ थी और जहां आप लड़ रही थी तो वहां पर आप की टेबल पर भीड़ थी। पाश इलाकों में भाजपा की टेबल पर दूसरे दलों से ज्यादा भीड़ थी

मतदाता सहायता केंद्र से हुई सहूलियत

वैसे तो राजनीतिक दलों ने मतदान केंद्रों के बाहर अपनी-अपनी टेबल मतदाताओं की सहूलियत के लिए लगा रखी थी लेकिन मतदान केंद्रों के अंदर मतदाता सहायता केंद्र भी स्थापित थे। जो उन मतदाताओं को उनके मतदान केंद्र की जानकारी या पर्ची बनाने में मदद कर रहे थे।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

****

7,000 प्रत्याशी अपनी जमानत नहीं बचा पाए थे 2014 के लोकसभा चुनाव में। कुल 8,251 उम्मीदवारों ने संसदीय चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई थी। पुरुष उम्मीदवारों की संख्या 7,577 और महिला उम्मीदवारों की संख्या 668 थी।

जीरो लाइन तक केंद्र की योजनाएं तो पहुंचीं, मगर संदेश नहीं

पंजाब के पठानकोट से लगभग 40 किलोमीटर दूर जीरो लाइन (वह क्षेत्र जहां, पर दो देशों की सीमा मिलती है।) पर स्थित क्षेत्र के प्रथम गांव सकोल में लगभग 40 घर हैं। सभी घर पक्के हैं। राज्य और केंद्र की कई योजनाएं यहां पहुंच गई हैं, लेकिन सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवहन जैसी सुविधाओं को लेकर अभी बहुत काम शेष है। बाढ़ पीड़ित क्षेत्र होने के कारण भी यहां कुछ दुश्वारियां हैं। पाकिस्तान सीमा पर स्थित गांव सकोल से **अभिषेक श्रीवास्तव** की रिपोर्ट-

- गांव सकोल में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवहन जैसी सुविधाओं को लेकर अभी बहुत काम है शेष
- बाढ़ पीड़ित क्षेत्र होने के कारण भी यहां कुछ दुश्वारियां हैं, जिनसे निजात चाहते हैं लोग

गांव सकोल से बमियाल की ओर जाने वाली सड़क। यह सुधर जाए तो लोगों का आना-जाना आसान हो जाए ● जागरण

लाभ लेने के बाद भी योजना का नाम नहीं पता

पाकिस्तान के एकदम निकट होने के बावजूद गांव सकोल में सुरक्षा को लेकर सुकून है, क्योंकि यहां बीएसएफ मुस्तैद है। सुरक्षा के कड़े प्रबंध हैं। सड़कों की हालत बहुत अच्छी नहीं है। इसके बावजूद केंद्र की कई योजनाएं इस गांव में पहुंची हैं। यह बात और है कि इन पथरीली और उबड़-खाबड़ सड़कों में उलझकर केंद्र सरकार का संदेश कहीं पीछे छूट गया है। शायद भाजपा के कार्यकर्ता और नेता यहां कम ही पहुंचते हैं, इसलिए काम की बात ठीक से नहीं पहुंच पाती। तभी तो इस प्रथम गांव का प्रथम मकान ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बना होने के बावजूद गृह स्वामिनी अनीता कुमारी भाजपा और मोदी सरकार का नाम नहीं लेतीं। वह कहती हैं कि पहले कच्चे घर में रहती थी। वर्षा के दिनों में छत टपकती रहती थी। फिर दो वर्ष पहले किसी योजना के तहत उन्हें यह पक्की छत मिली। जिस भी सरकार और पार्टी के कारण यह हुआ, उसे वह धन्यवाद देती हैं।

अनीता कुमारी

योजना के तहत पानी तो पहुंचा, पर नहीं है पीने योग्य

अनीता के पड़ोस के घर के बरामदे में बैठीं संतोष कौर और कुलजिंदर कौर इस बात से थोड़ा संतुष्ट थीं कि हर घर जल योजना के तहत उनके यहां पानी पहुंच रहा है, लेकिन उन्हें इस बात का मलाल अधिक है कि यह पानी पीने योग्य नहीं है। कई जगह पाइप टूटने के कारण सीवरेज का पानी इसमें मिल जाता है और इसे पीने से गांव वाले बीमार हो जाते हैं। पीने के पानी के लिए वह हैंडपंप पर ही निर्भर हैं। आटा-दाल स्कीम के अंतर्गत उन्हें सिर्फ आटा या गेहूं ही मिल पाता है, दाल कभी नहीं मिली।

संतोष कौर

कुलजिंदर कौर

परिवहन की सुविधा नहीं

इस गांव की सबसे बड़ी समस्या परिवहन की है। सबसे नजदीकी कस्बा यहां से करीब पांच किलोमीटर दूर बमियाल है, लेकिन वहां तक जाने के लिए आटो तक की सुविधा नहीं है। वहां तक पैदल ही जाना पड़ता है। वहां से आगे के लिए साधन मिल पाता है। बच्चों को 12वीं कक्षा तक की शिक्षा के लिए भी बमियाल तक पैदल या साइकिल से जाना पड़ता है। 12वीं के बाद अधिकांश बच्चे पढ़ाई छोड़ देते हैं और खेती अथवा मजदूरी के काम में लग जाते हैं, क्योंकि उच्च शिक्षा के लिए पांच किलोमीटर दूर भी कोई प्रबंध नहीं है।

किस दल से कौन प्रत्याशी

पार्टी	प्रत्याशी
भाजपा	दिनेश बब्बू
कांग्रेस	सुखजिंदर सिंह रंधावा
आप	अमनशेर सिंह कलसी
शिअद	दलजीत सिंह चीमा

गांव के लोगों की नई सरकार से ये हैं अपेक्षाएं

इस गांव के लोगों को अपने प्रशासनिक काम के लिए यहां से लगभग 40 किलोमीटर दूर मलकपुर जाना पड़ता है, जहां जिला प्रशासन का मुख्यालय है। गांव में न तो किसी पार्टी का पोस्टर है, न बैनर...। नई सरकार से अपेक्षा की बात पर कहते हैं कि सरकार किसी की बने, उनके गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन की व्यवस्था करे। सड़कें बेहतर हों। बच्चे 12वीं कक्षा के बाद भी शिक्षा प्राप्त कर सकें, इसका भी प्रबंध हो। बमियाल में कोई इंडस्ट्री लगाई जाए।

भाजपा की हैट-ट्रिक की राह में चुनौतियां भी

जातीय चक्रव्यूह में घिरे संसदीय क्षेत्र से तीसरी बार मैदान में हैं केंद्रीय मंत्री डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय

अजय जायसवाल ● जागरण

27 वर्ष पहले मायावती ने वाराणसी से अलग कर बनाया था नया जिला चंदौली

18,36,000 मतदाताओं वाला चंदौली अब भी पिछड़ेपन से उबरा नहीं

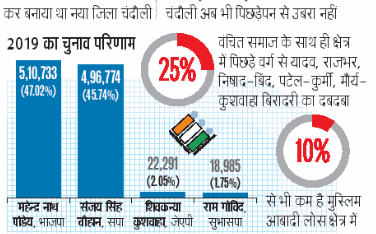

पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से सटा है चंदौली क्षेत्र ● जागरण

चंदौली: आम चुनाव के अंतिम चरण की हाई प्रोफाइल लोकसभा सीटों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से बिल्कुल सटी चंदौली लोकसभा सीट भी है। यहां से मोदी सरकार में पहले कौशल विकास और अब भारी उद्योग मंत्रालय का दायित्व संभाल रहे डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय एक बार फिर चुनाव मैदान में हैं। विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए से सपा ने पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिंह को चुनावी अखाड़े में उतारा है। जातीय चक्रव्यूह में घिरी चंदौली सीट पर मोदी-योगी के नाम व काम के प्रभाव के साथ ही भाजपा एनडीए के सहयोगी दलों के दम पर सीधी लड़ाई में विपक्षी गठबंधन की धार को कुंद करते दिख रही है। सपा गठबंधन भी महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों के साथ ही पिछड़ेपन से जूझ रहे क्षेत्र में कोई भारी उद्योग न लगाने पर डा. पाण्डेय को घेरते हुए भाजपा की हैट-ट्रिक पर ब्रेक लगाने की कोशिश में है। अबकी बसपा बेअसर है।

पूर्वांचल में वाराणसी से बिहार सीमा तक लगने वाली चंदौली सीट का ज्यादातर हिस्सा ग्रामीण है। 'धान का कटोरा' कहे जाने वाले चंदौली क्षेत्र को 27 वर्ष पहले मायावती ने वाराणसी से अलग कर जिला बनाया था। तकरीबन 18,36,000 मतदाताओं वाला चंदौली अब भी पिछड़ेपन से उबरा नहीं है। यहां के ज्यादातर निवासी खेती पर निर्भर हैं, लेकिन सिंचाई के पर्याप्त साधन नहीं है। बुनियादी सुविधाओं का हाल भी बद्तर है इसलिए क्षेत्रवासियों की नाराजगी जनप्रतिनिधियों के प्रति देखने को मिलती है। हालांकि, सिंचाई के साधन से लेकर पिछड़ेपन को दूर करने को चुनाव में विकास के मुद्दे पर जातीय समीकरण कहीं ज्यादा हावी है। तकरीबन 25 प्रतिशत वंचित समाज के साथ ही क्षेत्र में पिछड़े वर्ग से यादव, राजभर, निषाद-बिंद, पटेल-कुर्मी, मौर्य-कुशवाहा का दबदबा है। ब्राह्मण और क्षत्रियों के भी ठीक-ठाक वोट हैं। मुस्लिम 10 प्रतिशत से भी कम हैं।

डा. महेन्द्र नाथ, भाजपा

वीरेंद्र सिंह, सपा

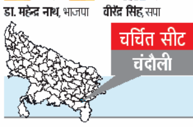

भाजपा का मजबूत पक्ष

चंदौली लोस क्षेत्र की पांच विस में मुगलसराय, सकलडीहा, सैयदराजा के साथ ही वाराणसी जिले की शिवपुर और सुरक्षित सीट अजगरा है। चार पर भाजपा और सकलडीहा पर सपा का कब्जा है। अपना दल(एस) के साथ ही सुभासपा, निषाद पार्टी के भी एनडीए में शामिल होने और जनवादी पार्टी के संजय चौहान का समर्थन मिलने से भाजपा जातीय समीकरण साधने में कामयाब दिख रही है, वहीं मोदी-योगी सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर कराए गए विकास कार्यों का प्रभाव खासतौर से शिवपुर व अजगरा सीट पर है। राम मंदिर का निर्माण व मुफ्त अनाज जैसी योजनाओं का असर तो पूरे संसदीय क्षेत्र में है।

सपा का मजबूत पक्ष

गठबंधन होने से सपा के साथ ही कांग्रेसी भी वीरेंद्र सिंह की जीत के लिए पसीना बहाते दिख रहे हैं। वाराणसी के ही रहने वाले वीरेंद्र क्षेत्रवासियों के लिए अंजान नहीं हैं। उनके कई कालेज व दूसरे कारोबार इसी क्षेत्र में हैं। यादव-मुस्लिम के साथ ही कुछ हद तक राजपूतों का झुकाव उनकी ओर दिखता है। भारी उद्योग मंत्री होने के बावजूद क्षेत्र में कोई बड़ा उद्योग न लगवाने और संसदीय क्षेत्र में कम सक्रियता से डा. पाण्डेय के प्रति लोगों की नाखुशी है। क्षेत्रवासियों का तो यहां तक कहना है कि सांसद ही नहीं भाजपा विधायक भी जीतने के बाद बुनियादी सुविधाओं की बदहाली दूर करते नहीं दिखते।

मतदाताओं की राय: अजगरा के हरहुआ में कोईराजपुर मोड़ पर बात कर रहे अशोक सिंह और सोपाल पाण्डेय बताते हैं कि वे महेन्द्र पाण्डेय को तो नहीं चाहते हैं, लेकन मोदी-योगी की मजबूरी में वह 'कमल' के साथ हैं। कहते हैं कि भाजपा ने प्रत्याशी बदल दिया होता तो उसे कोई दिक्कत ही नहीं थी। अजय सिंह कहते हैं कि न सांसद न विधायक टी राम यहां कुछ करते हैं फिर भी मोदी-योगी सरकार के काम को देखते हुए उन्हें ही जनता वोट देगी। कार सेवकों पर गोली चलवाने के लिए सपा को कोसते हुए काशी सिंह कहते हैं कि चंदौली न सही, किसी भी उद्योग लगाए जाने में भी तो राष्ट्र का भला है। सिद्धांत नहीं स्वार्थ में वीरेंद्र पार्टी बदलने रहे, जबकि बेदाग छवि के डा. पाण्डेय भाजपा के ही सिद्धांतों पर चलते रहे हैं। ऐसे में मुझे जाति देखनी होती तो योगी की देखेंगे। शिवपुर में मिठाई के कारोबारी अशोक गुप्ता कहते हैं कि आएंगे तो मोदी ही। भवानीपुर के कोटवा में पान की दुकान पर खड़े बनारसी साड़ी बनाने वाले बाबूदीन कहते हैं कि मुफ्त राशन तो मिलता है, लेकिन महंगाई से परिवार पालना मुश्किल है। संजय सवाल उठाते हैं कि दो किलो गेहूं व तीन किलो चावल से कैसे महीनेभर पेट भरेगा?सकलडीहा के चहनियां चौराहे पर मिले अमन यादव कहते हैं कि न अस्पताल खुला है और न ही स्टेडियम यहां बना है। वर्षों से चंदौली-गाजीपुर हाईवे का काम भी लटका है। सैयदराजा के एवेती गांव में रहने वाले अशोक पाण्डेय व महानंद चौबे योगी सरकार से इसलिए खुश हैं, क्योंकि माफिया अतीक व मुख्तार की मौत से बड़े से बड़े अपराधियों के हौसले पस्त हैं। मुगलसराय के रोहित, अरुण सिंह कहते हैं कि इस क्षेत्र से भाजपा को बड़ी जीत मिलती रही है, लेकिन इस बार पहले जैसी स्थिति नहीं है।

वर्ष 2019 में 13,959 मतों के अंतर से ही जीती थी भाजपा: एक दशक पहले वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी की लहर में भाजपा ने चंदौली सीट पर अपना दल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) से गठबंधन कर 16 वर्ष बाद वापसी की थी। भाजपा के डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने डेढ़ लाख से अधिक मतों के अंतर से बसपा को शिकस्त देकर जीत दर्ज की थी। दो लाख से अधिक मतों को लेकर सपा तीसरे व मात्र 27 हजार वोट पाने वाली कांग्रेस चौथे पायदान थी। पिछले चुनाव में सीट के सियासी समीकरण बदले थे। प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व संभालते दूसरी बार चुनाव मैदान में उतरे डा. पाण्डेय का मुकाबला सपा-बसपा गठबंधन के साथ ही सुभासपा से भी था। गठबंधन से सपा के टिकट पर जनवादी पार्टी के संजय सिंह चौहान लड़े थे, जबकि कांग्रेस ने बसपा सरकार में मंत्री रहे बाबू सिंह कुशवाहा की जन अधिकार पार्टी (जेएपी) के लिए सीट छोड़ दी थी। ऐसे में भाजपा-सपा की सीधी लड़ाई में डा. पाण्डेय सिर्फ 13,959 मतों के अंतर से ही जीते थे। उल्लेखनीय है कि चंदौली सीट पर भाजपा पहले भी हैट-ट्रिक लगा चुकी है। वर्ष 1991, 1996 व 1998 चुनावों में भगवा परचम लहराया था। यहां से कांग्रेस, सपा व बसपा के भी सांसद रहे हैं, पर कोई भी दूसरी बार नहीं जीता है। इस बार सभी दल हवा का रुख मोड़ने को ताबड़तोड़ जनसभाएं कर रहे हैं।

संदेशखाली के सन्नाटे का 'संदेश'

विशाल श्रेष्ठ ● जागरण

- मतदाताओं में छाई खामोशी, चुनाव प्रचार का भी ज्यादा शोर नहीं
- राजनीतिक दलों के ज्यादा होर्डिंग्स-बैनर नहीं दिख रहे
- माहौल बता रहा कि लोगों ने चुपचाप ले लिया है निर्णय

संदेशखाली : बंगाल के संदेशखाली में मतदान से पहले अजीब सा सन्नाटा है। लोग खामोश हैं। कोई किसी से ज्यादा बातें नहीं कर रहा। सब अपने में व्यस्त हैं या फिर ऐसा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। यहां आकर लगा ही नहीं कि यह वही 'मुखर' संदेशखाली है, जहां महिलाओं के यौन उत्पीड़न व लोगों की जमीनें हथियाने के विरुद्ध उठी आवाज की बंगाल ही नहीं, पूरे देश में गूंज हुई। जिसे लेकर इतनी बातें हो रही हैं, वहीं के लोग मतदान से पहले मौन हो गए हैं। और तो और, यहां चुनाव प्रचार का भी उतना शोर सुनाई नहीं पड़ रहा। राजनीतिक दलों के ज्यादा होर्डिंग्स-बैनर भी नहीं दिख रहे। स्थानीय लोगों से रास्ता पूछो तो बता देंगे, लेकिन चुनाव, राजनीति अथवा संदेशखाली के बारे में पूछने पर चुप्पी साध ले रहे हैं। बहुत पूछने पर इतना ही कह रहे- 'बोलले असुबिधे आचे। (कुछ कहने पर परेशानी हो सकती है।)'। कुछ लोग किसी तरह बात करने को राजी हुए तो उनमें भी ज्यादातर ने फोटो खिंचवाने से मना कर दिया। मुंह पर भले चुप्पी हो, लेकिन संदेशखाली का माहौल यह आभास करा रहा है कि यहां के लोगों ने चुपचाप अपना निर्णय ले लिया है, जिसका पता चार जून को चलेगा।

संदेशखाली की नदियों में 'अंडर करंट': मेन लैंड धामाखाली से मोटर चालित नौका (स्थानीय भाषा में भुटभुटी) से नदी पार कर संदेशखाली के पास के द्वीप आमतोली जा रहे शुभंकर मंडल ने इशारों में कहा-इन नदियों को देख रहे हैं। इसमें 'अंडर करंट' दौड़ रहा है। मालूम हो कि संदेशखाली चारों तरफ से कलागछिया, छोटो कलागछिया, विद्याधरी, रायमंगल व छोटो तुषकाली बाड़ी जैसी नदियों से घिरा है। दूसरी तरफ धामाखाली फेरी घाट के पास फल बेचने वाले एक व्यक्ति ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर चुपके से कहा कि संदेशखाली की घटना को आधा सच और आधा झूठ है। घटनाएं हुई तो हैं, लेकिन उन्हें काफी बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। इसमें तृणमूल के बशीरहाट इलाके के बड़े नेता नहीं बल्कि स्थानीय छुटभैये शामिल हैं।

ग्राउंड रिपोर्ट

यूं सामने आया संदेशखाली प्रकरण

इस साल पांच जनवरी को राशन घोटाले की जांच के सिलसिले में तृणमूल नेता(अब निलंबित) शाहजहां शेख के संदेशखाली स्थित घर पहुंची ईडी की टीम पर हमले के बाद यह प्रकरण सामने आया था। हमले के बाद शाहजहां फरार हो गया था। इसी बीच संदेशखाली की स्थानीय महिलाओं ने शाहजहां व उसके लोगों पर यौन उत्पीड़न व जमीन पर कब्जे का आरोप लगाते हुए विरोध शुरू कर दिया।

जमीनों पर कर लिया कब्जा

संदेशखाली में चारों ओर भेरी ही भेरी (मत्स्य पालन केंद्र) नजर आते हैं। यहां पर ई-रिक्शा चलाने वाले बापोन सिंह ने कहा- 'इन भेरी में से अधिकांश पर तृणमूल के निलंबित नेता शाहजहां शेख और निष्कासित नेता शिबू हाजरा व उत्तम सर्दार का कब्जा है। जमीनों पर कब्जा करके भेरी में बदल दिया गया है, क्योंकि इसमें पैसा अधिक है। उधर, स्थानीय तृणमूल नेताओं ने कहा कि स्टिंग वीडियो से साफ हो चुका है कि संदेशखाली कांड फर्जी है।

बापोन सिंह

कई वर्ष से मतदान नहीं किया

स्थानीय निरबला पात्र कहती हैं-'हम रेखा पात्र के साथ हैं। वह हमारे लिए लड़ रही है।' बहादुर सर्दार कहते- 'तृणमूल के लोगों ने मेरी जमीन छीन ली। बहुत कष्ट में जी रहा हूं। कई वर्षों से मतदान भी नहीं कर सका हूं।' संदेशखाली फेरी घाट पर सत्तू बेचने वाले एक व्यक्ति ने कहा- 'यह सब झूठ है। मैं इतने समय से यहां रह रहा हूं। इससे पहले कभी ऐसी किसी घटना के बारे में नहीं सुना।'

निरबला सर्दार

बहादुर सर्दार

संदेशखाली लाएगा परिवर्तन : प्रदीप

भाजपा प्रत्याशी रेखा पात्र के जेठ प्रदीप पात्र ● जागरण

संदेशखाली के कालोनी पाड़ा में रहने वाले रेखा पात्र के जेठ प्रदीप पात्र ने कहा- 'हमारे घर की बहू ने जो लड़ाई छेड़ी है, उसमें पूरा संदेशखाली उसके साथ है। संदेशखाली से इस बार बशीरहाट में परिवर्तन आएगा।' प्रदीप ने आगे कहा- 'हमें हर रोज धमकियां मिल रही हैं। फिर भी हम डटे हुए हैं। रेखा का यहां रहना सुरक्षित नहीं हैं, इसलिए वह पति व तीनों बच्चों के साथ अभी बशीरहाट में रह रही है।'

बशीरहाट संसदीय क्षेत्र में किस दल से कौन है प्रत्याशी

संदेशखाली बंगाल की बशीरहाट संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत चारों ओर से पानी से घिरा छोटा सा द्वीप है, जहां 2,45,757 मतदाता हैं। संदेशखाली विस केंद्र भी है। यह दो संदेशखाली-1 व 2 ब्लाक में बंटा है। प्रत्येक ब्लाक के अंतर्गत आठ-आठ ग्राम पंचायतें हैं। बशीरहाट में आगामी एक जून को मतदान होगा। तृणमूल से इस बार यहां निवर्तमान सांसद नुसरत जहां के बदले हाजी नुरुल इस्लाम प्रत्याशी हैं, जबकि भाजपा ने संदेशखाली आंदोलन का चेहरा बन चुकी रेखा पात्र को उतारा है। माकपा से पूर्व विधायक निरापद सरकार मैदान में हैं।

चुनावी कानाफूसी

पीएम-शाह के संदेश से कांग्रेसियों में सुगबुगाहट

'आप हल्के में ले रहे हैं...बात बढ़ गई है। जयराम ठाकुर को छोड़ो, अब तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हिमाचल आकर कह दिया कि ये लोग अधिक दिनों तक नहीं टिकेंगे।' यहां ये लोग से अर्थ है हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार। ये बातें स्थानीय कांग्रेस नेता एक-दूसरे से कहने लगे हैं। सियासी गलियारों में तो चर्चा यह भी थी कि कल यदि अमित शाह भी यही कह देंगे तो चिंता की बात है। पीएम के दौरे के अलगे दिन शनिवार को यह बात अमित शाह ने भी ऊना और धर्मशाला में यह बात कह दी तो इसके बाद से कांग्रेस के खेमे में चिंता बढ़ गई है कि कांग्रेस सरकार का क्या होगा। वास्तव में राज्यसभा चुनाव के बाद से नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर कह रहे हैं कि चार जून के बाद सुक्खू सरकार गिर जाएगी। भाजपा के हिमाचल विषयक रणनीतिकारों में पहली पंक्ति में बैठाए गए राज्यसभा सदस्य हर्ष महाजन भी बार-बार कह रहे हैं कि कांग्रेस के कई लोग कतार में हैं, जिन्हें देख परख कर भाजपा प्रवेश देगी। हालांकि, विधानसभा की छह सीटों पर उप चुनाव भी होना है। विधानसभा में कांग्रेस की संख्या अभी 34 है। यदि दो सीटें भी कांग्रेस जीत जाती है तो वह बहुमत प्राप्त कर लेगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, नेता प्रतिपक्ष के दावों के पीछे का गणित जानना चाहते हैं तो जवाब मिलता है कि चार जून की प्रतीक्षा करें। यही सवाल जब हर्ष महाजन से पूछें तो वह मुस्कराते हुए कहते हैं, 'मैंने राज्यसभा का नामांकन भरते हुए कहा था कि मेरा गणित मुझे पता है। अब चार जून के बाद का गणित भी पता है। जो हो, पीएम और गृहमंत्री के संकेतों के बाद कांग्रेस को राजनीतिक भूस्खलन का डर लग रहा है।

भाजपा मोदी के काम के सहारे तो कांग्रेस मंत्रियों के आसरे

अनिल ठाकुर ● जागरण

- तीन जिलों वाले संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशियों का निर्णय करेगा शिमला जिला
- भाजपा चौका लगाने की कोशिश में, कांग्रेस करना चाहती है पुराने गढ़ में वापसी

पीएम मोदी ने दिया बड़ा संदेश

यह संसदीय क्षेत्र पीएम मोदी की सभा के लिए प्रतीक्षारत था। शुक्रवार को मोदी आए और प्रभावी ढंग से अपनी बात कही। मोदी ने एक बार फिर सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास और हाटी समुदाय से जुड़े सवा दो लाख लोगों को जनजातीय दर्जा देने की याद प्रभावी ढंग से दिलाई है। समझा जा रहा है कि मोदी का कनेक्ट यहां काम आ रहा है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का घर भी इसी संसदीय क्षेत्र में है। शनिवार को अमित शाह ने भी राहुल और प्रियंका के लिए कहा कि उन्हें शिमला की याद छुट्टी मनाने के लिए ही आती है।

सुरेश कश्यप, भाजपा

शिमला

विनोद सुल्तानपुरी, कांग्रेस

शिमला: सेब, टमाटर, नाशपाती, आड़ू, लहसुन और अदरक के लिए पहचाने जाने वाला शिमला संसदीय क्षेत्र तीन जिलों पर आधारित है। शिमला, सोलन और सिरमौर। 17 विधानसभा क्षेत्रों वाले इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस व भाजपा के प्रत्याशी अलग-अलग जिलों से हैं। ऐसे में शिमला जिला दोनों के भाग्य का निर्णय करने में अहम भूमिका निभाएगा।

भाजपा के प्रत्याशी सुरेश कश्यप सिरमौर से आते हैं। पूर्व वायु सैनिक हैं। निवर्तमान सांसद हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। अस्तित्व में आने के बाद दो ही बार यह सीट भाजपा या कांग्रेस से इतर किसी दल को मिली है। 1999 में भाजपा व हिमाचल विकास कांग्रेस (हिविकां) गठबंधन के कर्नल धनी राम शांडिल जीते, जबकि 1977 में भारतीय लोक दल के बालक राम। उससे पहले यहां कांग्रेस का दबदबा रहा है। 2009 से यहां भाजपा ही जीत रही है। इस बार भाजपा की कोशिश चौथी बार जीतने की है तो कांग्रेस की अपना पुराना गढ़ वापस पाने की । कांग्रेस ने कसौली से विधायक विनोद सुल्तानपुरी को मैदान में उतारा है, जो छह बार सांसद रहे कृष्ण दत्त सुल्तानपुरी के पुत्र हैं। वह सोलन से हैं। कांग्रेस यहां आठ बार, जबकि भाजपा तीन बार विजयी रही है। भाजपा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम-नाम का सहारा तो कांग्रेस को राज्य के मंत्रियों से आस है।

2022 के विस चुनाव के आंकड़े भले ही कांग्रेस के पक्ष में रहे हों, पर लोस चुनाव में दोनों में टक्कर दिख रही है। इसीलिए कांग्रेस ने मंत्रियों से लेकर सरकार का हिस्सा बने सभी पदाधिकारियों को मैदान में उतारा है। मंत्री हर्षवर्धन चौहान, रोहित ठाकुर, अनिरुद्ध सिंह से लेकर विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार मैदान में हैं। वहीं, ओएसडी, मीडिया सलाहकार, सहकारी बैंक के अध्यक्ष से लेकर कई अन्य पदाधिकारी शिमला से हैं। कांग्रेस को इनके प्रभाव से आशा है।

भाजपा मोदी के नाम और काम पर मैदान में है। पार्टी प्रत्याशी सुरेश कश्यप से भले ही लोगों में कुछ नाराजगी दिख रही है, लेकिन भाजपा को मजबूत संगठन और मोदी के नाम से काफी अधिक उम्मीद है। शिमला जिले में सात में से छह विधानसभा सीटें कांग्रेस के पास हैं, केवल चौपाल ही भाजपा के पास है। जिले के तहत आठवीं विस सीट रामपुर, मंडी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। ऐसे में भाजपा को शिमला जिले में अधिक मेहनत करनी पड़ रही है। सोलन जिले में पांच में से चार विधायक कांग्रेस के हैं। यहां से एक विधायक निर्दलीय है। इसके बावजूद जिले में भाजपा सोलन, नालागढ़ से अच्छी बढ़त की उम्मीद लगाए है। हालांकि, कांग्रेस प्रत्याशी का सोलन जिला से होने पर यहां भी भाजपा को पसीना बहाना पड़ रहा है। सिरमौर जिले में कांग्रेस के तीन और भाजपा के दो विधायक हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व प्रत्याशी दोनों सिरमौर जिला से हैं। ऐसे में पार्टी को यहां से बड़ी बढ़त की उम्मीद है। लोस चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी नए हैं। वह पिता के नाम व काम को लेकर जनता के बीच जा रहे हैं। शिमला से कांग्रेस बढ़त मान कर चल रही है, लेकिन नेताओं के काम कितने हुए हैं, इसका पता चुनाव परिणाम से लग सकता है। सोलन जिला से कांग्रेस को बढ़त की उम्मीद है, लेकिन नालागढ़, सोलन से उन्हें भी चिंता है। सिरमौर जिला में सेंध लगाने के लिए कांग्रेस को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। तीनों ही जिलों में आम लोगों के काम न होने पर कांग्रेस से भी नाराजगी है। लोगों ने जिस उम्मीद से 2022 में प्रदेश की सत्ता दी थी, वह उम्मीद अब भी बनी हुई है या नहीं, यह देखने लायक होगा।

ये हैं समीकरण

पहले इस सीट का नाम महासू था। 1957 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी एसएन रमौल जीते थे। 1962 और 1967 में वीरभद्र सिंह सांसद बने थे। 1967 में इस सीट पर उपचुनाव हुआ और कांग्रेस के प्रत्याशी प्रताप सिंह विजयी हुए। वह दो बार इस सीट से सांसद रहे हैं। वर्ष 1977 लोकसभा चुनाव में बालक राम ने भारतीय लोक दल से चुनाव लड़ कर सीट पर कब्जा किया।

किस वर्ष कौन पार्टी जीती चुनाव

वर्ष	सांसद	पार्टी
2019	सुरेश कश्यप	भाजपा
2014	वीरेंद्र कश्यप	भाजपा
2009	वीरेंद्र कश्यप	भाजपा
2004	कर्नल धनीराम शांडिल	कांग्रेस
1999		हिमाचल विकास कांग्रेस
1998	कृष्ण दत्त सुल्तानपुरी	कांग्रेस
1996		कांग्रेस
1991		कांग्रेस
1989		कांग्रेस
1984		कांग्रेस
1980		कांग्रेस
1977	बालक राम	भारतीय लोकदल
1971	प्रताप सिंह	कांग्रेस
1967	वीरभद्र सिंह	कांग्रेस
1962		कांग्रेस
1957	एसएन रमौल	कांग्रेस

महासमर से जुड़ी खबरों और सामग्री को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

****

3 जनसभाएं, तीन संदेश और तीन को साध गए पीएम नरेन्द्र मोदी बिहार में। इनमें अतिपिछड़ी जातियां, रोजगार, विकास व जनसुविधाओं में वृद्धि के साथ सनातन गौरव जी रही जमात तथा कल्याणकारी योजनाओं में वृद्धि की आस लगाए लोग शामिल हैं। चार जून को परिणाम के बाद मनेर के लड्डू बंटने की बात कह इसकी ब्रांडिंग की।

'जम्मू-कश्मीर में विस चुनाव की प्रक्रिया जल्द होगी शुरू'

- मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दिया आश्वासन और जताया आभार
- कहा- संसदीय चुनाव में लोगों की भागीदारी से चुनाव आयोग उत्साहित

नई दिल्ली, प्रेट्र : मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर में मतदान प्रतिशत से उत्साहित चुनाव आयोग बहुत जल्द वहां विधानसभा चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग इस योग्य हैं कि वहां उनकी अपनी सरकार हो।

जम्मू-कश्मीर में मतदान प्रतिशत और क्या विधानसभा चुनाव जल्द हो सकते हैं, इस सवाल का जवाब देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि संसदीय चुनाव में लोगों की भागीदारी से चुनाव आयोग बहुत उत्साहित है। उन्होंने कहा, यह (मेरे) कानों के लिए संगीत की तरह है। युवा, महिलाएं खुशी से बड़ी संख्या में (मतदान करने) आ रही हैं। लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत हो रही हैं। लोग चुनाव में भाग ले रहे हैं। वे अपनी सरकार के लायक हैं। हम बहुत जल्द ही यह प्रक्रिया शुरू करेंगे...ऐसा करने के लिए हम बहुत उत्साहित हैं। मार्च में लोकसभा चुनाव के लिए कार्यक्रम की घोषणा करते हुए राजीव कुमार ने कहा था कि सुरक्षा और अन्य कारणों से विधानसभा और संसदीय चुनाव एक साथ कराना व्यावहारिक नहीं है। अगस्त 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद वहां पहली बार विधानसभा का चुनाव होगा। जम्मू-कश्मीर में चुनावी प्रक्रिया आमतौर पर एक महीने तक चलती है। परिसीमन के बाद गुलाम जम्मू-कश्मीर को आवंटित सीटों को छोड़कर विधानसभा सीटों की संख्या 83 से बढ़कर 90 हो गई है।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए एक बूथ पर मतदान के बाद प्रस्थान के दौरान अंगुली में लगी स्याही दिखाता व्यक्ति। प्रेट्र

बंगाल में चुनावी हिंसा जारी, तृणमूल कार्यकर्ता की हत्या

हमले की घटना के बाद मीडिया से बात करते झाड़ग्राम लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी प्रणत टुडू। एएनआइ

झाड़ग्राम से भाजपा प्रत्याशी प्रणत टुडू पर शनिवार को मतदान के दौरान पश्चिम मेदिनीपुर जिले के गड़बेत्ता के पास पथराव हुआ। प्रणत टुडू ने सुरक्षा बलों के साथ भागकर जान बचाई। वीडियोग्रैब/एएनआइ

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

बंगाल में चुनावी हिंसा जारी है। शनिवार को छठे चरण का मतदान शुरू होने से कुछ घंटे पहले पूर्व मेदिनीपुर के महिषादल थाना इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। मृतक का नाम शेख मोइबुल (42) बताया गया है। वह तृणमूल की स्थानीय युवा शाखा के उपाध्यक्ष थे। पुलिस ने इस मामले में पांच भाजपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। तृणमूल ने दावा किया कि जब मोइबुल शुक्रवार देर रात घर लौट रहे थे तो भाजपा के कुछ लोगों ने उनकी हत्या कर दी। दूसरी तरफ भाजपा ने आरोप को खारिज करते हुए दावा किया कि इस घटना के पीछे तृणमूल के भीतर नए व पुराने नेताओं के बीच की आंतरिक प्रतिद्वंद्विता है। चुनाव आयोग ने इस मामले में जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी है।

बता दें कि इसके पहले जिले के नंदीग्राम इलाके में भाजपा की एक बुजुर्ग महिला कार्यकर्ता की गत बुधवार देर रात हत्या कर दी गई थी। भाजपा ने तृणमूल पर हत्या का आरोप लगाया था। वहीं एक अन्य घटना में शुक्रवार रात तृणमूल और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच जबरदस्त झड़प हो गई, जिसमें अनंत बिजली नामक एक तृणमूल कार्यकर्ता घायल हो गया। तृणमूल का आरोप है कि उसके कार्यकर्ता को लोहे की राड और बांस से पीटा गया। गंभीर हालत में उसे स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, वहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

भाजपा प्रत्याशी पर पथराव, भाग कर बचाई जान

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

बंगाल में छठे चरण में भी छिटपुट हिंसा के बीच जमकर मतदान हुआ। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के अनुसार, प्रदेश की आठ सीटों पर शाम पांच बजे तक कुल 77.99 प्रतिशत वोट पड़े। चूंकि मतदान के निर्धारित समय के बाद भी विभिन्न बूथों पर मतदाताओं की कतारें थीं, इसलिए अंतिम आंकड़ा बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं, झाड़ग्राम लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी प्रणत टुडू पर शनिवार को मतदान के दौरान पश्चिम मेदिनीपुर जिले के गड़बेत्ता के पास पथराव हुआ। इसमें उनकी सुरक्षा में तैनात केंद्रीय बल के दो जवान जख्मी हो गए। पथराव में प्रणत की कार का शीशा भी टूट गया। कुछ महिलाओं ने भाजपा प्रत्याशी पर लाठी-डंडों से भी हमला किया था। ऐसे में टुडू ने केंद्रीय बलों के साथ भागकर अपनी जान बचाई। भाजपा प्रत्याशी ने आरोप लगाया कि उनके बूथ एजेंटों को झाड़ग्राम शहर और रोगरा इलाके के कई बूथों पर तृणमूल के गुंडे बैठने नहीं दे रहे थे। टुडू ने कहा कि वे हमले की शिकायत चुनाव आयोग से कर चुके हैं। भाजपा के आइटी सेल के प्रमुख व बंगाल के सह प्रभारी अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा कि ममता बनर्जी बंगाल में लोकतंत्र की हत्या कर रही हैं।

मतदान बढ़ाने के हुए प्रयास : झारखंड में रांची के शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन ने मतदाताओं को मुफ्त पिक-एंड-ड्राप सुविधा प्रदान की। इसके लिए प्रशासन ने शहर में बाइक-टैक्सी सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनियों से समझौता किया था।

गर्मी से निपटने के लिए भी किए इंतजाम : भारत के ज्यादातर हिस्से भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं। ऐसे में मतदाताओं की सुविधा को देखते हुए कई मतदान केंद्रों पर ठंडे पानी, कूलर, पंखे और टेंट की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा बुजुर्ग मतदाताओं की सहायता के लिए व्हीलचेयर भी रखी गई थीं।

वाराणसी में प्रियंका व डिंपल ने अधूरा छोड़ा चार किलोमीटर का तय रोड शो

चुनावी रण ▸ आइएनडीआइए ने इनके रोड शो से दिखाई ताकत

काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव का दर्शन और मां दुर्गा का नमन कर किया शुभारंभ

जागरण संवाददाता, वाराणसी

लोकसभा चुनाव में देश की सबसे हाट सीट वाराणसी में शनिवार को कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने समाजवादी पार्टी की नेता डिंपल यादव के साथ रोड शो कर आइएनडीआइए की ताकत दिखाई। हालांकि प्रियंका गांधी और डिंपल यादव का चार किलोमीटर का तय रोड शो अधूरा छोड़ना पड़ा। गठबंधन के प्रत्याशी कांग्रेस के अजय राय के पक्ष में प्रियंका व डिंपल ने अपने अंदाज में वोट की अपील की। दो किलोमीटर के दायरे में उमड़ी कार्यकर्ताओं की भीड़ और उत्साह से प्रियंका और डिंपल विभोर नजर आईं।

काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव का दर्शन-पूजन कर दुर्गाकुंड के कूष्मांडा मंदिर से रोड शो की शुरुआत हुई। यहां प्रियंका गांधी व डिंपल यादव कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय के साथ सज्जित वाहन पर सवार हुईं। यहां गठबंधन के नेताओं-कार्यकर्ताओं की पहले से भारी भीड़ थी। कांग्रेस, सपा, वामपंथी दल, आम आदमी पार्टी समेत विभिन्न आइएनडीआइए घटक दलों के झंडे यहां लहरा रहे थे, तो ढोल-नगाड़े की थाप पर जमकर कार्यकर्ता झूम रहे थे। राहुल-अखिलेश जिंदाबाद के नारे भी खूब लगे। प्रियंका लोगों का हाथ जोड़ कर तो कभी हाथ हिलाकर अभिवादन करती रहीं। डिंपल ने बड़ी विनम्रता से बड़ों का हाथ जोड़कर तो बच्चों का हाथ हिलाकर दिल जीतने का प्रयास किया। इन दोनों को देखने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और नौजवान अपने घरों की छतों पर परिवार सहित खड़े नजर आए। भीषण गर्मी व बेकाबू भीड़ ने दोनों महिला नेताओं के माथे पर बल भी डाला। दुर्गा मंदिर में दर्शन की चाह के बाद भी दोनों नेता अंदर नहीं जा सकीं। प्रियंका ने मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिए माला नीचे खड़ी दूसरी महिला से भिजवाई। इन दोनों ने चार किलोमीटर का तय रोड शो भी अधूरा छोड़ा। संत रविदास मंदिर पर समाप्त होने वाला रोड शो ट्रामा सेंटर से पहले समाप्त हो गया। डिंपल गाड़ी में बैठकर श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन को लौट गईं तो प्रियंका गांधी संत रविदास मंदिर के लिए प्रस्थान तो कीं लेकिन दर्शन नहीं कर सकीं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व आइएनडीआइए प्रत्याशी अजय राय ने कहा कि प्रियंका की फ्लाइट थी, भीड़ के कारण रोड शो में देरी की वजह से प्रस्थान करना पड़ा।

रोड शो पूर्ण न होने से हजारों लोग दिखे मायूस : मां दुर्गा मंदिर से सीरगोवर्धनपुर स्थित संत रविदास मंदिर तक तय लगभग चार किलोमीटर का रोड शो ट्रामा सेंटर के पहले ही समाप्त होने से लोग खासा मायूस दिखे। सभी अटकले लगा रहे थे। कुछ लोगों का कहना था कि डिंपल की तबीयत खराब हो गई तो कुछ का कहना था कि गर्मी व बेकाबू भीड़ से रोड शो खत्म कर दिया।

वाराणसी में शनिवार को रोड शो करतीं कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, सपा की सांसद डिंपल यादव व गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय। जागरण

देश में बेरोजगारी, महंगाई सबसे बड़ा मुद्दा : प्रियंका

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को कहा कि देश में बेरोजगारी और महंगाई सबसे बड़े मुद्दे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए विजयी होगा। उन्होंने यह टिप्पणी शनिवार को मतदान करने के बाद की। कांग्रेस नेताओं द्वारा आप उम्मीदवारों को वोट देने को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि अपने मतभेदों को भुलाकर हम संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए मतदान कर रहे हैं। मुझे इस पर गर्व है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भाजपा नेता हर तरह की बातें करते हैं, लेकिन बेरोजगारी और महंगाई के मुख्य मुद्दों पर चर्चा नहीं करते।

पांच साल बिहार के लिए अभूतपूर्व होगा : पीएम

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

पीएम ने कहा कि आने वाले पांच साल बिहार के लिए अभूतपूर्व रहने वाले हैं। आपके क्षेत्र से गुजर रहे एक्सप्रेस-वे से कृषि आधारित उद्योग खुलेंगे, अनाज भंडारण की सुविधा बढ़ेगी, कोल्ड स्टोरेज चेन बनेगा, बिजली का बिल जीरो होगा, हर घर को सोलर प्लेट के लिए 75 हजार की मदद की जाएगी। पीएम ने कहा, आइएनडीआइए जमात वाले कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू करने व सीएए निरस्त करने की बात कह रहे हैं। ओबीसी और अनुसूचित जाति का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को दे देंगे। कर्नाटक में कांग्रेस ने रातोंरात ऐसा कर दिया। बंगाल में मुसलमानों की 74 जातियों को ओबीसी में शामिल कर दिया, तब हाई कोर्ट ने फटकार लगाई। कहा कि बड़े भ्रष्टाचारी चाहते थे कि आइएनडीआइए बनाकर मोदी की कुर्सी हिला दें। मोदी किसी से नहीं डरा है, न डरेगा। बिहार के लोगों को एक और गारंटी देता हूं, नौकरी के नाम पर जमीन लिखवाने वाले का समय पूरा हो गया है। उन्हें जेल जाने का रास्ता तय हो गया है।

कश्मीर के लोग भी जान गए गाजीपुर का नाम : उप्र के जौनपुर में प्रधानमंत्री मोदी ने सपा-कांग्रेस को साधते हुए कहा कि उनके शासनकाल में गाजीपुर, मऊ सहित पूरे पूर्वांचल में माफिया लाल बत्ती लगाकर खुली जीप में घूमते थे। विरोधियों को गोलियों से भून देते। तब दंगे यूपी की पहचान थे। हर माह दो से तीन दंगे होते थे। अब योगी सरकार में दंगे और दंगाई दोनों बंद हैं। कहा कि गाजीपुर हो, उप्र या पूरा देश हो, परिवारवादी पार्टियों के नेता महल पर महल बनाते चले गए, लेकिन गांव का गरीब किसान, मजदूर, दलित, वंचित छोटी जरूरतों के लिए जूझता रहा। इंडी गठबंधन में जितनी पार्टियां घोर सांप्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी हैं। कांग्रेस फिर से कश्मीर में आतंकवाद लाना चाहती है। गर्व है कि जम्मू कश्मीर की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। आज गाजीपुर का बेटा जम्मू-कश्मीर की कमान संभाल रहा है। कश्मीर के लोग भी विकास देख रहे हैं, वहां के लोग गाजीपुर का नाम जान गए हैं।

'मोदी ने प्रधानमंत्री पद की मर्यादा और गरिमा नहीं रखी'

जागरण टीम, नई दिल्ली : बिहार में चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "मुजरा" शब्द के इस्तेमाल करने पर कांग्रेस व अन्य दलों ने कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गोरखपुर में जनसभा के दौरान कहा, 'मोदी ने बिहार में विपक्ष के नेताओं के लिए ऐसे-ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जो देश के इतिहास में आज तक किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया होगा। प्रधानमंत्री पद का पूरा देश आदर करता है, हम भी करते हैं। प्रधानमंत्री बौखलाहट में आ गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री पद की मर्यादा और गरिमा नहीं रखी।' पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "प्रधानमंत्री की भाषा की गरिमा और भाजपा की सीटें दोनों लगातार गिर रही हैं।" कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शिमला में कहा कि प्रधानमंत्री जिस तरह से बोल रहे हैं उससे स्पष्ट है कि वह बौखला गए हैं। उन्हें एक राजनेता की तरह बात करनी चाहिए। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'एम' मोदी जी को मटन, मछली, मुगल, मंगलसूत्र और मुजरा की याद दिलाता है, लेकिन मर्यादा (गरिमा) की याद नहीं दिलाता है, जो प्रधानमंत्री पद के लिए होनी चाहिए। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सवाल किया, मोदीजी, यह क्या है? आप कुछ लेते क्यों नहीं?" आगे कहा, "...शायद धूप में चुनाव प्रचार करने से दिमाग पर बहुत ज्यादा असर पड़ा है।"

'मछली, मटन मंगलसूत्र के बाद अब 'मुजरा' की बारी'

राज्य ब्यूरो, जागरण, पटना : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुजरा वाले बयान पर तीखी टिप्पणी की है। राजद प्रवक्ता मनोज झा ने कहा कि मछली, मटन और मंगलसूत्र के बाद अब 'मुजरा' की बारी है। क्या देश के प्रधानमंत्री को ऐसी भाषा बोलना शोभा देता है? झा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिक संवाद के मानदंडों को तार-तार कर दिया है। विपक्षी दल मुस्लिम वोट बैंक के लिए 'मुजरा' कर रहे हैं, जैसे आरोप को खारिज करते हुए उन्होंने दावा किया कि मुसलमानों के पिछड़े वर्गों को गुजरात में भी आरक्षण मिल रहा है। वहां भाजपा दशकों से सत्ता में है और मोदी खुद लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। झा ने यहां तक दावा किया कि जिस जाति से पीएम आते हैं, उसका एक मुस्लिम समकक्ष भी है। उन्हें भी गुजरात में कोटा लाभ मिल रहा है। हमें अब चिंता है कि उन्हें चिकित्सा सहायता की आवश्यकता हो सकती है।

काशी में एकजुटता दिखाने की कोशिश करेगा आइएनडीआइए

- ममता, केजरीवाल और स्टालिन को भी प्रचार में उतारने की तैयारी
- 28 मई को राहुल और अखिलेश की रैली में हो सकते हैं शामिल

मनोज त्रिपाठी • जागरण

लखनऊ : सातवें चरण के चुनाव में सर्वाधिक हाई प्रोफाइल सीट वाराणसी को लेकर आइएनडीआइए की खास तैयारी है। गठबंधन अपनी एकजुटता दिखाने के लिए बड़े नेताओं को प्रचार के मैदान में उतारने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन सहित अन्य बड़े नेताओं से कांग्रेस ने समय मांगा है। 28 मई को प्रस्तावित राहुल गांधी व अखिलेश यादव की संयुक्त रैली में इन नेताओं को भी मंच पर लाया जा सकता है।

वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। उनके सामने गठबंधन के साझा प्रत्याशी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय हैं। दो दिन पहले तक सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनावी नतीजों की भविष्यवाणी करते समय कहते रहे हैं कि विपक्ष 80 में से 79 सीटें जीत रहा है। यानी, वह मानकर चल रहे हैं कि वाराणसी में पीएम मोदी को दूर-दूर तक चुनौती नहीं है। हालांकि, गुरुवार को पहली बार उन्होंने कहा था कि क्योटो (व्यंग्य में वह वाराणसी को अपनी सभाओं में इसी नाम से पुकारते हैं) में लड़ाई है। ऐसे में माना जा रहा है कि गठबंधन के अन्य बड़े नेताओं को वाराणसी बुलाने के पीछे उद्देश्य विपक्षी गठबंधन की एकजुटता प्रदर्शित करना है। उत्तर प्रदेश में अभी तक जितनी भी चुनावी सभाएं हुई हैं उनमें कांग्रेस के कोटे वाली किसी भी सीट पर अखिलेश और उनकी पत्नी डिंपल के अलावा सपा का भी अन्य कोई बड़ा नेता शामिल नहीं रहा है। गठबंधन के अन्य घटकों का कोई बड़ा नेता भी शामिल नहीं हुआ। न ही दिल्ली, महाराष्ट्र, झारखंड की तरह गठबंधन की कोई संयुक्त रैली ही हुई है। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह अखिलेश की सीट कन्नौज में जरूर राहुल गांधी के साथ दिखे थे, लेकिन अन्य किसी सीट पर उन्होंने कांग्रेस के साथ मंच साझा नहीं किया। केजरीवाल भी जेल से छूटने के बाद लखनऊ आए तो उनकी प्रेस कान्फ्रेंस में केवल अखिलेश थे, कांग्रेस का कोई नेता नहीं था। भाजपा नेता व गृह मंत्री अमित शाह अपनी हर सभा में जरूर यह मुद्दा उठाते हैं कि गठबंधन के नेता हर साल बारी-बारी प्रधानमंत्री बनाने की बात कर रहे हैं। यह कहते हुए वह चेतावनी भी देते हैं कि देश कोई चूरन बेचने की दुकान नहीं है। उनका यह व्यंग्य भीड़ का उत्साह बढ़ाती रही हैं। अंतिम चरण में अब इसकी काट के लिए भी विपक्षी गठबंधन को जुटाने की कोशिश हो रही है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता डा. सीपी राय का कहना है कि सभी नेताओं से समय मांगा गया है। यह कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है कि सभी को काशी में एकजुट करके बदलाव का संदेश दिया जाए।

ममता बनर्जी। फाइल

एमके स्टालिन।

राहुल गांधी।

अखिलेश यादव।

'संविधान बदल बाबा नानक की विचारधारा को खत्म करना चाहते हैं प्रधानमंत्री'

जागरण संवाददाता, अमृतसर : पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान केवल किताब नहीं है, यह हजारों साल पुरानी विचारधारा है। संविधान गुरु नानक देव जी की विचारधारा पर आधारित है जोकि हमें मिलकर रहने, एक-दूसरे का सम्मान करना सिखाती है। प्रधानमंत्री संविधान को खत्म कर बाबा नानक और आंबेडकर की विचारधारा को ही खत्म कर देना चाहते हैं। हम इसे किसी भी हालत में होने नहीं देंगे। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव के दौरान पंजाब में अपने पहले दौरे के तहत अमृतसर में पार्टी प्रत्याशी गुरजीत औजला के लिए चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खुद को बायोलाजिकल नहीं मानते। वे कहते हैं कि मुझे परमात्मा ने एक मिशन पर भेजा है।

अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे योगी, बोले- भाजपा से घबराकर हिंदू विरोधी राजनीति कर रहा इंडी गठबंधन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर

- कहा, बंगाल की टीएमसी सरकार और कांग्रेस को ओबीसी समुदाय से माफी मांगनी चाहिए

भारत सेवाश्रम संघ, रामकृष्ण मिशन जैसी वैश्विक ख्याति वाली आध्यात्मिक संस्थाओं पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का विरोध इंडी गठबंधन के मूल में है। उनके बयान और कदम उसी के अनुरूप हैं। गठबंधन के राजनीतिक दलों के लिए देश नहीं सत्ता महत्वपूर्ण है। वह देश की कीमत पर सत्ता पाने में लगे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में शनिवार को एक समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि रामकृष्ण मिशन ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर पूरे देश-दुनिया में सनातन धर्म के मूल्यों और आदर्शों को पहुंचाने का कार्य किया है और भारत सेवाश्रम संघ सनातन हिंदू धर्म की प्रखर आध्यात्मिक संस्था है। दोनों संस्थाओं ने सेवा के विभिन्न प्रकल्पों को दुनिया में आगे बढ़ाया है। गठबंधन में शामिल सभी दल भाजपा की लोकप्रियता से घबराकर हिंदू विरोधी राजनीति कर रहे हैं। यह बयान उनकी हार की बौखलाहट बताते हैं। योगी ने कहा कि रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के अनुयायी और श्रद्धालु कांग्रेस, टीएमसी सहित पूरे इंडी गठबंधन को मुंहतोड़ जवाब देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन के दल पिछड़ी जाति के लोगों के अधिकारों का हनन कर रहे हैं। टीएमसी सरकार ने बंगाल में वर्ष 2010 में 118 मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल करके ओबीसी के आरक्षण पर सेंधमारी की थी। यह बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर की भावना के विपरीत है। धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं हो सकता। इसके लिए ममता बनर्जी की टीएमसी सरकार को माफी मांगनी चाहिए। कोलकाता उच्च न्यायालय का निर्णय इंडी गठबंधन के दलों के मुंह पर जोरदार तमाचा है।

योगी आदित्यनाथ। फाइल

मीडिया को लालू की सलाह, पीएम से उनके वादों के बारे में भी पूछे

राज्य ब्यूरो, जागरण, पटना : राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद ने मीडिया को सलाह दी है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से साक्षात्कार के समय उनसे उन वादों के बारे में भी प्रश्न करें, जो उन्होंने पूर्व के चुनावों में देश की जनता से किए थे। लालू ने शनिवार को यहां मीडिया को प्रधानमंत्री से पूछने के लिए कुल आठ प्रश्न भी सुझाए। यह आरोप भी लगाया कि डर के कारण पीएम से कटु प्रश्न नहीं पूछे जा रहे हैं। पीएम से यह प्रश्न पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने किस आधार और अध्ययन के तहत हर साल दो करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। पीएम ने कहा था कि लाखों करोड़ का काला धन विदेशी बैंकों में जमा है। यह धन विदेश से आएगा। प्रत्येक भारतीय के खाते में 15-15 लाख रुपया जमा किया जाएगा।

एडीआर की याचिका पर आयोग को आदेश देने से सुप्रीम कोर्ट ने किया था इन्कार

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

मालूम हो कि शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने एडीआर की याचिका पर चुनाव आयोग को किसी तरह का अंतरिम आदेश देने से यह कहते हुए इन्कार कर दिया था कि चुनावों के बीच ऐसा करना उचित नहीं है। इस याचिका में सुप्रीम कोर्ट से आयोग को निर्देश देने का आग्रह किया गया था कि लोकसभा चुनावों के दौरान हर लोकसभा सीट के मतदान केंद्रों पर पड़े वोटों के आंकड़ों को वह अपनी वेबसाइट पर अपलोड करे।

संसदीय चुनाव में शनिवार की शाम तक छह चरणों के वोट पड़ चुके हैं। चुनाव आयोग ने पांच चरणों के मतदान का आंकड़ा जारी कर कहा कि सुबह मतदान शुरू होने से वोटों की गिनती के दिन तक की पूरी प्रक्रिया सटीक, सुसंगत और कानून के अनुसार संचालित होती है। फार्म 17सी के जरिये मतदान के दिन ही प्रत्याशियों के एजेंटों से आंकड़ा साझा कर लिया जाता है। इसे बाद में कैसे बदला जा सकता है। यह डाटा वोटर टर्नआउट एप पर 24 घंटे उपलब्ध रहता है, जिसे कोई कभी भी देख सकता है। ऐसे में वोटों की संख्या में गड़बड़ी का सवाल ही नहीं है। पारदर्शी व्यवस्था को और स्पष्ट करते हुए आयोग ने कहा कि किसी मतदान केंद्र में कुल पड़े वोटों की अंतिम सूची उम्मीदवारों को दी जाती है। अधिकृत एजेंटों के पास देश के सभी 543 संसदीय क्षेत्रों के 10.5 लाख बूथों में से प्रत्येक के लिए विशिष्ट रूप से फार्म 17सी होता है। मतदान केंद्रों से स्ट्रांग रूम में भंडारण तक एजेंटों को फार्म 17सी सहित ईवीएम और वैधानिक कागजात साथ ले जाने की अनुमति है। आयोग ने आग्रह किया है कि प्रत्याशी और उनके एजेंट मतगणना केंद्र पर फार्म 17सी की प्रति के साथ आएं और प्रत्येक राउंड में गिने गए वोटों से मिलान करें।

****

शिअद में कलह... सुखबीर बादल ने अपने जीजा कैरों को पार्टी से किया निष्कासित

धर्मवीर सिंह मल्हार • जागरण

तरनतारन : लोकसभा क्षेत्र खडूर साहिब से शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रत्याशी विरसा सिंह वल्टोहा का विरोध करना पूर्व कैबिनेट मंत्री आदेश प्रताप सिंह कैरों को महंगा पड़ गया। शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण कैरों को पार्टी से निष्कासित कर दिया। यह कार्यवाही वल्टोहा की शिकायत के बाद की गई है। खास बात यह है कि कैरों सुखबीर बादल के जीजा हैं।

लोकसभा चुनाव के बीच सुखबीर बादल ने बड़ा फैसला लेकर पार्टी में यह संदेश दिया है कि अब शिअद में किसी भी ऐसे नेता को जगह नहीं दी जाएगी जोकि पार्टी की नीतियों के विपरीत काम करेगा। बता दें आदेश प्रताप सिंह कैरों विधानसभा हलका पट्टी से लगातार चार बार चुनाव जीतकर बादल सरकार में तीन बार कैबिनेट मंत्री रहे।

वल्टोहा ने सुखबीर बादल को लिखित शिकायत दी थी कि कैरों पार्टी में होने के बावजूद उनका संसदीय क्षेत्र में लगातार विरोध कर रहे हैं। वे पट्टी क्षेत्र में मदद करने के बजाय पार्टी वर्करों को खडूर साहिब से ही आजाद प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे अलगाववादी अमृतपाल का समर्थन करने को कह रहे हैं। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. प्रताप सिंह कैरों के पोते आदेश प्रताप सिंह कैरों का विवाह पूर्व मुख्यमंत्री स्व. प्रकाश सिंह बादल की बड़ी बेटी परनीत कैरों से हुआ था। कैरों परिवार शुरू ही कट्टर कांग्रेसी रहा। प्रताप सिंह कैरों के बेटे सुरिंदर सिंह कैरों 1992 में तरनतारन से सांसद बने थे, जबकि विधायक भी रहे। 1997 से विधानसभा चुनाव में प्रकाश सिंह बादल ने अपने दामाद आदेश प्रताप सिंह कैरों को शिअद में शामिल कर पट्टी से टिकट दिया था। तब कैरों ने रिकार्डतोड़ मतों से जीत हासिल की थी। तीन बार कैबिनेट मंत्री रहे। लोकसभा क्षेत्र खडूर साहिब से विरसा सिंह वल्टोहा को शिअद प्रत्याशी बनाने से कैरों नाराज थे।

आदेश प्रताप सिंह कैरों।

खडूर साहिब से प्रत्याशी विरसा सिंह वल्टोहा की शिकायत पर उठाया कदम

10 वर्ष में पदों को क्यों नहीं भरा गया? यह सवाल हिमाचल प्रदेश में आयोजित चुनावी जनसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उठाया। उन्होंने कहा बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की बदहाली व संवैधानिक संस्थानों का दुरुपयोग जैसे मुद्दे हैं, जिनको लेकर लोगों में नाराजगी है। यह चुनाव देश की जनता व भाजपा के बीच है।

हिमाचल-पंजाब के चुनावी रण की कांग्रेस के लिए है दोहरी अहमियत ...

संजय मिश्र ● जागरण

6 विस सीटों के उपचुनाव के नतीजे हिमाचल की दशा-दिशा तय करेंगे

- सुक्खू सरकार के स्थायित्व के साथ भाजपा के हिंदुत्व के नैरेटिव का जवाब देने के लिए हिमाचल में दमखम दिखाना अपरिहार्य
- लोकसभा में कांग्रेस के सीटों की संख्या बढ़ाने के साथ ही पंजाब की राजनीति की प्रमुख धुरी बने रहना पार्टी के लिए चुनौती

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव-2024 के सातवें और आखिरी चरण में पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश का चुनाव विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए की अगुआई कर रही कांग्रेस के लिए राष्ट्रीय राजनीति ही नहीं, इन दोनों राज्यों की राजनीति के लिए भी बेहद अहम है। हिमाचल प्रदेश में बीते दो लोकसभा चुनाव के सूखे को खत्म करने की चुनौती के साथ राज्य में कांग्रेस सरकार के स्थायित्व को बरकरार रखने के लिहाज से यह चुनाव निर्णायक है क्योंकि छह विधानसभा सीटों के उपचुनाव के नतीजे उसकी सत्ता की दशा-दिशा तय करेंगे। जबकि पंजाब में पिछले चुनाव में सत्ता गंवाने के साथ बड़े-बड़े नेताओं के पार्टी छोड़ने की पृष्ठभूमि में कांग्रेस के सामने प्रदेश की सियासत में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की चुनौती है।

आइएनडीआइए के घटक दलों के साथ मिलकर केंद्र की सत्ता की दावेदारी कर रही कांग्रेस के लिए विपक्षी गठबंधन की मजबूत धुरी बनने रहने के लिहाज से भी पंजाब-हिमाचल प्रदेश में पार्टी का चुनावी प्रदर्शन बेहद अहम है। हिमाचल प्रदेश में वैसे तो लोकसभा की केवल चार सीटें ही हैं, मगर संसद में संख्या बल की अहमियत को देखते हुए एक-एक सीट के नतीजे पार्टी के लिए मायने रखते हैं। विशेषकर पिछले दो आम चुनाव में पार्टी को एक भी सीट नहीं मिल पाई थी, लेकिन 2021 में मंडी लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस की प्रतिभा सिंह विजयी रहीं। मंडी में इस बार उनके बेटे एवं हिमाचल प्रदेश सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह मैदान में हैं। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखना सीटों के लिहाज से पार्टी के लिए जितना अहम है, उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि कांग्रेस को इसके जरिये भाजपा के हिंदुत्व का प्रखर जवाब देने का मौका मिलेगा। देवभूमि कहे जाने वाले हिमाचल प्रदेश की 98 प्रतिशत आबादी हिंदू है और पिछले विधानसभा चुनाव में मिली जीत के बाद से कांग्रेस यह कहती भी रही है कि देवभूमि ने भाजपा के हिंदुत्व के नैरेटिव को नकार दिया। लेकिन हाल के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का बहुमत होते हुए भी अभिषेक मनु सिंघवी की हार ने हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार के स्थायित्व को डगमगा दिया है और लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की चुनौती बढ़ा दी। हालांकि, छह बागी विधायकों की सदस्यता खत्म कर पार्टी ने अपनी राज्य सरकार का तात्कालिक संकट दूर कर लिया तो लोकसभा चुनाव में विक्रमादित्य को मंडी से एवं आनंद शर्मा जैसे वरिष्ठ नेता को कांगड़ा से उम्मीदवार बनाकर प्रदेश की राजनीति में पूरे दमखम से डटे रहने का संदेश दिया। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी पंजाब के साथ हिमाचल प्रदेश के चुनाव प्रचार में उतर गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे शनिवार को शिमला में थे तो राहुल गांधी व प्रियंका गांधी वाड्रा के भी दौरे प्रस्तावित हैं।

कांग्रेस ने 2019 के लोकसभा चुनाव में केरल के बाद सबसे अधिक सीटें पंजाब से हासिल की थीं, जहां की 13 में से नौ सीटें पार्टी के खाते में आई थीं। लेकिन कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद कांग्रेस में हुए भारी विवाद के बीच 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की बड़ी हार हुई और आम आदमी पार्टी को पहली बार राज्य की सत्ता मिल गई। कैप्टन के बाद सुनील जाखड़, मनप्रीत बादल, परणीत कौर, रवनीत बिट्टू से लेकर प्रदेश के कई बड़े नेताओं और सांसदों ने पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है। बेशक कांग्रेस राज्य में अब भी मुख्य विपक्षी दल है, मगर पंजाब में इस बार तमाम पार्टियां अकेले मैदान में हैं जिसकी वजह से पिछले लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन को दोहराना कांग्रेस के लिए आसान नहीं है। आम आदमी पार्टी प्रदेश में अपनी साख बनाए रखने के लिए पूरा जोर लगा रही है तो इस बार अकेले मैदान में उतरी भाजपा ने कई पुराने कांग्रेसियों को अपना उम्मीदवार बनाया है। अकाली दल बादल सिख पंथ की अपनी राजनीति का अस्तित्व बचाए रखने के लिए पूरी ताकत झोंक रहा है तो बसपा भी राष्ट्रीय स्तर की पार्टी का अपना दर्जा बनाए रखने की अहमियत को देखते हुए पंजाब में अकेले मैदान में है। इसके अलावा सिमरनजीत सिंह मान जैसे लोगों की कुछ स्थानीय पार्टियां भी चुनावी अखाड़े में हैं।

विपक्षी गठबंधन ने 272 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया : कांग्रेस

जयराम रमेश

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद शनिवार को दावा किया कि अब भाजपा की सत्ता से विदाई तय हो गई है। विपक्षी गठबंधन 272 के आंकड़े को पार करने के बाद अब 350 से अधिक सीट जीतने की तरफ अग्रसर है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि हवा के रुख को भांपते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी 'सेवानिवृत्ति योजना' पर विचार करना शुरू कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा का सत्ता से जाना तय है। यह स्पष्ट हो गया है कि वे दक्षिण में साफ और उत्तर, पश्चिम एवं पूरब में 'हाफ' हो रहे हैं। कांग्रेस नेता के अनुसार महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और आज दिल्ली में मतदान के बाद गठबंधन और मजबूत नजर आ रहा है।

पूर्व पाक मंत्री फवाद ने किया समर्थन तो केजरीवाल बोले, अपना घर संभालें

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव के छठे चरण के मतदान के बीच पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समर्थन में एक्स किए एक पोस्ट से दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई।

केजरीवाल ने शनिवार को परिवार के साथ मतदान का फोटो इंटरनेट मीडिया पर साझा करते हुए लिखा था कि मैंने आज परिवार के साथ वोट डाला है। मैंने तानाशाही, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ वोट किया है। इस पर फवाद चौधरी ने लिखा, शांति और सद्भावना की ताकतें नफरत और उग्रवाद करने वाली ताकतों को परास्त करें। केजरीवाल ने इसका तुरंत जवाब देते हुए लिखा, चौधरी साहब मैं और मेरे देश के लोग अपने मसलों को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। आपके एक्स पोस्ट की जरूरत नहीं है। इस वक्त पाकिस्तान के हालात बहुत खराब हैं। आप अपने देश को संभालिए।

छुट्टियां मनाने शिमला आते हैं राहुल-प्रियंका, मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में नहीं गए : शाह

जनसभा ▶ धर्मशाला व अंब में बोले गृहमंत्री, राहुल इस बार नहीं कर पाएंगे 40 पार

खरगे पर फूटेगा हार का ठीकरा, भाई और बहन मांगेंगे इस्तीफा

जागरण टीम, धर्मशाला

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शिमला में अक्सर छुट्टियां मनाने आते हैं, लेकिन दोनों भाई-बहन अयोध्या जी में श्रीराम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। इसका एकमात्र कारण यह था कि उन्हें अपना वोट बैंक खिसकने का खतरा था और पूरा देश जानता है कि कांग्रेस का वोट बैंक कौन है। गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को धर्मशाला के पुलिस मैदान और ऊना के अंब के रामलीला मैदान में चुनावी सभा को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा, देश में छह चरण का मतदान पूरा हो चुका है। पांच चरण में ही मोदी 310 सीटें पार कर गए हैं, छठे व सातवें चरण में 400 पार कराकर मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना है। हमारा तो 400 पार हो रहा है, लेकिन राहुल गांधी 40 के नीचे सिमट रहे हैं। चार जून के बाद कांग्रेस की हार का ठीकरा उनकी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर फूटेगा। भाई-बहन उनसे इस्तीफा मांगेंगे। हार के बाद राहुल फिर ईवीएम को दोष देंगे। उनकी आदत है कि अगर राज्यों में कांग्रेस चुनाव जीत जाए तो ईवीएम ठीक और लोकसभा में हार जाए तो ईवीएम के कारण हारे। उसके बाद वह छह जून को बैंकाक व थाइलैंड के लिए लंबी छुट्टी पर चले जाएंगे। शाह ने कहा कि पहले कश्मीर में गोलीबारी होती थी, लेकिन वही गोलीबारी अब गुलाम जम्मू-कश्मीर में होती है। अब गुलाम जम्मू-कश्मीर के लोग कहते हैं कि हमें भारत में जाना है।

ऊना जिला के अंब में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विजय संकल्प रैली में हाथ उठाकर जनता का अभिवादन करते हुए। साथ हैं अनुराग ठाकुर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल, चैतन्य शर्मा व देवेंद्र भुट्टो। जागरण

इंडी गठबंधन का हर नेता एक साल के लिए बनना चाहता है प्रधानमंत्री : गृह मंत्री ने कहा कि आइएनडीआइए ऐसा गठबंध है जिसका नेता प्रत्येक एक वर्ष के लिए प्रधानमंत्री बनना चाहता है। ऐसे में पांच वर्षों में देश का क्या हाल भ्रष्टाचारियों की फौज करेगी। इस घमंडिया गठबंधन के नेताओं ने 12 लाख करोड़ रुपये के घोटालों के साथ ही राज किया है, लेकिन 10 वर्षों के मोदी के कार्यकाल में देश में विकास की तस्वीर बदली है।

अग्निवीर पर विपक्ष की धुंध को हटा गए अमित शाह : देश के प्रथम परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा की धरती पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अग्निवीर योजना से जुड़े विपक्ष के आरोपों का तथ्य सहित जवाब दिया। धर्मशाला में विजय संकल्प रैली के बाद अमित शाह ने कहा कि राहुल बाबा झूठी भ्रांतियां फैला रहे हैं। शाह का अग्निवीर योजना पर यह बयान हिमाचल के इसलिए भी अहम है चूंकि यहां तीसरे घर से एक जवान देश सेवा के लिए जाता है। गृह मंत्री ने कहा कि अग्निपथ योजना में युवाओं को सेना, पुलिस व पैरा मिलिट्री फोर्स में नौकरी के अवसरों सहित पेंशन व ग्रेच्यूटी के लाभ मिलेंगे। अगर इस योजना के तहत 100 युवा अग्निवीर बनते हैं तो उसमें 25 प्रतिशत की सेना में नौकरी पक्की है और अन्य को भाजपा शासित प्रदेश में पुलिस भर्ती में 10 से 20 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। केंद्र की ओर से पैरा मिलिट्री फोर्स में भी 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रविधान है। इसके अलावा उन्हें निजी क्षेत्र में कई कंपनियों ने प्राथमिकता देने की बात कही है। किसी भी भर्ती में उन्हें उम्र, परीक्षा व शारीरिक दक्षता को लेकर छूट होगी। जो बच जाएंगे उन्हें निजी सुरक्षा कंपनियों में रोजगार मिलेगा। मुझे नहीं लगता कि कोई अग्निवीर इसके बाद भी बेरोजगार बचेगा। अगर कोई चार साल बाद नौकरी नहीं करना चाहता है तो उसके बारे में हम क्या कहेंगे। शाह ने कहा कि यह योजना युवाओं के लिए फायदेमंद है। राहुल बाबा इसे बिना वजह मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। शाह ने कहा कि राहुल गांधी निजी स्वार्थ के लिए अग्निवीर योजना का राजनीतिकरण कर रहे हैं जबकि अग्निवीर 100 प्रतिशत युवाओं के लिए रोजगार की गारंटी है।

'पीएम मोदी बिहार की जागरूक जनता को बेवकूफ नहीं बना सकते'

राज्य, जागरण ● पटना : बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राज्य में आरक्षण का विरोध करने के लिए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया और कहा कि वे बिहार के राजनीतिक रूप से जागरूक नागरिकों को मूर्ख नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि पीएम को संविधान के बुनियादी सिद्धांतों की जानकारी तक नहीं है। राजद नेता ने दावा किया कि बिहार के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर जाति आधारित गणना पर जोर दिया था। पत्र भी लिखा गया, लेकिन उनसे मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने इसे खारिज कर दिया।

तेजस्वी ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहा है, प्रधानमंत्री की भाषा दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। वह जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह न केवल विपक्ष के लिए, बल्कि उनके समर्थकों के लिए भी चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि हमने जाति आधारित गणना कराई और बिहार में 75 प्रतिशत आरक्षण दिया। एक भी भाजपा शासित राज्य का नाम बताइए, जहां 75 प्रतिशत आरक्षण है। बिहार में लोग राजनीति के बारे में जानते हैं। आप यहां के लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने आरक्षण खत्म करने की कोशिश की। गुजरात में मुसलमानों की 25 जातियों को आरक्षण मिल रहा है, ये मंडल आयोग के अनुरोध के बाद दिया गया था। इससे पहले दिन में, विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए, पीएम ने कहा था कि बाबा साहेब आंबेडकर कहते थे कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं होगा, लेकिन राजद और कांग्रेस एससी-एसटी के आरक्षण को समाप्त कर अपने वोट बैंक को खुश करना चाहते हैं।

धर्म-जाति के नाम पर जन भावनाएं भड़का रहे मोदी : खरगे

- चुनाव में मुसलमान आरक्षण की बात कर रहे, जबकि संविधान में ऐसा संभव नहीं
- सत्ता में आने पर कृषि व बागवानी क्षेत्र को जीएसटी से मुक्त करेगी कांग्रेस

शिमला जिला के रोहड़ू में सभा को संबोधित करते कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे। जागरण

जागरण टीम, शिमला

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी धर्म व जाति के नाम पर जनता की भावनाओं को भड़काने और देश को बांटने का काम कर रहे हैं। चुनाव में वह जानबूझ कर मुसलमान आरक्षण की बात कर रहे हैं, जबकि संविधान में ऐसा संभव नहीं है। देश में 10 वर्ष से सत्ता पर काबिज मोदी सरकार अब तानाशाह का रूप ले चुकी है। अगर ऐसा ही रहा तो देश का संविधान खतरे में आ जाएगा। देश के नागरिकों के मौलिक अधिकार छिन जाने का खतरा नजर आ रहा है।

खरगे ने शनिवार को रोहड़ू में रैली कर शिमला संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी के पक्ष में वोट की अपील की। इसके बाद शिमला में पत्रकारों से बातचीत की। वादा किया कि केंद्र में आइएनडीआइए गठबंधन की सरकार आते ही कृषि व बागवानी क्षेत्र में जीएसटी को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। हम प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध नहीं हैं, बल्कि जैसी विचारधारा वह अपनाए हुए हैं, उसके विरुद्ध हैं। प्रधानमंत्री बताएं कि वह भगवान का नाम लेकर कांग्रेस को क्यों गालियां दे रहे हैं।

10 वर्ष में क्या किया

खरगे ने पूछा, भाजपा बताए 10 वर्ष में क्या किया। कांग्रेस खाद्य सुरक्षा, मनरेगा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जैसी योजनाएं लाई। हम गारंटी पर नहीं, काम करने पर विश्वास रखते हैं। प्रधानमंत्री लगातार झूठ बोल रहे हैं। पहले कहा 15 लाख रुपये देंगे, फिर हर वर्ष दो करोड़ नौकरियां, बुलेट ट्रेन, लेकिन किया कुछ नहीं। केंद्र सरकार आदिवासियों की भूमि व संसाधन अमीरों को दे रही है। खरगे ने कहा कि दिल्ली में किसानों ने आंदोलन किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने उनकी एक बात नहीं सुनी। इस दौरान किसान बहनों के मंगलसूत्र छीन लिए।

10 वर्ष में देश की सत्ता बड़े उद्योगपतियों की कठपुतली रही है। हिमाचल के विकास में पूर्व मुख्यमंत्री यशवंत सिंह परमार व वीरभद्र सिंह के अलावा प्रतिभा सिंह का अहम योगदान रहा है।

एससी-एसटी के 30 लाख पद खाली, 10 वर्ष में नहीं भरे : खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री एसटी, एसटी आरक्षण की बात कर रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि देशभर में एससी, एसटी कोटे के 30 लाख पद खाली पड़े हैं।

चुनावी हलचल

चुनाव का विरोध करने वाले छह सदस्यों को दबोचा

चेन्नई, प्रेट्र : लोकसभा चुनाव के विरोध में आनलाइन अभियान चलाने वाले हिज्ब उत तहरीर संगठन के छह सदस्यों को तमिलनाडु पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने दबोचा है। ये सभी वीडियो जारी कर आम लोगों को उकसा रहे थे कि वे चुनाव में वोट न डालें। पकड़े गए लोगों में एक शख्स और उसके दो बच्चे भी शामिल हैं। सभी आरोपित इस्लाम धर्म का पालन करने वाले हैं और अपने 'फालोअर्स' को इस्लाम का पालन करने के लिए भी प्रेरित कर रहे थे। केंद्रीय जांच एजेंसियों को इस बारे में जानकारी दे दी गई है। लोकतंत्र को हराम करार देते हुए इन लोगों ने कहा कि जो भी इस प्रक्रिया का हिस्सा बनेगा वह भी हराम काम करेगा। आरोपितों में एक हामिद हुसैन पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर है। अन्य आरोपितों की पहचान अहमद मंसूर, अब्दुल रहमान, मोहम्मद मउरिस, नवाज शरीफ, अहमद अली के रूप में हुई है। गौरतलब है कि हिज्ब उत तहरीर संगठन पर कई देशों में प्रतिबंध लगाया जा चुका है।

मतदान की तैयारी कर रहे ग्राम प्रधान को हाथी ने पटका, मौत

जासं, चाकुलिया (पू. सिंहभूम): पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित चाकुलिया वन क्षेत्र में जंगली हाथियों ने तीन दिनों के भीतर दूसरी जान ले ली है। बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के मुटुरखाम पंचायत अंतर्गत गोबराबनी गांव के ग्राम प्रधान सुरेंद्र नाथ हांसदा (62 वर्ष) को शनिवार की सुबह जंगली हाथियों ने पटक कर मार डाला। जानकारी के मुताबिक सुरेंद्र नाथ हांसदा लोकतंत्र के महापर्व में भाग लेने को लेकर काफी उत्साहित थे। मतदान केंद्र पर जल्द पहुंचने के निमित्त सुरेंद्र शनिवार की सुबह पांच बजे ही उठ गए थे और शौच के लिए जंगल की ओर जा रहे थे, तभी उनका सामना जंगली हाथी से हो गया, जिसने उन्हें पटककर मार डाला। बताते चलें कि गत 22 मई की रात भी जंगली हाथियों के झुंड ने चाकुलिया प्रखंड के खजुरिया ग्राम निवासी आकूल गिरी को साइकिल समेत पटक कर मार डाला था।

आचार संहिता के उल्लंघन में कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल समेत 12 नामजद

जासं, अमेठी : कांग्रेस के प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा और उनके समर्थकों के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन में मुकदमा कराया गया है। बाजारशुकुल के मंगरौली चौराहे पर 18 मई को शाम पांच बजे किशोरी लाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं को एकत्र कर जनसभा की थी। दारोगा बीरेंद्र पांडेय ने आदर्श चुनाव आचार संहिता व धारा 144 के उल्लंघन में मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी समेत मजहर अहमद, बेचू खान, ऐराफ, सलमान, रईस, वासिफ, मो. शाहिद, इजराइल हक उर्फ कलटू बाबा, दान बाबू, मेराज, इब्राहिम गुजर और 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन में मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमे की विवेचना चौकी प्रभारी सत्थिन प्रेमचंद्र गौतम को सौंपी गई है।

वाराणसी में सर्वाधिक मतदान के लिए एक लाख लोगों ने किया हनुमान चालीसा पाठ

जासं, वाराणसी : काशी में सर्वाधिक मतदान के लिए शनिवार को दशाश्वमेध घाट से लेकर डा. राजेंद्र प्रसाद घाट तक लगभग एक लाख लोगों ने हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ किया। अनूठे आयोजन के दौरान गंगा का किनारा जय श्रीराम व जय हनुमान के उद्घोष से गूंजता रहा। राम दरबार की झांकी में शामिल वानरी सेना ने हर किसी को आकर्षित किया। मुख्य अतिथि जगद्गुरु वासुदेवानंद सरस्वती ने काशिराज परिवार की कृष्णप्रिया, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास परिषद के अध्यक्ष प्रो. नागेन्द्र पांडेय की उपस्थिति में काशीवासियों को अधिकतम मतदान करने की शपथ दिलाई।

'भाजपा सरकार में मुस्लिमों पर जुल्म-ज्यादती बढ़ी'

जासं गोरखपुर: बसपा अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को भाजपा के साथ संघ पर सीधा हमला बोला। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी राजनीति के अखाड़े में खींच लिया और कहा कि बसपा की सरकार बनी तो हम हिंदुत्व के नाम पर मुस्लिमों का उत्पीड़न रोकेंगे। उन्होंने अल्पसंख्यकों के हितों का सवाल उठाकर बसपा को मुस्लिम हितैषी बताने का प्रयास और आरक्षण खत्म करने की साजिश को रेखांकित कर काडर वोट को एकजुट भी करने का संकेत किया। मायावती ने इलेक्टोरल बांड की चर्चा छेड़ी तो इंडी गठबंधन भी निशाने पर आ गया। मायावती ने कहा कि भाजपा, कांग्रेस, सपा सहित सभी दल पूंजीपतियों व धन्ना सेठों के पोषक हैं। बसपा, पार्टी चलाने या चुनाव लड़ने के लिए किसी पूंजीपति या उद्योगपति से चंदा नहीं लेती है।

'400 पार की बात करने वाले का 143 तक पहुंचना मुश्किल'

जागरण टीम, गोरखपुर

- सपा अध्यक्ष बोले, 2014 में जिनका स्वागत धूमधाम से हुआ 2024 में विदाई तय
- कहा, सत्ता में आए तो 30 लाख नौजवानों को नौकरियां, आटा और डाटा फ्री देंगे

देवरिया के आचार्य नरेन्द्र देव इंटर कालेज के मैदान पर चुनावी जनसभा को संबोधित करते सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव। जागरण

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को भाजपा के 400 पार के दावे पर चुटकी ली। कहा कि लोकसभा में 543 सीटें हैं। भाजपा कहती है अबकी बार 400 पार। यानी चार सौ घटा दें तो बचेगा 143, इसी के लिए वह संघर्ष कर रही है और यहां तक भी उसका पहुंचना मुश्किल है।

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में पूर्वांचल मथने निकले अखिलेश ने शनिवार को देवरिया और गोरखपुर में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। संविधान को संजीवनी बताते हुए इसे लेकर भाजपा के मंसूबों को खतरनाक बताया। उन्होंने पूर्वांचल के मतदाताओं को सतर्क करते हुए कहा कि जो संविधान बदलने निकले हैं, जनता को उन्हें बदलना होगा। उन्होंने देवरिया से आइएनडीआइए गठबंधन के प्रत्याशी अखिलेश प्रताप सिंह के समर्थन में पथरदेवा की सभा में कहा कि पूर्वांचल के लोग जिस धूमधाम से स्वागत करते हैं उसी उत्साह से विदाई भी करते हैं। 2014 में जिनका स्वागत हुआ था, 2024 में उनकी विदाई तय है। यह लड़ाई संविधान बचाने और खत्म करने वालों के बीच है। संविधान बचाने में आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है। डबल इंजन सरका में हुए विकास कार्यों के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा के डबल इंजन आपस में टकरा रहे हैं। टकराने और हांफने के साथ यह धुआं भी देने लगे हैं। गोरखपुर में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ मंच साझा कर रहे अखिलेश ने कहा कि हम सत्ता में आए तो 30 लाख नौजवानों को नौकरियां, आटा और डाटा फ्री देंगे। भाजपा ने किसानों की आय दूना करने का वादा किया, लेकिन खेती की लागत बढ़ गई। खाद की जगह नैनो यूरिया दिया जो काम नहीं करती। डाई मांगने पर किसानों को नैनो दिया जा रहा है, जिसकी की बोरी से भी पांच किलो चोरी कर लिया। इलेक्टोरल बांड के नाम पर करोड़ों रुपया चंदा वसूला। सेना की नौकरियों में अग्निवीर की भर्ती की, अब खाकी वालों की बारी है।

कुमारस्वामी ने 2016 में सिद्दरमैया के बेटे की मौत का उठाया मुद्दा

- मुख्यमंत्री ने किया पलटवार, मौत को लेकर पूछे गये इस सवाल को कुमारस्वामी की मूर्खता करार दिया

बेंगलुरु, प्रेट्र: जदएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के बेटे की आठ साल पहले विदेश में हुई मौत का मामला शनिवार को उठाया और जानना चाहा कि सिद्दरमैया ने इसकी जांच का आदेश क्यों नहीं दिया। इस बयान पर सिद्दरमैया ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और अपने बेटे की मौत को लेकर पूछे गये इस सवाल को कुमारस्वामी की मूर्खता करार दिया। मुख्यमंत्री के रूप में सिद्दरमैया के पहले कार्यकाल के दौरान 30 जुलाई 2016 को बेल्जियम में कई अंगों के काम करना बंद कर देने के कारण राकेश सिद्दरमैया की मृत्यु हो गई थी।

कुमारस्वामी ने सिद्दरमैया पर उनके इस बयान के लिए भी निशाना साधा कि जदएस के हासन सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने अपने दादा एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा सहित परिवार के सदस्यों की जानकारी में देश छोड़ा है। कुमारस्वामी ने कहा कि दुष्कर्म के मुद्दे को जीवित रखने के अलावा इस मामले की सच्चाई सामने लाने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। कुमारस्वामी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए पूछा, 'मुख्यमंत्री सिद्दरमैया का बेटा भी विदेश गया था और एक दुर्घटना का शिकार हो गया। वह किस कार्यक्रम में गया था? क्या उसने सिद्दरमैया की अनुमति ली थी?' उन्होंने पूछा कि सिद्धारमैया ने राकेश की मौत की जांच के आदेश क्यों नहीं दिए? इसे क्यों छुपाया गया? क्या मुख्यमंत्री ने उन्हें विदेश भेजा था? कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री से यह भी पूछा कि 2016 में राकेश की विदेश यात्रा के दौरान उनके साथ साथ कितने लोग थे।

एचडी कुमारस्वामी। फाइल

सिद्दरमैया। फाइल

दैनिक जागरण के सहयोगी मीडिया प्लेटफार्म विश्वास.न्यूज की पड़ताल में सामने आया सच

कन्हैया कुमार की तस्वीर से जुड़ा दावा भ्रामक

विश्वास.News
क्योंकि सच जानना आपका अधिकार है
www.vishvasnews.com

जेएनएन, नई दिल्ली: देश में लोकसभा चुनाव के बीच इंटरनेट मीडिया पर कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की एक तस्वीर तेजी से प्रसारित हो रही है, जिसमें उन्हें लेटे हुए देखा जा सकता है। कन्हैया कुमार उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी हैं। तस्वीर को उनके ऊपर हुए हालिया हमले से जोड़कर शेयर किया जा रहा है।

पड़ताल: विश्वास न्यूज ने कन्हैया कुमार की प्रसारित तस्वीर की सच्चाई पता लगाने के लिए सबसे पहले इसे गूगल लेंस से सर्च किया। हमें यह तस्वीर एक न्यूज वेबसाइट पर मिली। सात मई, 2016 को पब्लिश खबर में बताया गया कि जेएनयू स्टूडेंट यूनियन के प्रेसिडेंट कन्हैया कुमार को भूख हड़ताल के बाद बीमार पड़ने पर जेएनयू हेल्थ सेंटर ले जाया गया। कई अन्य न्यूज वेबसाइटों पर भी यह खबर हमें मिली।

निष्कर्ष : प्रसारित तस्वीर 2016 की है, उस वक्त कन्हैया कुमार जेएनयू में थे। एक भूख हड़ताल के वक्त उनकी तबीयत खराब हो गई थी। यह तस्वीर उसी वक्त की है।

क्या हो रहा है प्रसारित?

फेसबुक पेज मोदी का परिवार ने 20 मई को कन्हैया कुमार की तस्वीर को उन पर हुए हालिया हमले से जोड़कर पोस्ट किया। साथ में लिखा कि एक थप्पड़ से ये हाल। अभी तो जूते खाने है। इसे सच मानकर अलग-अलग प्लेटफार्म पर शेयर किया जा रहा है। पोस्ट के कंटेंट को यहां ज्यों का त्यों ही लिखा गया है।

इसी पुरानी तस्वीर को मौजूदा आम चुनाव के बीच चुनावी दुष्प्रचार की मंशा से शेयर किया जा रहा है।

झूठी खबर और अफवाहों का सच जानने के लिए विश्वास न्यूज के वाट्सएप चैनल को फालो करने के लिए कोड स्कैन करें।

****

कसाई ने पांच हजार रुपये के लिए बांग्लादेश के सांसद के शव के किए थे 80 टुकड़े

बर्बरता ▶ बंगाल सीआइडी द्वारा गिरफ्तार किए गए कसाई ने पूछताछ में उजागर की यह बात

शव के टुकड़ों को दक्षिण 24 परगना जिले में विभिन्न जलाशयों में फेंक दिया गया था

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

कोलकाता के एक फ्लैट में बांग्लादेश के सांसद मोहम्मद अनवारुल अजीम अनार की हत्या के मामले में गिरफ्तार कसाई जेहाद हवलादार ने बंगाल सीआइडी को पूछताछ में बताया है कि उसने बांग्लादेशी राजनेता के शव को 80 टुकड़ों में काटा था। इसके लिए उसे पांच हजार रुपये मिले थे। बता दें कि अनवारुल इलाज के लिए गत 12 मई को कोलकाता आए थे। उन्हें 13 मई की दोपहर को आखिरी बार देखा गया था। कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले के बरानगर निवासी और अनवारुल के परिचित गोपाल बिश्वास ने 18 मई को स्थानीय थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

मोहम्मद अनवारुल अजीम अनार। फाइल

जांच में जुटी बंगाल सीआइडी ने पिछले दिनों राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव से जेहाद हवलादार को गिरफ्तार किया था। बांग्लादेश के खुलना के रहने वाले जेहाद ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था और अपनी पहचान छिपाकर मुंबई में रह रहा था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सांसद का दोस्त बांग्लादेशी मूल का अमेरिकी नागरिक अखतरुज्जमां शाहीन, जो इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड है, हवलादार को दो महीने पहले कोलकाता लाया था। जेहाद ने पूछताछ में बताया कि शाहीन के आदेश पर उसने चार अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के साथ मिलकर न्यूटाउन इलाके में स्थित फ्लैट में सांसद की गला घोंटकर हत्या की, उसके बाद शव के छोटे-छोटे टुकड़े कर उन्हें प्लास्टिक की थैलियों में भरकर कोलकाता से सटे दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ इलाके के कृष्णामती गांव के विभिन्न जलाशयों में फेंक दिया था। सीआइडी की टीम गोताखोरों की मदद से शनिवार को लगातार दूसरे दिन शव के टुकड़ों को तलाशने में जुटी रही। जांचकर्ताओं के अनुसार शव के टुकड़ों को तलाश पाना कठिन है। उन्हें आशंका है कि उन्हें जलीय जीवों ने खा लिया होगा, फिर भी खोज जारी है। इस बीच हत्याकांड की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया है।

200 करोड़ के लेन-देन को लेकर अनबन : जांच में पता चला है कि 200 करोड़ रुपये के लेन-देन को लेकर सांसद अनवारुल के साथ अखतरुज्जमां शाहीन की अनबन थी। सूत्रों के मुताबिक सोने की तस्करी को लेकर यह लेन-देन हुआ था। इसका बदला लेने के लिए अखतरुज्जमां ने सांसद की हत्या की साजिश रची और इसे अंजाम देने के लिए लगभग पांच करोड़ रुपये का भुगतान किया था।

बांग्लादेश ने भारत, अमेरिका और नेपाल से मांगी मदद

बांग्लादेश के गृह मंत्री असादुज्जमां खान ने कहा-'शाहीन को पकड़ने और उस पर मुकदमा चलाने के लिए भारत, अमेरिका और नेपाल की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से मदद मांगी गई है। हम इंटरपोल सहित सभी संबंधित एजेंसियों के भी संपर्क में हैं। इस मामले में पहले ही एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर चुके हैं।' हत्या के पीछे के मकसद के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने कहा कि जल्द इसका खुलासा करेंगे। शाहीन के भाई व बांग्लादेश की कोटचंदपुर नगरपालिका के मेयर मोहम्मद शाहिदुज्जमां ने दोषी पाए जाने पर अपने भाई के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मालूम हो कि शाहीन के अमेरिका में होने का अनुमान है। बंगाल के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा-'बांग्लादेश की अमेरिकी सरकार के साथ प्रत्यर्पण संधि नहीं है। हम शाहीन को भारत प्रत्यर्पित करने की योजना बना रहे हैं क्योंकि अपराध वहां हुआ है।

बंगाल में आज टकराएगा चक्रवात रेमल, एनडीआरएफ की 12 टीमें की गईं तैनात

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- 110- 120 किमी. प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी हवा, ओडिशा के बंदरगाहों पर लगा खतरे का निशान
- मौसम विभाग ने रविवार-सोमवार को बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में अत्यधिक वर्षा की चेतावनी दी

बंगाल में चक्रवात 'रेमल' से निपटने के लिए राज्य प्रशासन ने एहतियाती तैयारियां तेज कर दी है। शनिवार को राज्य के मुख्य सचिव बीपी गोपालिका ने राज्य सचिवालय में अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर चक्रवात से मुकाबले को लेकर चर्चा की। दूसरी ओर, चक्रवात की तैयारियों की समीक्षा के लिए केंद्र की तरफ से कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्य सचिव की ओर से बताया गया कि कंट्रोल रूम खोलने से लेकर राहत सामग्री व जरूरी दवाओं समेत सभी आवश्यक सामग्रियों का भंडारण किया गया है। समुद्र में मछुआरों को 27 मई तक नहीं जाने और वहां मौजूद मछुआरों को तुरंत लौटने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने रविवार-सोमवार को बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी दी है। विभाग ने 26 और 27 मई को बंगाल के तटीय जिलों दक्षिण और उत्तर 24 परगना के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

बंदरगाहों पर नियमित अलर्ट के साथ सलाह जारी : राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने 12 टीमों के अलावा पांच अतिरिक्त टीमों को तैयार रहने के लिए कहा गया है। सेना, नौसेना और तटरक्षक बल की बचाव और राहत टीमों को भी तैयार रखा गया है। शिपिंग महानिदेशक द्वारा कोलकाता और पारादीप के बंदरगाहों पर नियमित अलर्ट के साथ सलाह जारी की जा रही है।

रविवार देर रात लैंडफाल कर सकता है चक्रवात : मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न चक्रवात रेमल रविवार देर रात बंगाल के सागरद्वीप व बांग्लादेश के तटों के बीच लैंडफाल कर सकता है। इसके 110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टकराने की आशंका है। चक्रवात रेमल के संभावित प्रभाव को देखते हुए रविवार दोपहर से 21 घंटे के लिए कोलकाता हवाई अड्डे से उड़ानों का परिचालन पूरी तरह निलंबित रहेगा। 26 मई, रविवार को दोपहर 12 बजे से 27 मई को सुबह नौ बजे तक उड़ानों के परिचालन को निलंबित करने का निर्णय लिया गया है।

सड़क किनारे के पेड़ तभी काटे जाएं जब लोगों की सुरक्षा को खतरा हो : कोर्ट

कोच्चि, प्रेट्र : केरल हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि सड़कों के किनारे कोई भी पेड़ सिर्फ इसलिए नहीं काटा जाए कि वे व्यावसायिक गतिविधियों में बाधा डालते हैं। अदालत ने कहा कि पेड़ों को तभी काटा जा सकता है जब वे क्षतिग्रस्त स्थिति में हों और परिणामस्वरूप लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालते हों।

जस्टिस पीवी कुन्हीकृष्णन ने कहा कि इस संबंध में फैसला सरकारी जमीनों पर उगे पेड़ों को काटने एवं उनके निस्तारण के नियमन से संबंधित 2010 के सरकारी आदेश के मुताबिक गठित समिति द्वारा लिया जाना चाहिए। कोर्ट ने 22 मई को कहा, 'बिना ऐसे किसी फैसले के अधिकारियों द्वारा सड़क के किनारे के किसी भी पेड़ को काटा नहीं जाएगा। केरल सरकार को यह देखना चाहिए कि बिना किसी उचित कारण के सड़क किनारे के पेड़ों को काटने और हटाने के किसी भी अनुरोध को अनुमति नहीं दी जाए।' यह फैसला उन याचिकाओं को खारिज करते हुए सुनाया जिसमें वन विभाग के फैसले को चुनौती दी गई थी। वन विभाग ने पलक्कड़-पोन्नानी रोड से सटी वाणिज्यिक संपत्ति के अवलोकन में बाधा वाले पेड़ों को काटने का आवेदन खारिज कर दिया था, जबकि लोकनिर्माण विभाग ने इसकी अनुमति दे दी थी।

न्यूज गैलरी

असम में आइपीएल सट्टा मामले में दो गिरफ्तार

गुवाहाटी : असम के धुबरी जिले में शनिवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। दोनों पर आइपीएल मैचों के दौरान सट्टे में संलिप्त होने का आरोप है। गुप्त सूचना पर विशेष टास्क फोर्स ने बिलासीपारा क्षेत्र में दोनों को उनके घरों से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान साहिदुल इस्लाम और मोजिदुल इस्लाम के रूप की गई है। उनके पास से पांच मोबाइल फोन, तीन बैंकों की पासबुक, चेकबुक और पैन कार्ड बरामद हुए हैं। (प्रेट्र)

बेंगलुरु रेव पार्टी मामले में एक और गिरफ्तार

बेंगलुरु : बेंगलुरु के एक फार्महाउस में आयोजित रेव पार्टी की जांच कर रहे सेंट्रल क्राइम ब्रांच दस्ते ने एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अभी तक छह लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। छठा व्यक्ति हैदराबाद का रहने वाला है और पार्टी के आयोजकों में से एक है। 19 मई को आयोजित पार्टी में एक तेलुगु फिल्म अभिनेत्री समेत 103 लोग पहुंचे थे। जांच में उनके रक्त के नमूने पाजिटिव पाए गए हैं। (प्रेट्र)

गरीबी से तंग आदिवासी महिला ने नवजात को बेचा

अगरतला: त्रिपुरा के धलाई जिले में गरीबी से तंग आकर आदिवासी महिला ने अपने नवजात बच्चे को पांच हजार रुपये में बेच दिया। पांच महीने पहले महिला के पति की मौत हो गई थी। उसके बाद से महिला आर्थिक तंगी से परेशान थी। एसडीएम अरिंदम दास ने बताया कि ताराबान कालोनी में रहने वाली 39 वर्षीय महिला मोरमती त्रिपुरा ने चार दिन पहले एक बच्ची को जन्म दिया। बच्ची को उसने हेजामारा में रहने वाले दंपती को बेच दिया। हालांकि बाद में विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी की मदद से दंपती से नवजात बच्ची को लाकर महिला को सौंप दिया गया है। (प्रेट्र)

रमा ठाकुर ने फतह किया माउंट एवरेस्ट

मनाली : पर्वतारोहण के क्षेत्र में कई सफलताएं हासिल कर चुकीं मनाली की रमा ठाकुर ने माउंट एवरेस्ट फतह कर लिया है। रमा ने 20 अप्रैल को पर्वतारोहण शुरू किया था और बेस कैंप पहुंच गईं थीं। इसके बाद उन्होंने एवरेस्ट की ओर कदम बढ़ाए। 21 मई को हासिल की गई रमा की सफलता से मनाली में खुशी का माहौल है। 37 वर्षीय रमा की सफलता की सूचना मिलते ही बधाई देने वालों की लाइन लग गई। (जासं)

छत्तीसगढ़ के सुकमा-बीजापुर में तीन नक्सली ढेर, 33 ने किया आत्मसमर्पण

नईदुनिया, जगदलपुर

- बीजापुर मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गई, सुकमा में एक को किया ढेर

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के बीजापुर व सुकमा जिले में बीते 24 घंटे के दौरान हुई दो मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने तीन नक्सलियों को ढेर कर दिया है। वहीं, बीजापुर जिले में शनिवार को 33 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें दो नक्सलियों पर दो-दो लाख और एक नक्सली पर एक लाख का इनाम घोषित था।

बीजापुर में दो महिला नक्सली व सुकमा जिले के कोंटा थाना क्षेत्र के बेलपोच्चा के जंगल में एक नक्सली मारा गया है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि सुबह लगभग दस बजे पुलिस पार्टी जैसे ही जप्पेमरका के जंगल में पहुंची नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस बल को भारी पड़ता देख नक्सली भाग खड़े हुए। घटनास्थल से दो नक्सलियों के शव और हथियार, वायरलेस सेट आदि बरामद किए गए। वहीं, सुकमा जिले के बेलपोच्चा के जंगल में भी सर्चिंग के दौरान एक अज्ञात नक्सली का शव व हथियार सहित भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया। उधर, बीजापुर जिले में आत्मसमर्पित नक्सली राजू हेमला व सामो कर्मा पर दो-दो लाख रुपये और सुदरू पूनेम पर एक लाख का इनाम का था। सभी नक्सली दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के अंतर्गत गंगालूर एरिया कमेटी के सदस्य हैं। इन पर हत्या, आईईडी विस्फोट करने सहित अन्य मामले दर्ज हैं। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि सभी को 25-25 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी गई है।

पीएलजीए बटालियन नंबर 1 पार्टी सदस्य, कंपनी नंबर 5 के प्लाटून नंबर 1 के पार्टी सदस्य सहित 33 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष किया समर्पण।

केरल की शराब नीति को लेकर युवा कांग्रेसियों ने मंत्री का दफ्तर घेरा

पलक्कड़, केरल (प्रेट्र) : युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एलडीएफ सरकार की शराब नीति के विरोध में शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च कर प्रदेश के आबकारी मंत्री एम बी राजेश के कार्यालय का घेराव किया। एलडीएफ सरकार द्वारा हाल ही में बयान जारी किया गया था कि प्रदेश में 'ड्राइ डे' समाप्त कर राजस्व बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है, यह बयान आते ही राजनीतिक गलियारों में शराब नीति का मुद्दा गरमा गया है। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि सरकार ने मोटी रिश्वत लेकर बार मालिकों के पक्ष में शराब नीति बदलने का निर्णय लिया है। इससे बार मालिकों को मोटा लाभ होगा, जिसका एक हिस्सा सरकार को मिलेगा।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने आबकारी मंत्री के कार्यालय में घुसने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उनको रोक दिया। गौरतलब है कि हाल ही में एक वायस रिकार्डिंग इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुई थी जिसमें बार मालिकों से 20 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर शराब नीति में बदलाव की बात की गई, इसमें आबकारी मंत्री का नाम आया था। उसके बाद से विपक्ष आबकारी मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

गूगल मैप की मदद से यात्रा में पर्यटकों की कार तालाब में गिरी

- केरल में हुई घटना, कार सवार सभी चार लोग बाल-बाल बचे

कोट्टायम, (प्रेट्र): अनजान जगहों की यात्रा के दौरान गूगल मैप की मदद लेना आम बात है, लेकिन इस पर ज्यादा भरोसा खतरे से खाली भी नहीं है। ऐसा ही कुछ हैदराबाद के पर्यटकों के एक समूह के साथ हुआ। केरल के कुरुप्पनथारा जिले में गूगल मैप की मदद से यात्रा के दौरान उनकी कार एक तालाब में जा गिरी। हालांकि वे सभी बाल-बाल बच गए, लेकिन उनकी कार डूब गई।

पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार देर रात अलप्पुझा की ओर जाने के दौरान हुई। कार में एक महिला समेत चार लोग सवार थे। वे इलाके से अनजान थे और उस दौरान तेज वर्षा भी हो रही थी। इसलिए वे गूगल मैप का सहारा लेकर आगे बढ़ रहे थे और उनकी गाड़ी तालाब में चली गई। पुलिस गश्ती इकाई और स्थानीय निवासियों की कोशिश से सभी चारों लोगों को बचा लिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, "कार को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। केरल में इस तरह की यह पहली घटना नहीं है। पिछले वर्ष अक्टूबर में दो डाक्टरों की कार दुर्घटना में मौत हो गई थी, जो कथित रूप से गूगल मैप की मदद से यात्रा के दौरान नदी में जा गिरे थे। इस घटना के बाद केरल पुलिस ने मानसून के दौरान इस तरह की तकनीक के उपयोग को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया था।

पुणे कार दुर्घटना में शामिल किशोर का दादा गिरफ्तार

- किशोर के दादा पर पारिवारिक ड्राइवर को घर में बंधक बनाने का आरोप

पुणे, प्रेट्र: पुणे में पोर्श कार दुर्घटना में शामिल 17 वर्षीय लड़के के दादा सुरेंद्र अग्रवाल को अपने परिवार के वाहन चालक को बंधक बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अदालत ने किशोर के दादा को शनिवार को 28 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

अपराध शाखा के अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना के बाद किशोर के दादा और पिता ने वाहन चालक का फोन ले लिया था। चालक को 19 मई से 20 मई तक अपने बंगले के परिसर में बंधक बनाकर रखा था। वाहन चालक की पत्नी से उसे मुक्त कराया। वाहन चालक की शिकायत पर येरवडा पुलिस ने किशोर के दादा और पिता पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं 365 (गुप्त और गलत तरीके से बंधक बनाने के इरादे से किसी व्यक्ति का अपहरण करना) और 368 (गलत तरीके से छिपाना या बंधक बनाना) के तहत एक अलग मामला दर्ज किया।

पुणे के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बताया कि किशोर के पिता और दादा ने अपने परिवार के चालक को नकदी और उपहार की पेशकश की और बाद में उसे दुर्घटना का दोष कबूल करने को कहा था। चालक की शिकायत पर सुरेंद्र अग्रवाल को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में पेशी के दौरान अभियोजन पक्ष ने बताया कि किशोर के दादा के घर से एक सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच से फुटेज के साथ छेड़छाड़ का पता चलता है। पुलिस ने अदालत में किशोर के दादा की सात दिन की हिरासत मांगी थी। कोर्ट ने उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। किशोर का पिता पहले से ही न्यायिक हिरासत में है। नाबालिग आरोपित को पांच जून तक एक सुधार गृह में भेजा गया है।

गौरतलब है कि पुणे के कल्याणी नगर में किशोर ने अपनी पोर्श कार से मोटरसाइकिल सवार दो साफ्टवेयर इंजीनियर को टक्कर मार दी थी, जिससे उनकी मौत हो गयी थी। यह घटना चर्चा में तब आई जब किशोर न्याय बोर्ड ने आसान शर्त पर जमानत दे दी।

लखीमपुर के शारदा बैराज में पानी कम, फंसा डाल्फिन का समूह

जागरण संवाददाता, लखीमपुर

- डब्ल्यूटीआइ के विशेषज्ञ मौके पर मौजूद, बचाने की कवायद में जुटा वन विभाग

शारदा बैराज के चौका साइफन में पानी कम होने से आठ से दस डाल्फिन का समूह फंस गया है। डाल्फिन तराई इलाके में धौरहरा क्षेत्र में बहने वाली घाघरा नदी में पाई जाती हैं। घाघरा से यह डाल्फिन शारदा बैराज के चौका साइफन में आ गई हैं। इनमें एक मादा के साथ उसके बच्चे हैं। डाल्फिन शेड्यूल वन की प्राणि हैं। वन विभाग उन्हें बचाने की कवायद में जुट गया है। डब्ल्यूटीआइ (भारतीय वन्यजीव संस्थान) के विशेषज्ञों ने भी डेरा डाल दिया है।

डाल्फिन दो समूह में हैं। छह डाल्फिन के समूह को टुबग्गा रोड पर चौका साइफन में अठखेलियां करते देखा गया है। करीब चार डाल्फिन उसिया पुल के पास नदी में देखी गई हैं। चौका साइफन में पानी भरपूर था, लेकिन 20 मई के बाद नहर के पानी को बंद कर दिया गया, जिसके बाद पानी बेहद कम हो गया और डाल्फिन साइफन के उथले पानी में नजर आने लगीं। ग्रामीणों से इसकी जानकारी मिलने पर वन विभाग के शारदानगर रेंजर अभय मल्ल, विश्व प्रकृति निधि (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के परियोजना निदेशक दबीर हसन, लखनऊ से आए डब्ल्यूटीआइ के विशेषज्ञ डा. शैलेंद्र सिंह व पूर्णिमा समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे।

चौका साइफन में पानी कम होने की वजह से फंसी डाल्फिन। जागरण

पानी बहुत कम देख अधिकारियों ने सिंचाई विभाग शारदानगर के अधिशासी अभियंता शोभित कुशवाहा से संपर्क किया, तब साइफन में पानी छोड़ा गया। डीएफओ साउथ, संजय विस्वाल ने बताया कि डाल्फिन दो ग्रुप में हैं। एक ग्रुप गहरे पानी में है, लेकिन दूसरा ग्रुप उथले पानी में है। पानी गर्म होने से उन्हें दिक्कत हो रही हैं।

वर्ग पहेली - 2641

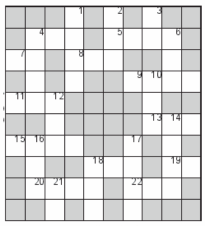

बाएं से दाएं

4. भूमिकर, राजस्व (3)। 5. दर्द से आहें भरना (4)। 7. सूत, डोरा (2)। 8. तीन घंटे का समय (3)। 9. नवीनता (4)। 11. कर्म, करतूत, करतब (3)। 13. सिखों के एक प्रसिद्ध गुरु (3)। 15. तालाब, पोखर, झील (4)। 18. स्थिर, खड़ा, अडिग (3)। 19. रुधिर, खून (2)। 20. कुछ, थोड़ा-सा (4)। 22. अरुचिकर, स्वादहीन, बिना रस का (3)।

ऊपर से नीचे

1. भोजन का नहीं पचना (4)। 2. बारह राशियों में से दसवीं राशि (3)। 3. मार्ग, रास्ता (2)। 4. एक के बाद एक (4)। 6. नाग की मादा (3)। 10. तेल या घी में छानना (3)। 12. बिना, शब्द का (3)। 14. साहित्य के प्रधान नौ रस (4)। 16. मनोरंजक, कदली, केला (3)। 17. जानेयोग्य (4)। 18. नियम, विधान, क्रम (3)। 21. एक प्रकार का तिलहन (2)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

स	मा	चा	र	■	■	■	ना	या	ब
ह	■	■	डा	ह	क	र	ना	■	ह
सा	झे	दा	र	■	थ	■	रू	■	ला
■	ल	■	■	जा	न	■	प	सी	ना
■	म	ग	र	■	■	स	■	ना	■
■	न	■	दू	■	■	दी	न	ता	■
न	दी	श	■	सि	वा	■	■	न	■
र	■	क	■	त	■	क	ल	ना	द
मा	■	टी	ल	म	टो	ल	■	■	ह
ना	ह	र	■	■	■	म	हा	ज	न

जागरण सुडोकू-2641

4		7	9		3	8		1
			8				4	
	8				6	9		3
		2	7		8		3	
7	9			1				
			2			4	1	
9					1			5
		8	3		5			
5				8		7		6

कल का हल

3	9	7	4	8	2	5	1	6
6	4	2	3	1	5	7	8	9
8	1	5	7	9	6	4	2	3
7	5	1	8	2	3	9	6	4
2	6	8	9	7	4	1	3	5
9	3	4	5	6	1	2	7	8
5	8	9	2	3	7	6	4	1
4	2	6	1	5	8	3	9	7
1	7	3	6	4	9	8	5	2

आगे बढ़ा काम

एएसआइ के सर्वे के 65वें दिन उत्तरी भाग से पाषाण अवशेष मिला, इस पर सूर्य के आठों प्रहर के चिह्न बने होने का दावा

भोजशाला के गर्भगृह में पहली बार जीपीआर से सर्वे

नईदुनिया, धार

ऐतिहासिक भोजशाला के गर्भगृह में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) की टीम ने शनिवार को पहली बार ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) से सर्वे किया। यह कार्य जियोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया (जीएसआइ) की टीम के सात सदस्यों की देखरेख में किया गया। इस सर्वे के माध्यम से जमीन में दबे पुरा साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। यज्ञकुंड के पास सर्वे करने के लिए मार्किंग की गई है। इधर, उत्तरी भाग से खोदाई में पाषाण अवशेष मिला है। इस पर सूर्य के आठों प्रहर के चिह्न बने होने का दावा किया गया है।

उल्लेखनीय है कि 11 मार्च को मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने वैज्ञानिक सर्वे में जीपीआर और जीपीएस मशीन का उपयोग किए जाने का आदेश दिया था। 22 मार्च से शुरू किए गए सर्वे में अभी तक मशीन से कार्य नहीं हो पाया था। 40 मजदूर और एएसआइ के 18 अधिकारी शनिवार को जब भोजशाला पहुंचे तभी ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) भी लाया गया। हैदराबाद से जीएसआइ की टीम पहुंची। इस टीम ने सबसे पहले गर्भगृह में छत के नीचे जहां वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित थी, उस स्थान पर मशीन से सर्वे किया। उल्लेखनीय है कि इस मशीन के माध्यम से पक्के फर्श के नीचे करीब आठ से 10 मीटर और कच्चे फर्श में 40 मीटर तक की गहराई तक की जानकारी ली जा सकती है।

धार की ऐतिहासिक भोजशाला। नईदुनिया आर्काइव

छात्राओं से दुष्कर्म का ऐसे हुआ राजफाश

प्रथम पृष्ठ से आगे

करीब एक सप्ताह पहले एक लड़की ने मोबाइल लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई। जैसे ही बृजेश गिरफ्त में आया तो मामला खुला। आरोपित के दोनों हाथ एक फैक्ट्री में जल गए थे, इसलिए वह हमेशा ग्लव्स पहनता था। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि उसने यह सब यूट्यूब में देखा, वह पढ़ा-लिखा नहीं है, उसने अपने साथी राहुल और संदीप के सहयोग से अपने मोबाइल में वाइस एप डाउनलोड कराया था।

इस बीच, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार को घेरते हुए कहा कि मामले की तत्काल उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। वहीं, जबलपुर के पुलिस अधीक्षक (साइबर सेल) ने लोगों को सलाह दी है कि सजग, सावधान रहने से ही ऐसे धोखों से बचा जा सकता है। अज्ञात नंबर से जब भी कोई काल आती है तो सबसे पहले उसे काट दें, फिर स्वयं लगाकर देखें। वास्तविक स्थिति का पता चल जाता है। घबराए बिना निर्णय लें। डिजिटल अरेस्ट होने से बचें।

****

आज का भविष्यफल- 26 मई, 2024 रविवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष तृतीया। आज का राहुकाल : सायं 04 बजकर 30 मिनट से 06 बजे तक। आज का दिशाशूल : पश्चिम पर्व एवं त्योहार : गणेश चतुर्थी व्रत। आज की भद्रा : प्रात : 06 बजकर 34 मिनट से सायं 06 बजकर 07 मिनट तक।

कल 27 मई, 2024 का पंचांग

कल का दिशाशूल : पूर्व

विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की चतुर्थी 16 घंटे 54 मिनट तक, तत्पश्चात पंचमी पूर्वा आषाढ़ा नक्षत्र 10 घंटे 14 मिनट तक, तत्पश्चात उत्तराआषाढ़ा नक्षत्र शुभ योग तत्पश्चात शुक्ल योग धनु में चंद्रमा तक तत्पश्चात मकर में।

- **मेष :** आर्थिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
- **वृष :** पारिवारिक और व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी।
- **मिथुन :** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
- **कर्क :** शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।
- **सिंह :** पारिवारिक समस्या से ग्रसित हो सकते हैं। सहयोग मिलेगा।
- **कन्या :** व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
- **तुला :** आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। सम्मान में वृद्धि होगी।
- **वृश्चिक :** राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। विरोधी परास्त होंगे।
- **धनु :** रोग और विरोधी तनाव देगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।
- **मकर :** शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। दांपत्य जीवन में तनाव आ सकता है।
- **कुंभ :** आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
- **मीन :** पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

50 डिग्री सेल्सियस तक तापमान राजस्थान के फलौदी में शनिवार को पहुंच गया। राज्य में चार दिन में 19 लोगों की गर्मी के कारण मौत हुई है।

रविवार विशेष

पर्यावरण के रक्षक

गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में धरती के तापमान में वृद्धि चिंताजनक है। मौसम विज्ञानी आने वाले वर्षों में तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि की आशंका जता रहे हैं और इसका कारण बता रहे हैं जलवायु परिवर्तन को। विश्व के लिए सबसे कठिन चुनौती बन चुके जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव दिखने भी लगे हैं। कहीं अत्यधिक तापमान और हीट वेव के रूप में तो कहीं अतिवृष्टि या अत्यधिक सर्दी व बेमौसम बर्फबारी के रूप में। पर्यावरण को संरक्षित रखने में वृक्षों की अतिमहत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्बन उत्सर्जन को सोखने के साथ ये तापमान कम रखने में भी मददगार होते हैं। सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बीच निजी स्तर पर भी पर्यावरण को सहेजकर जलवायु परिवर्तन से बचाव के लिए नवाचार किए जा रहे हैं। पढ़िए तीन प्रेरक कहानियां:

लगाया बांज का जंगल, तो हर घर को मिल रहा जल

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में 200 परिवार वाला डख्याट गांव समुद्रतल से 1400 मीटर की ऊंचाई पर बसा है। इस गांव के लोगों के पास भले ही विलासिता के साधन नहीं हैं, लेकिन गांव के पास बांज का समृद्ध जंगल उन्हें प्राकृतिक रूप से संपन्न बनाता है। यह जंगल 55.54 हेक्टेयर में फैला है, जिसे बल्कि ग्रामीणों ने स्वयं राजस्व भूमि पर खड़ा किया है। उत्तराखंड में बांज को 'हरा सोना' भी कहते हैं। बांज के जंगल के कारण ही गांव में सात स्थानों पर प्राकृतिक जलस्रोत मौजूद हैं। इनमें वर्षभर पानी रहता है। ग्रामीण कुलवीर बताते हैं कि गांव में लगभग 200 परिवार हैं। प्राकृतिक जलस्रोत से पेयजल योजना भी बनाई गई है, जिससे घर-घर जल आपूर्ति होती है।

डख्याट गांव में बांज के जंगल के निकट ऐसे ही सात प्राकृतिक जलस्रोत हैं ● जागरण

डख्याट गांव जिले की बड़कोट तहसील में पड़ता है। पूर्व प्रधान जयवीर सिंह जयाड़ा कहते हैं कि वह मूलरूप से टिहरी जिले के नौसा गांव के रहने वाले हैं। 16वीं सदी में उनके पूर्वज यमुना घाटी में आकर बस गए। तब वे अपनी पहचान के रूप में बांज के पौधे भी साथ लाए थे, जिन्हें गांव के पास बंजर भूमि पर रोपा। साथ ही मां चंद्रबदनी का मंदिर भी बनाया गया। आजादी के बाद से ग्रामीणों ने पूर्वजों के इस जंगल का धरोहर के रूप में संरक्षण करना शुरू किया। इसके बाद से जंगल लगातार बढ़ता चला गया। जयवीर कहते हैं कि वर्ष 1980 में जब वह प्रधान बने तो उन्होंने बांज के जंगल के संरक्षण को वन पंचायत का गठन किया। तब यह उत्तरकाशी जिले की पहली वन पंचायत थी। बड़े स्तर पर बांज के पौधों का रोपण किया गया, जो आज 55.54 हेक्टेयर में फैला चुका है।

आसपास नहीं दूसरा ऐसा जंगल: वर्तमान में वन पंचायत के सरपंच दीपक जयाड़ा कहते हैं कि गांव के इस जंगल के अलावा आसपास दूर-दूर तक बांज के पेड़ नजर नहीं आते। गांव के पास राजस्व विभाग की दस हेक्टेयर बंजर भूमि है। इस पर बांज का जंगल तैयार करने के लिए प्रशासन को प्रस्ताव भेजा है।

अनुमति के बिना नहीं उठा सकते सूखे पत्ते: कुलवीर कहते हैं कि बांज के जंगल में कोई भी अपनी मर्जी से दरांती व कुल्हाड़ी लेकर नहीं जा सकता। यहां तक कि वन पंचायत और ग्राम पंचायत की अनुमति के बिना कोई इस संरक्षित जंगल से सूखे और गिरे हुए पत्ते भी नहीं उठा सकता। पांच वर्ष में एक बार कुछ पेड़ों की कटाई-छंटाई की जाती है। विशेष परिस्थितियों में बांज के जंगल में गिरे सूखे पत्तों को उठाने के लिए भी अनुमति दी जाती है।

इसलिए कहा जाता है बांज को हरा सोना : उत्तराखंडी लोकगीतों में बांज के कैचमेंट क्षेत्र में शीतल जल का उल्लेख मिलता है। साथ ही बांज की सूखी पत्तियां जैविक खाद के काम आती हैं। वह वर्षा जल से भूमि का कटाव रोकने के साथ जल को भूमिगत करने में मदद भी करती हैं। जबकि, बांज का फल औषधीय गुणों से भरपूर होता है। बांज की पत्तियां पशुओं के पौष्टिक आहार में शामिल है और लकड़ी भी कई वस्तुओं के निर्माण में काम आती हैं। इसलिए बांज को उत्तराखंड में 'हरा सोना' कहा जाता है।

(**उत्तरकाशी से शैलेंद्र गोदियाल**)

उत्तरकाशी में डख्याट गांव के पास संरक्षित बांज का जंगल ● जागरण

रोपे हजारों पौधे, भीषण गर्मी में भी कम रहता है तापमान

मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी के किनारे बसे छोटे से गांव नवादपुरा के संकल्पशील ग्रामीणों ने वह कर दिखाया जो बड़े शहरों के लोग सुविधाओं के साथ भी नहीं कर पाते। 1100 की आबादी वाला यह गांव धार जिले में स्थित है। नवाचारों के लिए ख्यात यह गांव पर्यावरण संरक्षण के दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बीते आठ वर्षों में ग्रामीणों ने गांव के आसपास हजारों पौधे लगाए जो अब पेड़ बन चुके हैं। इसका असर यह हुआ कि भीषण गर्मी के दौरान भी गांव का तापमान आसपास के क्षेत्रों से दो से तीन डिग्री सेल्सियस कम रहता है।

वर्ष 2017 में इस तहसील के 26 गांवों में गुजरात के सरदार सरोवर बांध का बैक वाटर भर जाने से लाखों पेड़-पौधे डूब गए थे। क्षेत्र में पर्यावरण असंतुलन के खतरे को देखते हुए नवादपुरा के लोगों ने शासन की योजनाओं के साथ गांव को ग्रीन विलेज बनाने के लिए कदम बढ़ाए। गांव के कमल पटेल ने बताया कि वर्ष 2017 में एक किमी के मुख्य मार्ग के दोनों ओर 700 पौधे लगाकर ग्रीन विलेज की शुरुआत की गई थी। इसके बाद साल-दर-साल यह क्रम बढ़ता गया। कोरोना काल में गांव के आसपास के मार्ग पर 251 त्रिवेणी और पहाड़ियों पर 1500 पौधे नीम, पीपल आदि के लगाए गए। तब से यह सिलसिला लगातार जारी है। हर वर्ष ग्रामीण क्षेत्र चिह्नित कर पौधे लगाते हैं और उनकी देख-रेख करते हैं।

मप्र में धार जिले के नवादपुरा गांव में गोशाला मार्ग पर रोपे गए पौधे अब पेड़ प्राणवायु देने के साथ तापमान कम रखने में भी मदद कर रहे हैं ● नईदुनिया

नवादपुरा में पर्यावरण को लेकर काफी जागरूकता है। हर साल यहां पौधे लगाने के साथ उसकी देखभाल की जाती है। इससे गांव के आसपास अच्छी हरियाली नजर आती है।

- जेएस रावत, नायब तहसीलदार, निसरपुर

मियावाकी पद्धति से पौधारोपण, नतीजा यहां तापमान कम : सरपंच सोनाली बाई मेहता और उपसरपंच भगवती बाई लछेटा ने बताया कि गांव में शासकीय गोशाला के सामने मुख्य मार्ग पर दोनों ओर तीन साल पहले मियावाकी पद्धति से एक हजार पौधे रोपे गए थे, जो आज पेड़ बन गए हैं। गांव के रतन चोयल कहते हैं कि गोशाला मार्ग पर भीषण गर्मी में भी दो से तीन डिग्री तापमान कम रहता है, जो ग्रामीणों के साथ-साथ गोशाला में रहने वाली गायों को राहत दे रहा है।

गांव में ही बना ली नर्सरी: नवादपुरा गांव के कुंदन लछेटा और संजय सोलंकी कहते हैं कि इस भीषण गर्मी में ड्रिप लाइन से पौधों को बूंद-बूंद पानी दिया जाता है। इस कार्य में ग्रामीण भी सहयोग करते हैं। युवा महेंद्र सेंचा कहते हैं कि गांव में ही एक नर्सरी बना रखी है, जहां हम दो से तीन साल तक के पौधे तैयार करते हैं। जब पौधे चार से पांच फीट के हो जाते हैं, तब उन्हें लगाते हैं, जिससे उनकी ग्रोथ जल्दी होती है।

(**धार से शैलेंद्र लड्डा**)

ट्री बैंक व जीपीएस से पर्यावरण कर रहे संरक्षित

दिल्ली विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से एक है। इस पर भी कम ही लोग हैं जो पर्यावरण संतुलन के प्रति चिंता करते हुए प्रदूषण को कम करने के बारे में कुछ सोचते और करते हैं। प्रदीप डाहलिया उन्हीं में से एक हैं। इनके पिता की गाड़ियों को ठीक करने की वर्कशाप है। जहां वाहनों से निकलते धुएं और गर्मी से प्रदीप इतने विचलित हुए कि वर्ष 2014 में ही ठान लिया कि वह इस समस्या को कम करने के लिए कुछ तो करेंगे। इसके बाद उन्होंने पौधे लगाने का निर्णय लिया, जो कि अब तक अनवरत जारी है। वर्ष 2014 से अब तक चार लाख पौधे लगा चुके हैं। इसके बाद उन्होंने ट्री बैंक की शुरुआत की। ये ट्री बैंक गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन, नोएडा के सेक्टर-142 व ग्रेटर नोएडा के सुनपुरा गांव में स्थित हैं। इस बैंक के जरिये वह लोगों को निश्शुल्क पौधा देते हैं। इसके एवज में लोगों को उस जगह की जीपीएस लोकेशन देनी होती है जहां पौधा लगाएंगे, जिससे प्रदीप व उनकी टीम उसकी निगरानी कर सके। ट्री बैंक के जरिये वह 2020 से अब तक पांच हजार के करीब पौधे लगवा चुके हैं।

ग्रेटर नोएडा के सुनपुरा में रहने वाले प्रदीप डाहलिया ने बताया कि पौधे लगाने की शुरुआत 2014 में उन्होंने सूरजपुर स्थित वेटलैंड से की थी। वेटलैंड से हर 500 मीटर पर पौधे लगाए। 2014 में ही अपने गांव के ही मंदिर के प्रांगण और आसपास 2,700 पौधे लगाए जो आज पेड़ का रूप ले चुके हैं। प्रदीप बताते हैं कि इस दौरान उन्होंने यह देखा कि कई लोग ऐसे हैं जो पौधा लगाना चाहते हैं, लेकिन महंगे पौधे होने से नहीं लगा पाते। इसके अलावा लोगों के जेहन में ये सवाल भी रहता है कि क्या उनके द्वारा लगाया पौधा पनप भी पाएगा। इसे ध्यान में रखते हुए ट्री बैंक की शुरुआत की। जिस तरह बैंक में आपका पैसा सुरक्षित रहता है और ब्याज लगने से बढ़ता है। ठीक उसी तरह ट्री बैंक के जरिये पौधों को सुरक्षित रखने के साथ ही उन्हें पेड़ बनाया जाता है। ट्री बैंक के जरिये पौधे निश्शुल्क दिए जाते हैं। पौधे लेने वाले का नाम व पता लिया जाता है। उनसे उस जगह की जीपीएस लोकेशन मांगी जाती है जहां वह पौधा लगा रहे होते हैं। ये भी देखा जाता है कि जिस जगह पौधा लगा रहे हैं वहां का वातावरण और परिस्थितियां पौधे के पनपने लायक हैं कि नहीं यदि नहीं तो जगह में बदलाव का सुझाव भी देते हैं। पौधा लगने के बाद अगले 15 से 20 दिन तक हर दूसरे दिन पौधे की फोटो मंगवाते हैं। इसके बाद समय-समय पर पौधे को देखने जाते हैं। इसमें उनके मित्र सहयोग करते हैं। प्रदीप ने बताया कि छह से आठ महीने में पौधे का विकास इतना हो जाता है कि फिर उसे बस नियमित तौर पर पानी देने की ही जरूरत होती है।

संस्थानों, ग्रीनबेल्ट, बैरिकेडिंग वाली जगह पर लगाते हैं पौधे: प्रदीप ने बताया कि 2014 से अब तक चार लाख पौधे लगा चुके हैं। इनमें बरगद, पीपल, नीम, जामुन, अर्जुन, अमरूद, आम के पौधे लगाए हैं। पौधे लगाते समय ये ध्यान में रखा गया कि ऐसी जगह लगाए जाएं जहां ये जानवरों, छोटे बच्चों, वाहनों के कारण बर्बाद न हों। ऐसे में सरकारी व निजी स्कूलों और कालेज, संस्थान, ग्रीन बेल्ट में लगाए गए हैं। तालाबों के किनारे पौधे लगाने के बाद उनके चारों ओर बैरिकेडिंग भी की जाती है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने उन्हें 10 तालाबों के आसपास पौधे लगाने का भी जिम्मा सौंपा है। तालाब में वह बांस का पौधा लगा रहे हैं और किनारों पर अर्जुन, पीपल व बरगद का पौधे लगाए हैं। बांस का पेड़ इसलिए चूंकि उसके पनपने के लिए पानी की मात्रा अधिक लगती है, वहीं अर्जुन, पीपल और बरगद इसलिए ताकि मिट्टी की सेहत भी अच्छी रहे पर्यावरण में आक्सीजन का स्तर भी।

(**ग्रेटर नोएडा से अर्पित त्रिपाठी**)

केंद्रीय मंत्री ने किया सम्मानित

पर्यावरण संरक्षण के लिए ट्री बैंक के नवाचार के साथ तकनीक के प्रयोग की प्रदीप की इस पहल के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह के अलावा अन्य सामाजिक संगठन, सरकारी विभाग सम्मानित कर चुके हैं। प्रदीप यहीं नहीं रुके हैं। वह भूजल दोहन रोकने के लिए एनजीटी का दरवाजा भी खटखटा चुके हैं, जहां से करीब 300 बिल्डरों पर जुर्माना भी लग चुका है और आदेश हुआ है कि किसी भी सूरत में गंदा पानी सीधे सीवर में नहीं डाला जाएगा।

ट्री बैंक में पौधों के साथ प्रदीप डाहलिया ● स्वयं

श्रद्धालुओं के लिए खुले हेमकुंड साहिब के कपाट

जागरण संवाददाता, गोपेश्वर

उत्तराखंड के चमोली जिले में समुद्रतल से 15,225 फीट की ऊंचाई पर स्थित गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब के कपाट शनिवार सुबह 9:30 बजे श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। कपाट खुलने के मौके पर 5,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेका। इस दौरान श्रद्धालुओं ने लोकपाल लक्ष्मण मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। कपाट खुलने पर गुरुद्वारा साहिब की पांच क्विंटल रंग-विरंगे फूलों से भव्य सजावट की गई थी।

5000 से अधिक श्रद्धालुओं ने टेका गुरुद्वारा साहिब में मत्था

बेस कैंप घांघरिया से पंज प्यारों की अगुआई में श्रद्धालुओं का पहला जत्था सुबह छह बजे हेमकुंड साहिब के लिए रवाना हुआ। पांच किमी की इस पैदल यात्रा को गढ़वाल स्काउट और पंजाब के सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों के बैंड की मधुर लहरियों ने यादगार बना दिया। इस दौरान पूरी भ्यूंडार घाटी 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के उद्घोष से गूंजती रही। ठीक नौ बजे हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा में सतखंड साहिब के द्वार खोले गए और 9:30 बजे सतखंड से गुरुग्रंथ साहिब को लाकर पंज प्यारों के नेतृत्व में दीवान हाल में सुशोभित किया गया। इसी के साथ शुरू हुई अरदास पूजा। कपाट खुलने के मौके पर सरकार की ओर से तय 3500 तीर्थयात्री हेमकुंड साहिब पहुंचे थे। जबकि, गुरुद्वारा कमेटी के सेवादार और स्थानीय निवासियों की संख्या 1,500 से अधिक थी।

गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने के बाद धार्मिक परंपराएं निर्वहन करते तीर्थयात्री व गुरुद्वारे के सेवादार। साभार गुरुद्वारा कमेटी

ब्रिगेडियर ढिल्लो को भेंट किया सरोपा : गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने कपाट खुलने के मौके पर मौजूद मुख्य अतिथि सेना के ब्रिगेडियर एमएस ढिल्लो को सरोपा व कृपाण भेंट किए। साथ ही हेमकुंड पैदल मार्ग से बर्फ हटाकर श्रद्धालुओं की राह आसान करने वाले स्वतंत्र ब्रिगेड इंजीनियरिंग कोर के मेजर बिरेंद्र औला समेत अन्य जवानों को भी सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष बिंद्रा ने कहा कि हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर अभी भी भारी मात्रा में बर्फ है।

कश्मीर घूमने आए पंजाब के चार पर्यटकों की कार हादसे में मौत

जागरण संवाददाता, श्रीनगर : दक्षिणी कश्मीर के काजीगुंड क्षेत्र में शनिवार को पंजाब से घाटी घूमने आए चार पर्यटकों की कार हादसे में मौत हो गई। जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज अनंतनाग जीएमसी अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब तीन बजे श्रीनगर की तरफ जा रही एक एसयूवी कार चालक के नियंत्रण से बाहर होकर सड़क पर पलट गई। इस दौरान कार में सात लोग सवार थे। हादसे के बाद आसपास लोग और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घायल को तुरंत अनंतनाग अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने चार को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीन लोगों की हालत गंभीर है। अस्पताल से घायलों को अनंतनाग जीएमसी अस्पताल रेफर कर दिया गया। सभी लोग पंजाब के मोगा जिले के हैं। वाहन क्षतिग्रस्त हो गया है। मृतकों की पहचान संदीप शर्मा (28), रूमी (26), जगदीश उर्फ हनी (23) और गुरमीत सिंह (23) के रूप में हुई।

अयोध्या में श्रीराम के साथ होगा लक्ष्मण के मंदिर का भी निर्माण

संवादसूत्र, जागरण, अयोध्या

रामजन्मभूमि परिसर में प्रभु श्रीराम के साथ श्री लक्ष्मण के भी मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। इस योजना पर राम मंदिर निर्माण समिति की रामजन्मभूमि परिसर के कार्यालय में हुई दो दिवसीय बैठक के अंतिम दिन मुहर लगी।

रामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्र ने बताया कि रामजन्मभूमि में राम मंदिर से कुछ दूरी पर शेषावतार लक्ष्मणजी का मंदिर पहले से ही था, किंतु अब उसे राम मंदिर के अनुरूप भव्य स्वरूप दिया जाएगा। यह मंदिर उसी शैली और वास्तु के अनुरूप होगा जिस शैली और वास्तु के अनुसार राम मंदिर का निर्माण हुआ है। बैठक में यह भी तय किया गया कि रामजन्मभूमि परिसर में तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट का कार्यालय भी होगा, जिसमें 500 लोगों की क्षमता वाला सभागार एवं विश्रामालय का निर्माण किया जाएगा। उप्र राजकीय निर्माण निगम को इसका काम सौंपा गया है। इस दिशा में काम अगले दो माह में शुरू होने की उम्मीद है। बैठक से पहले मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने निर्माण से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ रामजन्मभूमि परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने अंतिम स्पर्श पा रहे उस यात्री सुविधा केंद्र को भी देखा, जिसे अगस्त तक तैयार कर दिया जाएगा। यद्यपि यात्री सुविधा केंद्र का उपयोग यात्री अभी से ही करने लगे हैं।

रामजन्मभूमि परिसर की योजनाओं से जुड़े ब्लू प्रिंट की विशेषज्ञों के साथ समीक्षा करते राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र (मध्य में): सौ. से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट

बैठक के दौरान रामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट व चिकित्सा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्थान अपोलो के बीच अनुबंध भी किया गया। ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्र के अनुसार, एक-दो माह में चिकित्सालय का संचालन शुरू होगा।

कर्नाटक में हिरासत में युवक की मौत, थाने में तोड़फोड़

दावणगेरे, (कर्नाटक), प्रेट्र : सट्टेबाजी के आरोप में गिरफ्तार एक युवक की चन्नागिरी थाने में पुलिस हिरासत में मौत के बाद भारी बवाल मच गया। मौत की सूचना मिलने पर युवक के समर्थकों भीड़ ने थाने में घुसकर तोड़फोड़ की और कई गाड़ियों में आग लगा दी। इस घटना के बाद पुलिस के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि 24 वर्षीय युवक आदिल को जब पकड़ा गया तो उसकी तबियत खराब थी। हवालात में देर रात उसकी मौत हो गई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बयान जारी कर कहा है कि इस मामले में डीएसपी व चन्नागिरी थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। हालांकि उन्होंने कहा कि यह मामला हिरासत में मौत का नहीं है। बिना केस दर्ज किए युवक को थाने पर लाए जाने के कारण निलंबन की कार्रवाई की गई है। एसपी उमा प्रशांत का कहना है कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को स्वजन को सौंप दिया गया है। चन्नागिरी के आस-पास पुलिस बल तैनात है।

झारखंड में दुकान में चोरी करने घुसे तीन बच्चे आग से झुलसे, एक की मौत

जागरण संवाददाता, बालूमाथ (लातेहार): झारखंड के लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र स्थित पकरी गांव में शुक्रवार की देर रात एक किराना दुकान में चोरी करने घुसे तीन नाबालिग चोर आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। इनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से एक को इलाज के लिए रिम्स (रांची) भेजा गया है, जबकि एक अन्य झुलसने के बावजूद फरार है।

बताया गया कि किराना की एक दुकान में चोरी करने घुसे तीनों नाबालिग मोमबत्ती जलाकर नकद और काम की वस्तुओं की तलाश कर रहे थे। इसी बीच एक का पैर दुकान में रखे पेट्रोल के गैलन से टकरा गया, जिससे मोमबत्ती उसके हाथ से छूटकर गैलन पर गिर गई। इससे आग लग गई और तीनों झुलस गए। इनमें से एक की मौत दुकान में ही हो गई। इधर, जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी दुकान के मालिक और पुलिस को दी।

झारखंड में नेवी अधिकारी से 96 लाख की साइबर ठगी, तीन गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, रांची

- **साइबर अपराधियों ने वाट्सएप से किया था संपर्क, निवेश राशि को 10 गुणा करने का दिया था प्रलोभन**
- **तीन मई को नेवी अधिकारी ने कराई थी प्राथमिकी, जांच में चीन, जापान और हांगकांड से जुड़े तार**

झारखंड में साइबर अपराध थाने की पुलिस ने रांची निवासी एक नेवी अधिकारी से 96.2 लाख रुपये की साइबर ठगी में एक महिला सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। नेवी अधिकारी का नाम संजीव कुमार है। गिरफ्तार आरोपितों में महाराष्ट्र, बंगाल व रांची की महिला शामिल हैं। साइबर अपराध थाने की पुलिस ने इंडियन साइबर क्राइम को-आर्डिनेशन सेंटर गृह मंत्रालय, क्राइम ब्रांच कोलकाता पुलिस व क्राइम ब्रांच महाराष्ट्र पुलिस के सहयोग से तीनों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से छह मोबाइल, पांच कारपोरेट खाता से लिंक्ड सिमकार्ड, साइबर ठगी से संबंधित वाट्सएप चैट व कारपोरेट खाता से लिंक्ड हस्ताक्षर किए हुए नौ चेकबुक बरामद हुए हैं।

मालूम हो कि नेवी अधिकारी संजीव कुमार ने तीन मई को साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने अपनी शिकायत में लिखा था कि उन्हें वाट्सएप के माध्यम से साइबर अपराधियों ने संपर्क किया था और एक लिंक के माध्यम से मूल राशि को दस गुना करने का प्रलोभन देते हुए 96.2 लाख रुपये का हस्तांतरण करवा लिया। प्राथमिकी के बाद साइबर अपराध थाने की पुलिस ने वाट्सएप चैट व लिंक की छानबीन शुरू की। छानबीन में पता चला कि ठगी में प्रयुक्त फर्जी इंवेस्टमेंट वेबसाइट का आइपी एड्रेस अलीबाबा क्लाउड चीन का पाया गया। इसी तरह पैसे को ट्रांसफर करने में इस्तेमाल किए गए बैंक खाते के ट्रांजेक्शन के आइपी का सर्वर जापान, हांगकांड व चीन में पाया गया। ऐसी घटनाएं अब आए दिन देखने को मिल रही है।

मुंबई में साइबर ठग ने जिला जज से की 50 हजार की ठगी

मुंबई, प्रेट्र: महाराष्ट्र में साइबर ठग ने खुद को हाई कोर्ट का जज बता सोलापुर के जिला जज से 50 हजार की ठगी की। पुलिस ने बताया कि जालसाज ने बांबे हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश की तस्वीर को वाट्सएप डीपी के रूप में इस्तेमाल कर जिला जज से धोखाधड़ी की।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार द्वारा दर्ज एक शिकायत के आधार पर आइपीसी और आइटी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की। उन्होंने कहा कि जिला जज को शुक्रवार को एक फोन नंबर से वाट्सएप पर एक संदेश मिला था, जिसमें डीपी पर हाई कोर्ट के न्यायाधीश की तस्वीर लगी थी। अधिकारी ने कहा कि वह हाई कोर्ट के न्यायाधीश से परिचित थे। संदेश भेजने वाले ने 50 हजार मांगे थे और शाम तक पैसे वापस करने को कहा था। बिना कुछ जांच किये जिला जज ने पैसा भेज दिया, लेकिन उन्हें एक और संदेश मिला, जिसमें उनसे और पैसे मांगे गये थे।

****

महाराष्ट्र केमिकल फैक्ट्री विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हुई

ठाणे, प्रेट्र : महाराष्ट्र के ठाणे स्थित डोंबिवली में केमिकल फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर शनिवार को दस हो गई। राहत एवं बचाव दल ने घटनास्थल से मलबा हटाते समय एक और शव बरामद किया। कल्याण के तहसीलदार सचिन शेजल के अनुसार, बचाव एवं राहत दल को मलबा हटाते समय एक व्यक्ति का जला हुआ शव मिला। मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

घटनास्थल से शरीर के अंग किए गए हैं बरामद, डीएनए परीक्षण से ही सही संख्या का चल सकता है पता

अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट में मरने वाले लोगों की सही संख्या का पता लगाना मुश्किल है, क्योंकि घटनास्थल से शरीर के अंग बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि केवल डीएनए परीक्षण से ही लोगों के मारे जाने की सही संख्या का पता चल सकता है। इस हादसे में 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इनमें से 42 को छुट्टी दे दी गई है। कहा गया है कि शेष 26 घायल विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से 12 आइसीयू में हैं।

डोंबिवली में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआइडीसी) के फेज-दो स्थित अमुदन केमिकल्स में गुरुवार को बायलर में विस्फोट होने के बाद आग लग गई थी। इसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक घायल हो गए थे। इस संबंध में अधिकारियों ने कहा था कि विस्फोट इतना भीषण था कि इससे मकानों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। यही नहीं, आसपास खड़ी कारों और बिजली के खंभे तक क्षतिग्रस्त हो गए। इससे पहले शनिवार को ठाणे जिले की एक अदालत ने केमिकल फैक्ट्री के मालिक मलय मेहता को 29 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। अपराध शाखा की उल्हासनगर इकाई ने जांच हाथ में ले ली है। कल्याण डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) ने कहा है कि फैक्ट्री में हुए विस्फोट के बाद यदि किसी के स्वजन लापता हैं तो वे इसकी जानकारी साझा करें। ए वे नजदीक के सरकारी अस्पताल से संपर्क कर सकते हैं।

पांच सेकेंड में सबकुछ तबाह हो गया : केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट के बाद स्थित बहुत ही भयावह थी। इसमें काम करने वाले कामगार अवधेश कुमार उस भयानक मंजर को याद करते हुए कहते हैं कि पांच सेकेंड में ही सब कुछ तबाह हो गया। देखते ही देखते लोगों के चीथड़े उड़ गए। कुमार के अनुसार, धातु के टुकड़े और मलबा के सभी दिशाओं में उड़ने से अफरातफरी मच गई थी। इस विस्फोट में वह भी घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि अफरा-तफरी के बीच मैंने अपने आसपास के लोगों से मदद मांगी, लेकिन वहां मदद करने वाला कोई नहीं था। सभी अपने को बचाने का प्रयास कर रहे थे।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 26 मई, 2024

दैनिक जागरण

खुशी का पहला उपाय-पुरानी बातों को ज्यादा न सोचें

बदलता कश्मीर

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार हो रहे लोकसभा चुनावों को लेकर यह जिज्ञासा देश में ही नहीं, दुनिया के भी कुछ हिस्सों में थी कि इस केंद्र शासित प्रदेश में चुनावों के प्रति लोगों का कैसा रुझान रहेगा? यह जिज्ञासा कश्मीर घाटी के निर्वाचन क्षेत्रों को लेकर अधिक थी, क्योंकि इसके पहले एक तो सघन सुरक्षा के साए में चुनाव कराने पड़ते थे और दूसरे, तमाम तैयारियों के बावजूद मतदान प्रतिशत अपेक्षा से कहीं कम रहता था। यह उत्साहजनक है कि इस बार तस्वीर बदली हुई नजर आई। घाटी की तीनों लोकसभा सीटों श्रीनगर, बारामुला के बाद अनंतनाग-राजौरी में भी अच्छा-खासा मतदान हुआ। इन तीनों सीटों पर बढ़े हुए मतदान प्रतिशत ने चुनावों में लोगों की कम भागीदारी की आशंका को तो दूर किया ही, इस पर भी मुहर लगाई कि यहां के लोगों का चुनाव प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है। यह भरोसा कश्मीर में लोकतंत्र की जड़ों को और अधिक मजबूत करने का काम करेगा। कश्मीर में लोकतंत्र को मजबूती मिलने का मतलब है यहां के लोगों की राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल होने के प्रति ललक बढ़ना। यह उल्लेखनीय है कि श्रीनगर, बारामुला और अनंतनाग-राजौरी में लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया। कुछ जगह तो राष्ट्रीय औसत के बराबर मतदान देखने को मिला। इस बार चुनाव प्रचार के दौरान भी घाटी में अतिरिक्त उत्साह नजर आया।

इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि कश्मीर में अलगाववादी संगठनों से जुड़े नेताओं और उनके प्रभाव में रहने वाले लोगों ने भी मतदान में हिस्सा लिया। इसका सीधा अर्थ है कि कश्मीर के लोगों में यह संदेश पहुंच चुका है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सेदारी ही उनकी अपेक्षाओं और आशाओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगी। यह एक शुभ संदेश है और इसे देखते हुए जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जाने चाहिए। यह अच्छा हुआ कि गत दिवस मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह कहा कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू होगी। ऐसा किया जाना समय की मांग भी है। निःसंदेह केवल इसलिए नहीं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा है कि इस वर्ष सितंबर के पहले इस राज्य में विधानसभा चुनाव करा लिए जाने चाहिए। विधानसभा चुनाव जितनी जल्दी संभव हो, इसलिए भी कराए जाने चाहिए, ताकि लोकतांत्रिक तौर-तरीकों के प्रति लोगों का भरोसा और अधिक बढ़े और उन्हें चुनी हुई सरकार भी हासिल हो सके। निश्चित रूप से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर और विशेष रूप से अलगाववाद एवं आतंकवाद से पीड़ित रही कश्मीर घाटी का माहौल बदला है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि यहां की स्थितियां पूरी तरह सुधर गई हैं। घाटी में अभी काफी कुछ बदलाव शेष है। यह शेष बदलाव तब अच्छे से पूरा होता हुआ दिखेगा, जब कश्मीरी हिंदू अपने घरों को लौट सकेंगे।

चिंताजनक

इंटरनेट पर गेम खेलते हुए विद्यालय को बम से उड़ाने की धमकी देने के प्रकरण ने एक बार फिर स्मार्ट फोन के बच्चों द्वारा दुरुपयोग और इसे लेकर अभिभावकों की गंभीरता पर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक विद्यालय को ई-मेल पर बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। जांच में जो तथ्य उभरकर आए वह परेशान करने वाले हैं। यह ई-मेल महाराष्ट्र के चार बच्चों ने आनलाइन गेम खेलने के दौरान मिले टास्क को पूरा करने के इरादे से किया था। बच्चों एवं उनके अभिभावकों को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया, लेकिन इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसे लेकर सभी को चिंतित होना चाहिए। अब यह नहीं कहा जा सकता कि बच्चों को स्मार्ट फोन से दूर रखना चाहिए। कोविड काल के बाद यह एक तरह से अनिवार्य बन चुका है। आज 90 प्रतिशत बच्चों के पास स्मार्ट फोन हैं। स्मार्ट फोन के अन्य भी कई लाभ हैं जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता, किंतु बालमन की चंचलता पर अभिभावकों के अंकुश की आवश्यकता को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यह प्रत्येक अभिभावक का कर्तव्य है कि बच्चों एवं किशोरों द्वारा स्मार्ट फोन के प्रयोग की पूरी निगरानी रखे। ऐसे कई गैजेट हैं जो फोन पर बच्चों की गतिविधियों की निगरानी में सहायक हैं। अभिभावक अपने बच्चों को फोन तो दे देते हैं, लेकिन उन पर निगरानी रखने वाले पैरेंटल एप्स की या तो जानकारी ही नहीं रखते या इसे एक अनावश्यक कार्य मानकर दूसरी व्यस्तताओं में खो जाते हैं। अक्सर परिणाम वही होता है जो इस मामले में सामने आया। नियामक एजेंसियों को भी ऐसे आनलाइन गेम्स की पहचान कर सही समय पर प्रतिबंध लगाने की चिंता करनी चाहिए जो दूसरों की परेशानी का कारण बन सकते हैं। पबजी गेम से लेकर आनलाइन गेम डिकोड तक ऐसे कई उदाहरण हैं जो इस आवश्यकता को मुखरता से रेखांकित करते हैं।

बेनकाब हुई तुष्टीकरण की राजनीति

संजय गुप्त

कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले ने इस आरोप को बल प्रदान किया है कि आइएनडीआइए के घटक संविधान विरुद्ध जाकर मजहब के आधार पर आरक्षण दे रहे हैं

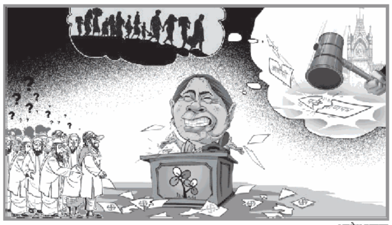

अवधेश राजपूत

ममता बनर्जी सरकार की ओर से 2010 के बाद मुस्लिम जातियों को ओबीसी प्रमाणपत्र देने के निर्णय को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया। हालांकि उसने अपने निर्णय में यह कहा है कि जिन्हें ओबीसी प्रमाणपत्र के जरिये नौकरियां मिल गई हैं, उन पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा, लेकिन उसके निर्णय से करीब पांच लाख लोग प्रभावित होंगे। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता सरकार के निर्णय को मनमाना बताते हुए खारिज किया है। उच्च न्यायालय के फैसले से नाराज ममता बनर्जी राजनीतिक कारणों से यह कह रही हैं कि वह इस फैसले को नहीं मानेंगी, लेकिन यदि उन्हें हाईकोर्ट का फैसला स्वीकार नहीं तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाना होगा। चूंकि यह निर्णय ममता की मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति का परिचायक है, इसलिए इस पर आश्चर्य नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने उन पर राजनीतिक हमला बोल दिया है। मुस्लिम समाज की जातियों को ओबीसी प्रमाण पत्र देने के ममता सरकार के फैसले को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक ऐसे समय निरस्त किया है, जब राज्य में चुनाव हो रहे हैं। स्पष्ट है कि यह निर्णय ममता सरकार के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका है। इसके पहले उन्हें ऐसा ही झटका कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले से भी लगा था, जिसमें उसने 25,000 शिक्षकों एवं स्कूली कर्मचारियों की भर्तियों को निरस्त कर दिया था। हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को थोड़ी राहत दे दी, लेकिन उच्च न्यायालय के उस फैसले ने उनके समक्ष एक राजनीतिक संकट तो खड़ा ही कर दिया। ममता सरकार को उच्च न्यायालय के कुछ और फैसलों से झटका लग चुका है। इसमें एक संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख की ओर से जमीनों पर कब्जा और महिलाओं के प्रति अत्याचार से भी जुड़ा है। इस मामले में ममता सरकार को उच्च न्यायालय की फटकार सुननी पड़ी थी और सर्वोच्च न्यायालय की भी।

ममता सरकार पर मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप तभी से लग रहे हैं जबसे वह सत्ता में आई हैं। बंगाल की राजनीति में मुस्लिम तुष्टीकरण एक प्रमुख मुद्दा रहा है। भाजपा इस तुष्टीकरण को ही एक मुद्दा बनाकर ममता सरकार को घेरती रही है। बंगाल में पहले मुस्लिम समुदाय का तुष्टीकरण कांग्रेस की ओर से किया जाता था, फिर वामदलों की ओर से किया जाने लगा। वामदलों को परास्त कर सत्ता में आईं ममता बनर्जी भी यही काम करने लगीं। 1947 में जब मजहब के आधार पर भारत का विभाजन हुआ, तब पंजाब में तो दोनों छोर की आबादी का एक-दूसरे हिस्से में पलायन हुआ, लेकिन बंगाल में पूर्वी पाकिस्तान अर्थात आज के बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू ही बड़ी संख्या में पलायन कर भारत आए। बंगाल में रहने वाले कुछ ही मुस्लिम नए देश में बसने गए।

बंगाल की सीमा बांग्लादेश से सटी है और सीमांत इलाके ऐसे हैं कि दोनों ओर आवाजाही कहीं अधिक आसान है। इसके चलते बांग्लादेश से बड़ी संख्या में हिंदुओं के साथ मुस्लिम भी बंगाल में आकर बसते रहे। बांग्लादेश से बड़ी संख्या में मुस्लिम बंगाल में भी आकर बसे और असम एवं त्रिपुरा में भी। आज इन तीनों राज्यों में बांग्लादेश से अवैध रूप से आए मुसलमानों की संख्या कितनी है, इसका अनुमान लगाना आसान नहीं। बांग्लादेश से आए मुसलमानों ने मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड और राशन कार्ड आदि बनवा लिए हैं। वे तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले दलों के लिए बड़ा वोट बैंक बन गए हैं। बांग्लादेश से आई मुस्लिम आबादी ने बंगाल के साथ-साथ असम में सामाजिक तानेबाने को बदल दिया है और कई निर्वाचन क्षेत्रों में वे निर्णायक स्थिति में आ गए हैं। इसीलिए उनकी पहचान करने की मांग रह-रहकर होती रही है। मोदी सरकार ने इसी सिलसिले में नागरिकता कानून में संशोधन किया, ताकि बांग्लादेश से आए गैर-मुस्लिम लोगों को देश की नागरिकता दी जा सके।

चूंकि बांग्लादेश से आए मुस्लिम कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और वामदलों के लिए वोट बैंक बन गए हैं, इसीलिए इन दलों ने यह भ्रांति फैलाई कि नागरिकता संशोधन कानून का उद्देश्य भारत के मुसलमानों की नागरिकता छीनना है, जबकि यह कानून नागरिकता छीनने का नहीं, बल्कि देने का है। इसके बावजूद भाजपा विरोधी दल यह वादा करने में लगे हुए हैं कि यदि वे सत्ता में आए तो इस कानून को खत्म कर देंगे। चूंकि बंगाल में करीब 27 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है और बांग्लादेश से सटे कुछ जिले ऐसे हैं, जहां मुस्लिम आबादी 50 प्रतिशत से अधिक है, इसलिए स्वयं को सेक्युलर बताने वाले दल मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। इसी राजनीति के तहत ममता सरकार ने मुस्लिम समाज को ओबीसी आरक्षण का अधिक से अधिक लाभ देने के लिए मनमाने तरीके से अनेक मुस्लिम जातियों को ओबीसी प्रमाण पत्र प्रदान कर दिए। साफ है इससे हिंदू समाज की ओबीसी जातियों के हितों को चोट पहुंची। वोट बैंक की इसी राजनीति के चलते एक समय आंध्र प्रदेश में भी मुस्लिम समाज को आरक्षण प्रदान किया गया। यही काम कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने किया। उसने समस्त मुस्लिम समाज को पिछड़ा मानकर उसे ओबीसी आरक्षण दे दिया। इस पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने आपत्ति जताई और प्रधानमंत्री मोदी लगातार यह कह रहे हैं कि कांग्रेस और उसके नेतृत्व वाला विपक्षी मोर्चा आइएनडीआइए मजहब के आधार पर आरक्षण देने का इरादा रखता है। कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले के बाद राजस्थान सरकार यह पता लगाने जा रही है कि कहीं पिछली कांग्रेस सरकार ने तुष्टीकरण की राजनीति के तहत अनुचित तरीके से मुस्लिम जातियों को तो ओबीसी आरक्षण नहीं प्रदान किया।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले ने भाजपा के इस आरोप को बल प्रदान किया है कि आइएनडीआइए के घटक दल संविधान के विरुद्ध जाकर मजहब के आधार पर आरक्षण दे रहे हैं। यह लोकसभा चुनाव के नतीजे ही बताएंगे कि भाजपा ने मजहब आधारित आरक्षण का मुद्दा उठाकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की जो घेरेबंदी की, उसका उसे कितना लाभ मिलेगा, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि कथित सेक्युलर दल मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करते हैं। मुस्लिम तुष्टीकरण की यह राजनीति भारतीयता के साथ-साथ राष्ट्रीय हितों को चोट पहुंचाने और सीमा पार से अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने वाली भी है।

response@jagran.com

सम्मान मिलेगा खटाखट-खटाखट

हास्य-व्यंग्य

संतोष त्रिवेदी

ऐसे को सम्मानित करने का कोई औचित्य नहीं, जो सम्मान तक ठीक से हजम नहीं कर सकता

कल सुबह ई-मेल खोली तो खुशी के मारे उछलने ही वाला था, पर घुटनों ने साथ नहीं दिया। किसी इनामी संस्था के सचिव का पत्र था। उन्होंने इस वर्ष के सम्मान देने के लिए मुझसे सुझाव मांगे थे। उत्सुकतावश संस्था का परिचय पढ़ने लगा। उसमें साफ लिखा था कि संस्था विगत 40 वर्षों से साहित्य-सेवा में अहर्निश जुटी हुई है। इस दौरान वह अनगिनत लेखकों और कवियों की झोली में सम्मान उड़ेल चुकी है। जो अपने लेखन से साहित्य-जगत में हलचल मचाने में असमर्थ होते हैं, संस्था तन और मन से उनकी सहायता करती है। जिस दिन उन्हें सम्मान दिया जाता है, उस दिन हंगामा मच जाता है। संस्था का दावा था कि उसके द्वारा सम्मानित साहित्यकार हर गली-मुहल्ले में मिल जाएंगे। इस वर्ष उनकी संस्था 21 साहित्यकारों के मन और मान की चाह शांत करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पवित्र कार्य में आपसे सुझाव आमंत्रित हैं। आप अपनी संस्तुति भी दे सकते हैं। हम उस पर उदारतापूर्वक विचारेंगे। पत्र पढ़कर 'फीलगुड' हुआ। इतनी ऐतिहासिक संस्था न केवल सुझाव मांग रही, बल्कि मुझे भी सम्मानित करने का हौसला रखती है।

शहर के साहित्यकारों ने कभी मेरी सुध नहीं ली। जरूर इस साहित्य-सरगना को मुझमें ऐसा कुछ दिखा होगा, जो कभी मुझे नहीं दिखा। मैंने साहित्य-सेवा करने का संकल्प उठा लिया। संस्था-सचिव को कई सुझाव लिख डाले खटाखट-खटाखट। साहित्य की सबसे ज्वलंत समस्या का समाधान करने के लिए आप बधाई के पात्र हैं। बिल्कुल सही जगह आपने संपर्क साधा है। वरना आजकल पता नहीं लोग किस-किस को साध रहे हैं! रही मेरी बात, तो कई सम्मानार्थियों से मेरे वैध संबंध हैं। वे मुझे उठाते हैं, मैं उन्हें। आप नाहक परेशान हो रहे हैं। एक खोजेंगे, 21 मिलेंगे। यह मेरी गारंटी है। अव्वल तो अब आपको 20 ही खोजने हैं। मैं आपके प्यार भरे अनुग्रह को इन्कार नहीं कर सकता। आपके पास जो भी संस्तुति आए, ध्यान से देखना कि उसे पहले कोई सम्मान मिला है कि नहीं। अगर नहीं मिला तो फिर रिस्क न लें। हो सकता है, उसे इसीलिए न मिला हो कि सम्मान देने वालों का वह लिहाज न करता हो। साहित्यिक-गैंगस्टर को साहित्यकार न मानता हो। ऐसे लोगों को सम्मान बांटना कुल्हाड़ी पर पैर मारना है। वह संस्था का असली उद्देश्य उजागर कर सकता है। ऐसे को सम्मानित करने का कोई औचित्य नहीं, जो सम्मान तक ठीक से हजम नहीं कर सकता। इससे बेहतर है, अपने गैंग का विस्तार करें। सम्मानार्थी को वाट्सअप ग्रुप का सक्रिय सदस्य होना अनिवार्य हो। परिवारदार आदमी हो तो सोने पर सुहागा।

अब दूसरे पहलू पर ज्यादा गौर करिए। जिसके परिचय में जितने ज्यादा सम्मान हों, उन्हें वरीयता दें। इनके मुंह में सम्मान लगा होता है। नहीं मिलने पर और खूंखार हो उठते हैं। पक्षपात का आरोप और लगाएंगे। गोष्ठियों में ये अपने लेखन को छोड़कर लिफाफे और शाल पर गर्व करते हैं। अगर भूखे-नंगों को सम्मान दोगे तो बड़ी थू-थू होगी। मेरी बात और है। मैं आलरेडी सम्मान-हीन हूं। साहित्य के लिए पूरा जीवन होम कर चुका हूं। बस, सम्मान पाने भर के लिए प्राण अटके हैं। बिना अपने हिस्से का सम्मान लिए संसार नहीं छोड़ूंगा! हां, बाकियों के बारे में थोड़ा सतर्कता बरतना। सब मेरे जैसे नहीं हैं। सम्मान न पाने पर गैंग और ग्रुप से भी भाग सकते हैं। संस्था चलानी है तो सहेजना और समेटना सीखिए। ईमानदारी से सरकार तक नहीं बचती, संस्था कैसे बचेगी! सभी सम्मानप्राप्त लोगों की सूची बना लें। सम्मान की टोपी इन्हीं के इर्द-गिर्द घूमनी चाहिए। इनसे सहयोग वसूला जाए, ताकि संस्था के साथ इनका 'परमानेंट बांड' स्थापित हो सके। समय-समय पर 'बांड' कैश भी कराते रहें!

response@jagran.com

तथ्य-कथ्य

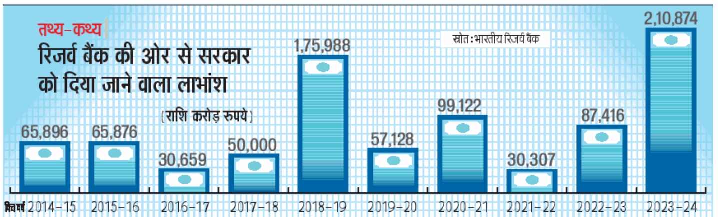

ऊर्जा

शब्द संकोच

मनुष्य की कामनाएं अंतहीन हैं और समय कम। वह दिन-रात परिश्रम कर अपने लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है। समय उसके लिए सर्वाधिक मूल्यवान हो गया है। इस स्थिति ने उसकी कथन और श्रवण शक्ति को प्रभावित किया है। शब्द उसके लिए बोझ बन गए हैं। अत्यधिक व्यस्त मनुष्य कथन से अधिक संकेतों में विश्वास रखने लगा है। सुनने में भी वह तभी रुचि लेता है जब स्वहित में आवश्यक हो अथवा करने को कुछ न हो। शब्दों का संकोच आभिजात्य का प्रतीक हो गया है। शब्द वर्षा की तरह हैं। वर्षा खेत को हरा-भरा कर देती है। अधिक वर्षा बाढ़ बन कर खेत को ही बहा ले जाती है। शब्दों का प्रयोग भी ऐसा ही है। विवेक सम्मत शब्द हृदय को स्पंदित करते हैं। शब्दों का प्रवाह कब अनर्गल हो दुखदाई बन जाए यह एक कठिन आकलन होता है। आज का समय वाक् पटुता का नहीं, वाक् सिद्धि का है। शब्दों को सिद्ध करने में ही सुख है।

लगभग हर भाषा में ऐसे शब्द होते हैं, जिनका प्रयोग एक पूरे वाक्य का विकल्प होता है। ऐसे शब्दों का चयन कर उन्हें अपने कथन का अंग बनाया जाना श्रेयस्कर होगा। लेखन में भी ऐसे शब्दों का प्रयोग अनावश्यक विस्तार के दोष से बचाने वाला है। अपने मनोभावों के संप्रेषण में शब्दों पर अतिरिक्त निर्भरता से बचना चाहिए। अधिक शब्द नहीं, उपयुक्त शब्द प्रभाव डालते हैं। गागर में सागर भरना साहित्य की एक विलक्षण विधा थी। दो पंक्तियों के दोहे में विस्तृत दर्शन सिमट आता था। आज शब्दों का अराजक मेला-ठेला है, जो जीवन को असहज कर रहा है। इसका निदान सक्षम शब्द ही हैं।

श्रेष्ठ शब्दों के चयन में प्रमुख भूमिका मनुष्य के चिंतन के स्तर की होती है। जैसे अमृत की एक बूंद अमरत्व प्रदान करने वाली है। वैसे ही श्रेष्ठ और सक्षम शब्द आनंद से भरपूर करने वाले हैं।

डा. सत्येंद्र पाल सिंह

टर्ब्युलेंस की चपेट में विमान

मुकुल व्यास

टर्ब्युलेंस की घटना हवा के अनियमित प्रवाह के कारण होती है, जिससे यात्रियों को अचानक तगड़े झटके लगते हैं

विमान यात्रियों के लिए वायुमंडलीय अस्थिरता के कारण टर्ब्युलेंस यानी हवा में हिचकोले खाने की घटनाएं घातक हो सकती हैं। पिछले दिनों लंदन से सिंगापुर जाने वाली सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट में तीव्र टर्ब्युलेंस की घटना के कारण एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई और कई अन्य बुरी तरह घायल हो गए। टर्ब्युलेंस की घटना हवा के अनियमित प्रवाह के कारण होती है, जिससे यात्रियों और चालक दल को अचानक तगड़े झटके लगते हैं। एयर टर्ब्युलेंस की घटना कहीं भी हो सकती है, लेकिन कुछ वायु मार्गों पर इसके घटित होने की आशंका ज्यादा रहती है। टर्ब्युलेंस वाले अधिकांश मार्ग पहाड़ों के करीब से गुजरते हैं।

जलवायु परिवर्तन से एयर टर्ब्युलेंस की घटनाएं बढ़ने और इनके और अधिक तीव्र होने की आशंका है। शोध से संकेत मिलता है कि पिछले कुछ दशकों में टर्ब्युलेंस के मामले बढ़ गए हैं। यदि कोई विमान दूसरे विमान के पीछे उड़ान भर रहा है या उतर रहा है तो पहले विमान के इंजन और पंख के सिरों द्वारा उत्पन्न हवा पीछे वाले विमान के लिए टर्ब्युलेंस का कारण बन सकती है। हवाई अड्डे के पास के क्षेत्र से गुजरने वाली तेज हवाओं के कारण एयर टर्ब्युलेंस की घटना हो सकती है। अधिक ऊंचाई पर विमान यदि किसी अन्य विमान के करीब उड़ रहा हो या तूफान की चपेट में आया हो तो भी टर्ब्युलेंस की घटना घट सकती है। एयर टर्ब्युलेंस की घटना अधिक ऊंचाई पर भी होती है। इसे 'क्लियर एयर टर्ब्युलेंस' कहते हैं। यह अक्सर गर्म हवा के ठंडी हवा की तरफ बढ़ने के कारण होती है।

टर्ब्युलेंस की घटनाएं अक्सर जेट स्ट्रीम के किनारों पर होती हैं। जेट स्ट्रीम दरअसल दुनिया भर में ऊंचाई पर चक्कर लगाने वाली तेज हवाओं की पतली पट्टियां हैं। गति बढ़ाने के लिए विमान कई बार जेट स्ट्रीम में यात्रा करते हैं, लेकिन जेट स्ट्रीम में प्रवेश करते या छोड़ते समय टर्ब्युलेंस की घटना हो सकती है। पिछले साल प्रकाशित एक अध्ययन में 1979 और 2020 के बीच क्लियर एयर टर्ब्युलेंस में बड़ी वृद्धि का प्रमाण मिला। कुछ स्थानों पर गंभीर टर्ब्युलेंस में 55 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई। कुछ जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के तहत, 2050 तक क्लियर एयर टर्ब्युलेंस में चार गुना वृद्धि हो सकती है। टर्ब्युलेंस का पता लगाने की तकनीक अभी भी अनुसंधान और विकास के चरण में है। इसलिए पायलट अपने उड़ान पथ से ठीक पहले उच्च स्तर की नमी वाले मौसम से बचने की कोशिश करते हैं। संभव है एयरलाइंस विमानों और यात्रियों पर टर्ब्युलेंस के प्रभाव को कम करने के लिए प्रयास करेंगी, लेकिन हवाई यात्रियों के लिए यह संदेश है कि वे सीट बेल्ट बांधने के निर्देश की अनदेखी न करें।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

राजरंग

प्रोटोकाल की चिंता

चुनावी मौसम में सियासत का माहौल संसद के बाहर जरूर गरम है मगर इस दरम्यान संसद भवन परिसर में नए सांसदों के स्वागत-सत्कार की तैयारियां अब तेज हो चुकी हैं। नए सांसदों के ठहरने की व्यवस्था से लेकर उनके ओरिएंटेशन जैसे कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इन सबके बीच उनकी व्यवस्था और प्रोटोकाल से जुड़े अधिकारियों की चिंता इस बात को लेकर है कि माननीयों को कैसे सहज रखा जाएगा। दरअसल इसकी वजह है कि संसद की सुरक्षा सेवा के अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका अब अंदरूनी सुरक्षा में भी नगण्य हो गई है। बाहरी तथा भीतरी सुरक्षा, दोनों का जिम्मा पिछले दिनों केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआइएसएफ ने संभाल लिया। चिंता इसे लेकर है कि सीआइएसएफ के अधिकारियों-जवानों को चूंकि सांसदों की सुरक्षा प्रोटोकाल के पालन का अनुभव नहीं है, लिहाजा किसी तरह की सख्ती असहज स्थिति पैदा कर सकती है। वे अधिकांश सांसदों को पहचानते भी नहीं होंगे। इसे देखते हुए प्रोटोकाल से जुड़े अधिकारियों को फिलहाल नए माननीयों के स्वागत-सत्कार के दौरान सीआइएसएफ की मदद के लिए तैनात रखने की तैयारी है।

घरेलू झगड़े में हथकंडे

पति-पत्नी के झगड़े में एक-दूसरे को परेशान करने की जितनी शिद्दत दिखाई देती है वह शायद कहीं न मिले। पिछले दिनों शीर्ष अदालत में भी पति-पत्नी के विवाद से संबंधित एक मामले को एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करने की मांग पर सुनवाई चल रही थी। तभी माननीय न्यायाधीश का ध्यान इस पर गया कि पति रहता दिल्ली में है और उसने केस राजस्थान में दाखिल कर रखा है। न्यायाधीश महोदय ने पति के वकील से इसको लेकर सवाल किया? वकील का जवाब था कि ऐसा इसलिए कि वह मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। इस पर जज साहब ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर वह पाकिस्तान से होगा तो क्या मुकदमा दाखिल करने लाहौर जाएगा?

नो कूल पीरियड

आम चुनाव के दौर में वैसे तो सभी मंत्रालयों में सौ दिनों का एजेंडा तैयार हो रहा है, लेकिन एक ऐसा मंत्रालय भी है जहां के अधिकारी चुनाव के कूल पीरियड का कोई आनंद नहीं ले पा रहे हैं। यह मंत्रालय है वित्त मंत्रालय। वजह है कि सरकार चाहे जिस पार्टी की बने, पर नई सरकार में वित्त मंत्रालय पर चालू वित्त वर्ष के लिए पूर्ण बजट पेश करने की जिम्मेदारी होगी। जुलाई के पहले 10 दिनों में आम बजट पेश किया जा सकता है। शेष कई मंत्रालयों के अधिकारी करीब सप्ताह-दो सप्ताह की छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं मगर वित्त मंत्रालय के अफसर नार्थ ब्लाक से बाहर नहीं निकल पा रहे।

एकतरफा सियासी प्यार

राजनीति में दल, दिल और पाला बदलने का चलन पुराना है, लेकिन एक ही चुनाव में कोई नेता किसी दल के प्रत्याशी का विरोध करे और उसी दल के किसी अन्य प्रत्याशी का समर्थन तो उसकी चाल को समझना इतना आसान नहीं है। बिहार के बाहुबली नेता पप्पू यादव को कांग्रेस से टिकट की दावेदारी में तेजस्वी यादव ने पेच फंसाकर बेटिकट कर दिया। तब पप्पू ने तेजस्वी की राजनीति को बर्बाद करने की शपथ ली, लेकिन अब वही पप्पू सारण से राजद के टिकट पर चुनाव लड़ रहीं रोहिणी आचार्य एवं पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र की प्रत्याशी मीसा भारती के समर्थन में उतर आए हैं। यहां तक कि कांग्रेस के शीर्ष नेता एवं प्रत्याशी राहुल गांधी का भी प्रचार पप्पू रायबरेली जाकर कर आए हैं। लालू परिवार के प्रति पप्पू यादव के इस प्रेम को लोग समझ नहीं पा रहे हैं, क्योंकि पूर्णिया से निर्दलीय लड़ रहे पप्पू को हराने के लिए तेजस्वी यादव ने कोई कसर नहीं छोड़ी। खुद भी कैंप किया और अपने दल के 40 विधायकों को भी लगा रखा था। फिर भी पप्पू का लालू यादव के परिवार से इतना एकतरफा प्यार हैरान करता है।

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक- स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक- संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

11 वर्षों से भी अधिक समय तक अंडमान निकोबार की सेलुलर जेल में रखा था विनायक दामोदर सावरकर को ब्रिटिश सरकार ने। इसके अलावा, लगभग तीन वर्षों तक उन्हें रत्नागिरी जेल में और 13 वर्षों तक घर में नजरबंद रखा गया था।

आजकल

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

नैरेटिव गढ़ने का खोखला प्रयास

भारत और भारतीय संस्कृति की व्याख्या करते हुए अब तक अनेक पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं। नए-नए संदर्भों के साथ इस विषय पर लिखी जाने वाली पुस्तकें आज भी पठनीय हैं, जिस कारण व्यापक शोध के उपरांत अनेक लेखक इस विषय पर लिखते हैं। परंतु चुनाव के समय यदि कोई ऐसी पुस्तक प्रकाशित हो, जिसमें भारतीय संस्कृति से संबंधित तमाम तथ्यों के साथ छेड़छाड़ की गई हो, तो ऐसा किसी के पक्ष में नैरेटिव गढ़ने के लिए किया जाना ही कहा जाएगा

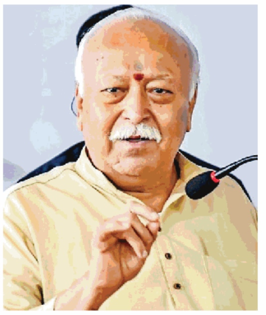

मोहन भागवत। फाइल

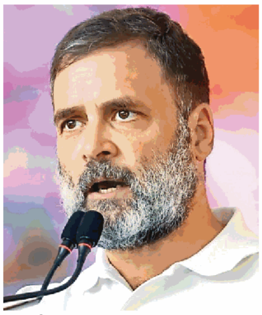

राहुल गांधी। फाइल

लोकसभा चुनाव के छह चरण संपन्न हो चुके हैं। एक चरण का मतदान शेष है। पिछले छह चरणों के चुनाव प्रचार के दौरान विभिन्न तरीकों का उपयोग किया गया। नेताओं के भाषणों और रोड शो के अलावा इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म्स पर तकनीक का उपयोग करते हुए चुनाव प्रचार किया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का दुरुपयोग भी हुआ। मतदाताओं के बीच नैरेटिव बनाने का प्रयास भी हुआ। नैरेटिव बनाने में अकादमिक जगत से जुड़े लोग भी सक्रिय दिखे। चुनाव के दौरान पुस्तकें आईं। उन पर चर्चा हुई। चुनाव के दौरान नैरेटिव बनाने का यह वैश्विक तरीका है। अमेरिका में जब राष्ट्रपति का चुनाव होता है तो उस दौरान उम्मीदवारों या उनकी पार्टी या विचारधारा को केंद्र में रखकर पुस्तकें प्रकाशित होती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों से हमारे देश में भी इस प्रवृत्ति ने जोर पकड़ा है। हिंदी प्रकाशन जगत इस मामले में थोड़ा पीछे है, पर अंग्रेजी में यह प्रवृत्ति हर चुनाव में देखी जा सकती है। विधानसभा के चुनावों में भी पुस्तकों के माध्यम से नैरेटिव गढ़ने का प्रयत्न होता रहा है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के समय भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को केंद्र में रखकर एक लेख को विस्तारित रूप देकर प्रकाशित करवाया गया था। उसमें रामचंद्र गुहा और योगेंद्र यादव की भी टिप्पणी थी। पुस्तक थी- आरएसएस, द लांग एंड शार्ट आफ इट। लेखक हैं देवारुण महादेव। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तथ्यहीन आलोचना है।

लोकसभा चुनाव के समय भी एक पुस्तक आई है- इंडियन फिलासफी, इंडियन रिवोल्यूशन आन कास्ट एंड पालिटिक्स। लेखक हैं- दिव्या द्विवेदी और शाज मोहन। दिव्या द्विवेदी इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (आइआइटी) दिल्ली में दर्शनशास्त्र की एसोसिएट प्रोफेसर हैं। सह लेखक के परिचय में उन्हें दार्शनिक बताया गया है। पुस्तक लेखों का संग्रह है जो वर्ष 2016 से 2023 के बीच लिखे गए हैं। पुस्तक का परिचय यह कहकर दिया गया है कि इन सात वर्षों में भारत में लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रकृति को विकृत किया गया। जाति आधारित व्यवस्था गाढ़ी हुई। लेखकों का मानना है कि भारत में हिंदू राष्ट्रवाद और धार्मिक अल्पसंख्यकवाद के बीच राजनीति नहीं हो रही है। इस देश की राजनीति को उन्होंने जाति के आधार पर व्याख्यायित करने का प्रयास किया है। इस प्रयास में उन्होंने कई जगह जानबूझकर तथ्यों की न केवल अनदेखी की, बल्कि कुछ तथ्यों को गढ़ने का प्रयास भी किया। अपने तर्कों को तथ्य बनाने के चक्कर में उन्होंने समकालीन भारतीय राजनीति के उन उदाहरणों को लिया, जिसका प्रयोग विपक्षी दलों के नेता चुनावी नारे के तौर पर कर रहे हैं। एक जगह कहा गया कि आज के दौर में भारत पर हिंदू राष्ट्रवादियों का शासन है जो देश के सेक्युलर संविधान को बदलने और इसको हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। राहुल गांधी यह बात कर रहे हैं। दार्शनिक होने का दावा करनेवाले लेखक यह भूल गए कि संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर शब्द कैसे जोड़ा गया था। कई बार ये इतिहास में गए हैं, लेकिन जब सेक्युलर शब्द और संविधान पर अपनी धारणा थोपते हैं तो अतीत में जाने से बचते हैं।

एक और तथ्यहीन व्याख्या जिसका आधार जुवेनाइल तर्क हैं। लेखकद्वय का मानना है कि इंडिया तो हाल का नाम है। इसको वे इंडस या सिंधु नदी के बिगाड़ से उपजे शब्द तौर पर रेखांकित करते हैं। उससे ही हिंदू बनाते हैं। फिर उस आधार पर हिंदू धर्म को अपेक्षाकृत नया धर्म करार देते हैं। दोनों लेखक बेहद चतुराई से इंडस और इंडिया का सहारा लेते हुए हिंदू तक पहुंचते हैं, लेकिन भारत पर नहीं जाते हैं। लेखकगण अगर भारत नाम पर जाते तो इनको ऋग्वेद और विष्णु पुराण तक जाना पड़ता। फिर इस पुस्तक का लेखन आधार खत्म हो जाता। अगर ये भारतीय दर्शन के अध्येता हैं तो इन्हें यह पता होना चाहिए कि विष्णु पुराण में एक श्लोक है, उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्। वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः। यानी समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में जो भूमि स्थित है उसे भारत भूमि कहते हैं और इस पवित्र भारत भूमि पर निवास करनेवाले सभी को भारतीय कहते हैं। इस एक श्लोक को ही अगर लेखक समझ लेते तो इस दोषपूर्ण निष्कर्ष का शिकार न होते। लेकिन वे तो भारत को अंतरराष्ट्रीय विद्वान (?) वेंडि डोनिगर और शेल्डन पालक के लेखन से समझते हैं। विष्णु पुराण और ऋग्वेद की बात की जाए तो संभवतः लेखक इन्हें ब्राह्मणवाद की उपज बता खारिज कर दें।

एक बेहद हास्यास्पद अध्याय इस पुस्तक में है जिसका नाम है- द मीनिंग आफ क्राइम्स अगेंस्ट मुस्लिम्स इन इंडिया। इस अध्याय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को देश में शासन कर रही भाजपा का पैरेंट आर्गेनाइजेशन बताया गया है। यहां तक तो किसी हद तक स्वीकार भी किया जा सकता है, लेकिन आगे वे संघ को अर्धसैनिक संगठन (पैरामिलिट्री) कहकर संबोधित करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि इन्हें न तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में पता है और न ही अर्धसैनिक संगठन की प्रकृति के बारे में। अन्यथा वे इस तरह की बातें नहीं करते। अगर वे संघ प्रमुख मोहन भागवत के भाषणों का ही अध्ययन कर लेते तो उनके ज्ञानचक्षु खुल सकते थे।

एक और दोषपूर्ण धारणा इस पुस्तक में देखने को मिली जिसमें भारतीय समाज में व्याप्त वर्ण व्यवस्था को यहां के निवासियों की त्वचा के रंग के आधार पर देखा गया है। अंग्रेजी के शब्द अपार्थाइड का उपयोग वर्ण व्यवस्था को समझाने के लिए किया गया है। यह ठीक है कि भारतीय समाज में पहले वर्ण व्यवस्था थी जो आगे चलकर जातियों में विभक्त हो गई। वर्ण व्यवस्था को समझने के लिए अगर ये भारत रत्न पी. वी. काणे को ही पढ़ लेते तो कम से कम सही बात तो कर सकते थे।

इस पुस्तक के लेखों को अंतरराष्ट्रीय पाठकों को ध्यान में रखकर लिखा गया है। इसमें उन घटनाओं और वक्तव्यों को उद्धृत किया गया है जो लेखकों की धारणा को पुष्ट करती हैं। जाति और वर्ण का घालमेल, हिंदू शब्द की उत्पत्ति, हिंदू-मुसलमान संघर्ष, दलितों और मुस्लिमों पर अत्याचार, हिंदू राष्ट्र, पंथनिरपेक्षता, संविधान बदलने का प्रयास, लोकतांत्रिक संस्थाओं का हनन जैसे शब्दों का उपयोग इस पुस्तक की मंशा को संदिग्ध करती है। अगर सही मायने में लेखकगण दार्शनिक हैं तो उन्हें भारत को भारतीय ग्रंथों के आधार पर समझने का प्रयास करना चाहिए था। पौराणिक ग्रंथों के निहितार्थों को समझते। संस्कृत में लिखी अवधारणाओं को समझने के लिए यदि आपको अंग्रेजी अनुवाद का सहारा लेना पड़ता है तो आपके सामने निष्कर्ण दोषपूर्ण होंगे। संभव है कि विदेश में उनकी इन अवधारणाओं के पाठक हों, हमारे देश में रहनेवाले चंद लोगों को उनकी यह पुस्तक पसंद आए, लेकिन भारतीय मानस इतना परिपक्व हो चुका है कि वह इस तरह की बातों को गंभीरता से नहीं लेगा। चुनाव के समय इस तरह की पुस्तक का आना, जिसमें परोक्ष रूप से जातिभेद को गाढा करने का प्रयास हो, ऐसा प्रतीत होता है कि यह एक विचारधारा विशेष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है।

खरी खरी

ईवीएम पर विलाप

रेखा शाह आरबी

हमारे देश में चुनाव से पहले और चुनाव के कुछ समय बाद तक उठा-पटक और भांति-भांति के बोल बचन सुनने के बाद भी यदि कोई चीज याद रह जाती है, तो वह ईवीएम है। वस्तुतः हारने और जीतने वाले दोनों ही प्रत्याशी चुनाव तक ही लाइमलाइट में रहते हैं। लेकिन एक ईवीएम ही है जो चुनाव शुरू होने से लेकर उसके बाद भी लंबे समय तक चर्चा में रहती है। हर कोई सोचता होगा कि नाम मिले तो ईवीएम जैसा। बदनामी भी अपरंपार और नेकनामी भी अपरंपार। ईवीएम की माला कुछ पार उतरने के लिए भी और डूबने के बाद इज्जत बचाने के लिए भी जपते हैं। ईवीएम आज ईवीएम न होकर नेताओं के दरवाजे का पर्दा हो चुकी है, जो उनकी इज्जत ढक-छिपा कर रखती है। वरना अब तक कितने माननीय की इज्जत तार-तार हो जाती। उनके विरोधी उन्हें चिढ़ाते रहते। लेकिन सब कुछ ईवीएम के माथे मढ़कर अपनी लाज को बचा ले जाते हैं।

चुनाव से निपटने के बाद स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखी हुई बहुत सारी ईवीएम एक दूसरे से फुर्सत से बतिया रही थीं। सब अपने अपने क्षेत्र के माननीयों के कच्चे चिट्ठे खोल रही थीं। एक ने पूछा, 'बहन, यह बताओ कि तुम्हारे यहां के मतदाता कैसे थे? मतदान कैसा रहा? मैं तो जहां गई थी, वहां के मतदाता घोर काहिल थे। इतना जरूरी काम, उसे भी करने में उन लोगों की कोई दिलचस्पी नहीं थी। केवल 55 प्रतिशत मतदान ही हुआ वहां पर, जबकि इंटरनेट मीडिया पर बहुत सारे लोग ज्ञान देते रहते हैं कि अपना वोट डालन जरूर जाएं।'

दूसरी ईवीएम बोली, 'हां बहन, मेरे यहां के मतदाता तो और भी निकम्मे थे। केवल 45 प्रतिशत मतदाता ही घर से निकल पाए वोट देने के लिए। जो सजग थे वे तो वोट के लिए निकले, लेकिन उन निकम्मों का क्या किया जाए, जिनके लिए चुनाव कोई मायने ही नहीं रखता और उन लोगों की अरुचि के कारण यदि गलत प्रत्याशी जीतता है और उनके क्षेत्र में कुछ गलत होता है, तब छाती पीट कर रोते हैं।'

वहां रखी सारी ईवीएम एक दूसरे का हाल-चाल पूछने में व्यस्त थीं। आखिर क्या करें। वहीं पर दूर एक कोने में एक ईवीएम घुटनों में सिर डाले सिसकियां भर रही थी। उसके रोने से सारी ईवीएम सकपका गईं और सबने एक ही स्वर में पूछा, 'क्या हुआ बहन, तुम क्यों रो रही हो? मात्र चुनाव के समय ही तो हम लोग बाहर निकलते हैं, एक दूसरे से मिलते जुलते हैं, एक दूसरे से दुख-सुख साझा करते हैं, जनता को उनका मनचाहा उम्मीदवार जिताने में साधन बनते हैं और ऐसी शुभ घड़ी में तुम क्यों रो रही हो।'

रो रही ईवीएम बोली, 'क्या तुम लोगों को अंदाजा है कि चुनाव परिणाम आने के बाद क्या होगा? इसीलिए इतनी निश्चिंत और सहज व खुश होकर बात कर रही हो, लेकिन मैं चुनाव परिणाम के बाद की स्थिति के बारे में सोचकर रो रही हूं। चुनाव के बाद जो जीतेगा वह हमारी जय जयकार करेगा और जो हार जाएगा वह अपने कर्मों का ठीकरा हमारे सिर पर फोड़कर हम पर उंगलियां उठाएगा, जबकि हमलोग थोड़े न कहने जाते हैं कि नहीं आप अलाना और फलाना उम्मीदवार को चुनिए।'

एक बूढ़ी ईवीएम बोली, 'बेटी, रो मत, मैं तो कितने साल से नेताओं की बातें सुनते आ रही हूं। जब जीतते हैं तो खुश होते हैं और हारते हैं तो गाली देते हैं। तुम उन सजग मतदाताओं के बारे में सोचो, न कि इन घाघ नेताओं के बारे में सोच कर स्वयं को दुखी करो।' यह बात सुनकर रोने वाली ईवीएम समझ तो गई, फिर भी उसका दिल स्वीकार नहीं कर रहा है। अपने देश के कई माननीयों के तरह ही।

(लेखिका व्यंग्यकार हैं)

पोस्ट

हरियाणा के निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद का हार्ट अटैक से निधन हो गया। कैंसर और हार्ट अटैक अब दोनों बहुत सामान्य हो गए हैं। सरकारें तो कुछ करने से रहीं। आप ही अपना ध्यान रख लीजिए। डाक्टरों के अनुसार गर्मी में डिहाइड्रेशन भी हार्ट अटैक का कारण बनता है।
कुमार अंशुमान@anshumanscribe

सभी राज्यों/बड़े जिलों में सीबीआइ जैसी एक अपनी प्रतिबद्ध जांच इकाई होनी चाहिए, ताकि वह केवल जांच पर ध्यान देकर उसकी गुणवत्ता बढ़ा सके। कोई भी गंभीर अपराध घटित होने पर सीबीआइ जांच की मांग करना अनुचित है, खासतौर पर तब जब पुलिस राज्यों का विषय है।
आरके विज@ipsvijrk

इन दिनों देखा जा रहा है कि राजनीतिक और धार्मिक मुद्दों को लेकर कुछ लोग झगड़ कर दोस्ती तोड़ रहे हैं। याद रखें मुश्किल समय में ये मित्र ही आपके काम आएंगे, न कि राजनीतिक दल। सरकारें तो आती-जाती रहती हैं, लेकिन दोस्त हमेशा रहते हैं।
हर्ष गोयनका@hvgoenka

रिस्क लेने से मत डरें। हो सकता है, यही रिस्क एक दिन आपकी पूरी जिंदगी बदल दे। रजत शर्मा@RajatSharmaLive

हिंदू-मुस्लिम मत करो, इससे माहौल बिगड़ता है। पंडित, ठाकुर, बनिया, एससी, एसटी, ओबीसी करते रहो, इससे माहौल में मिठास भरी रहती है।
सुधीर@seriousfunnyguy

रचनाकर्म

सावरकर का समग्र आकलन

मनीष त्रिपाठी

इतिहासकारों एवं राजनीतिक विश्लेषकों के लिए विनायक दामोदर सावरकर एक स्थायी असुविधा हैं। भारतीय स्वाधीनता संग्राम का आकलन करते हुए आप उनके साथ बीच का कोई रास्ता नहीं निकाल सकते हैं। वे आपको यह अवसर भी नहीं देते कि आप ऐसा करने की कोशिश करते हुए लेशमात्र निष्पक्ष ही दिख जाएं। मित्र और शत्रु की स्पष्ट विचारधारा वाले सावरकर इसका कोई विकल्प ही नहीं छोड़ते, वहां तो आर या पार की स्थिति है। आपको या तो पूरी तरह उनके साथ खड़ा होना होगा या विपक्ष के पाले में जाना होगा। कुरुक्षेत्र के श्रीकृष्ण की तरह वे अपने विराट वैचारिक व्यक्तित्व में नायक भी हैं, प्रतिनायक भी और यह इस पर निर्भर करता है कि स्वयं आप युद्धरेखा के किस तरफ हैं। यथा दृष्टि-तथा सृष्टि के भाव से यह अंतर केवल देखने वाले की दृष्टि और दृष्टिकोण का है।

राजनीतिशास्त्र के विद्वान कमलाकान्त त्रिपाठी द्वारा लिखित पुस्तक 'विनायक दामोदर सावरकर : नायक बनाम प्रतिनायक' उन्हें लेकर वैचारिकी के इसी संघर्ष को सामने लाती है। यह पुस्तक अपनी प्रवृत्ति में किसी सरस शोधग्रंथ के सन्निकट है। लेखक ने इसे छह अध्यायों क्रमशः क्रांति, यातना, हिंदू-संगठन, हिंदू महासभा, भारत विभाजन तथा समापन में विभेदित किया है। पुनः ये अध्याय कई उप अध्यायों में विभाजित हैं। क्रांति पर्व 28 मई, 1883 को सावरकर के जन्म से प्रारंभ होते हुए देश-समाज की परिस्थितियों, तत्कालीन महाराष्ट्र में प्लेग उन्मूलन के नाम पर ब्रिटिश दमन चक्र और चापेकर बंधुओं के आत्मोत्सर्ग से बालक सावरकर के क्रांति उत्प्रेरण को प्रकाशित करते हुए विपरीत परिस्थितियों में आगे बढ़ने, लंदन में अध्ययन के लिए जाकर विप्लव के बीज बोने और अंततः ब्रिटिश सरकार द्वारा उन्हें अत्यंत खतरनाक क्रांतिकारी के रूप में गिरफ्तार कर काला पानी की सजा के लिए अंडमान की अमानवीय परिस्थितियों में समुद्र यात्रा तक विस्तृत है। इस क्रांतियज्ञ की समिधा स्वरूप उनके स्वजनों को यातना, दंड एवं उनके साथ ही आजीवन कारावास का भी इसमें समुचित उल्लेख है। दूसरे अध्याय यातना में सेल्युलर जेल में अत्याचार तथा सजा से आंशिक राहत के लिए वहां चल रहे कुचक्रों यथा इस्लाम में मतांतरण के लिए दुष्प्रेरण का सिहरा देने वाला वर्णन है। वास्तव में इसी बिंदु पर सावरकर का प्रखर सनातन व्यक्तित्व सूर्य की भांति दैदीप्यमान होता है और यह प्रश्न भी कि स्वाधीनता का यह संघर्ष किस हेतु है? क्या वीरों का यह आत्मोत्सर्ग भारत के गौरव व स्वातंत्र्य देवी की आराधना का महायज्ञ है या इसका परिणाम ब्रिटिश आततायियों से सत्ता छीनकर इस्लामिक आक्रांताओं को थाली में परोस देने से अधिक कुछ नहीं होगा? अन्य अध्याय इसी संदर्भ में सावरकर के वीर सावरकर में परिवर्तन व तत्कालीन स्वार्थपूर्ण राजनीतिक संघर्षों तथा अत्यंत लोकप्रिय रूप से प्रचलित अहिंसा, तुष्टीकरण आदि विचारधाराओं के आवरण को छिन्न-भिन्न करते हुए उन्हें प्रखर नायक के रूप में स्थापित करते हैं और यह स्थापना भी करते हैं कि उन्हें प्रतिनायक सिद्ध करने का प्रयास क्यों किया जाता है।

यह पुस्तक स्वाधीनता संग्राम में वीर विनायक दामोदर सावरकर के समग्र योगदान और उनकी वैचारिकी को शोधपूर्ण ढंग से सामने रखती है तथा यह स्थापना भी करती है कि उन्हें प्रतिनायक सिद्ध करने का कुचक्र क्यों रचा जाता है...

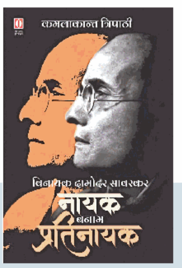

पुस्तक : विनायक दामोदर सावरकर : नायक बनाम प्रतिनायक
लेखक : कमलाकान्त त्रिपाठी
प्रकाशक : किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
मूल्य : 895 रुपये

तर्क की भूमि पर सुदृढ़ रूप से स्थापित इस पुस्तक के लेखन में कमलाकान्त त्रिपाठी ने पूर्व प्रकाशित ग्रंथों, दस्तावेजों तथा समाचार पत्र अभिलेखों का यथोचित रूप से संदर्भ लिया है, जो इसे निस्संदेह प्रामाणिक बनाते हैं। वास्तव में इस पुस्तक को सावरकर को जानने-समझने की 'मास्टर की' के रूप में नहीं, अपितु चाबियों के उस बड़े गुच्छे की तरह देखा जाना चाहिए, जो उनके व्यक्तित्व एवं विचारधारा की विभिन्न खिड़कियों को खोलता है। यही इसका सौंदर्य, सार्थकता और सार भी है।

क्रांति के अग्रदूत की कथा

प्रणव सिरोही

भले ही षड्यंत्रों के कितने ही कुचक्र क्यों न रचे जाएं, लेकिन संघर्ष की अग्नि में निखरे किसी महानायक की आभा समय आने पर चमकती अवश्य है। स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर ऐसे ही एक महानायक हैं। उनकी विरासत को कतिपय राजनीतिक कारणों से अपने ही देश में लंबे समय तक उपेक्षा का शिकार होना पड़ा। अच्छी बात है कि पिछले कुछ समय से उन्हें अपेक्षित पहचान एवं सम्मान दिए जाने के प्रयास देखने को मिले हैं। इसी कड़ी में एक नाम डा. केसी अजयकुमार का भी जुड़ गया है, जिन्होंने सावरकर की जीवन गाथा को एक उपन्यास के रूप में प्रस्तुत किया है।

जीवनगाथा को उपन्यास के रूप में ढालने से रचनाकार को कुछ स्वतंत्रता मिल जाती है कि वह कई प्रसंगों पर उस प्रकार कलम चला सकता है, जिस पर किसी प्रकार की पर्दादारी या मौन की अवस्था होती है। अजयकुमार ने इसी सहूलियत का भरपूर लाभ उठाते हुए सावरकर के अंतर्मन में झांकने का प्रयास किया है। सावरकर का घटना प्रधान जीवन भी जीवनी को उपन्यास के रूप में रूपांतरित करने में सहायक हुआ है। बीसवीं सदी के प्रारंभ से देश को स्वतंत्रता मिलने तक की अनेक घटनाओं के सावरकर न केवल साक्षी, बल्कि सहभागी भी रहे। इसमें पुणे, अंडमान, रत्नागिरी से मुंबई तक तमाम ऐसे स्थानों के इर्दगिर्द कथा का तानाबाना बुना है, जो सावरकर के संघर्ष के अलग-अलग कालखंडों में पड़ाव बने थे।

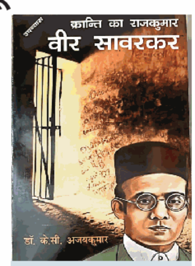

पुस्तक : क्रांति का राजकुमार : वीर सावरकर
लेखक : डा. के. सी. अजयकुमार
प्रकाशक : संजय प्रकाशन
मूल्य : 695 रुपये

एक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि भाषाई रूप से आग्रही व्यक्ति, हिंदुत्व, राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्यीकरण जैसे प्रमुख बिंदुओं के आधार पर भी सावरकर के दृष्टिकोण एवं व्यक्तित्व को इसमें प्रस्तुत किया गया है। सावरकर के दृष्टिकोण की अनुभूति कराने के साथ ही यह पुस्तक इतिहास के छिपे हुए पन्नों को भी खोलने का प्रयास करती है।

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या वार्ता को तैयार नक्सलियों से बातचीत की जानी चाहिए?

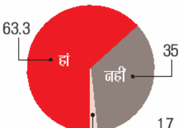

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या गौतम गंभीर टीम इंडिया का कोच बनने के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार हैं?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

हाथी निकला रह गई अब तो केवल पूँछ,
लाल बुझक्कड़ आजकल रहे परिस्थिति बूझ।
रहे परिस्थिति बूझ ज्ञान का खोल पिटारा,
जैसे हर मतपत्र छपा इनके ही द्वारा!
यही लोग कल जाय बनेंगे उनके साथी,
जाकर जिनके द्वार बंधे सत्ता का हाथी!!
- ओमप्रकाश तिवारी

यतीन्द्र मिश्र

मेरे हृदय के सुनहरे स्वप्न सुनो

पुरातन काल से भारतवर्ष में पुरुष प्रधान व्यवस्था रही है। इस व्यवस्था में समय के साथ कई कुरीतियों ने अपनी जगह बना ली। स्त्रियों के अधिकारों व उनके उत्थान को पितृसत्तात्मक समाज के द्वारा धर्म, नैतिकता, परिवार, मर्यादा, रुढ़िवादी मान्यताओं आदि के नाम पर विवशता की बेड़ियों में जकड़ दिया गया। हम भूल गए कि स्त्री और पुरुष एक-दूसरे के पूरक हैं। अकेली स्त्री या अकेले पुरुष से न तो सृजन संभव है, न समाज-निर्माण और न ही परिवार की स्थापना। औपनिवेशिक शासन के कठिन दौर में जब महिलाओं को साथ लेकर चलना समय की मांग थी और पुरानी अतार्किक परंपराओं, टोटकों और रूढ़िवादी मान्यताओं को इतिहास के कूड़ेदान में फेंकने का समय था, उस समय भी इस ओर कोई कारगर कदम नहीं उठाए गए। उस काल में अगर स्त्रियां आगे बढ़ीं, तो यह उनका व्यक्तिगत जुनून और साहस ही था, जिसने उन्हें विकट परिस्थितियों और छद्म धारणाओं से बगावत कर मुख्यधारा में आने के लिए प्रेरित किया।

ये स्त्रियां पुरुषों के साथ खड़ी तो दिखाई देती हैं, बावजूद इसके समाज में इनकी चर्चा न के बराबर है। इन्होंने इतिहास तो रचा, पर साथ ही विस्मृत कर दी गईं। इतिहासपरक बौद्धिक लेखन के लिए विख्यात राजगोपाल सिंह वर्मा की 'औपनिवेशिक भारत की जुनूनी महिलाएं' वर्ष 1750 के बाद 200 साल के इतिहास की कुछ ऐसी ही महिलाओं की जीवन-गाथा का संकलन है, जिन्होंने धर्म, संप्रदाय और जाति-बंधनों से परे जाकर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जन-आंदोलनों में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया और ब्रिटिश हुकूमत के लिए चुनौती बनकर सामने आईं। इन नायिकाओं ने अपने समय की उपेक्षित महिलाओं की आवाज बुलंद करने के लिए जो प्रयास किए, इन प्रयासों में वे किस हद तक सफल हो पाईं, पुस्तक इन सभी पहलुओं को समग्रता से उजागर करती है।

लेखक द्वारा रखमाबाई राउत, चंद्रमुखी बसु, कामिनी राय, बेगम रुकैया सखावत हुसैन, अन्ना चांडी, भीकाजी कामा से लेकर रानी चेन्नम्मा, भीमाबाई होलकर, रानी ईश्वरी कुमारी तक कुल 25 विलक्षण महिलाओं के जीवन-चरित्र के माध्यम से इन सभी के संघर्ष, योगदान और उपलब्धियों को सहेजने का काम शोध और तथ्यपरकता के साथ किया गया है। रखमाबाई राउत ने बाल-विवाह की कुप्रथा के खिलाफ अथाह संघर्ष किया। गुड्डे-गुड़ियों के खेल से लेकर अदालत तक के उनके जीवन के संघर्ष को लेखक ने बड़ी कुशलता से उभारा है। रखमाबाई राउत को भारत में कानूनन तलाक लेने वाली पहली महिला और औपनिवेशिक भारत की पहली महिला चिकित्सक का दर्जा भी हासिल है। कामिनी राय औपनिवेशिक भारत में स्नातक की परीक्षा पास करने वाली पहली महिलाओं में से एक बनीं। उन्होंने अपनी कविताओं के जरिये महिलाओं को उनके अधिकारों के लिए जागरूक किया और उन्हें मतदान का अधिकार दिलाने के लिए लंबा आंदोलन चलाया, जिसके परिणामस्वरूप सरकार को उनकी मांगें माननी पड़ीं। 'निर्मला', 'अंबा', 'पौराणिकी' जैसे काव्य-ग्रंथों की रचयिता बांग्ला कवयित्री और नारीवादी महिला कामिनी राय की स्मृति में कही जाने वाली पंक्ति कुछ इस प्रकार है, 'क्यों एक महिला अपने घर की चहारदीवारी में कैद रहे और समाज में अपने अधिकारपूर्ण उपयुक्त स्थान को हासिल न करे?' रवींद्रनाथ टैगोर की बड़ी बहन स्वर्णकुमारी देवी भारत की पहली महिला पत्रकार के रूप में अमर हैं। बांग्ला और अंग्रेजी भाषा के साहित्यिक और वैज्ञानिक लेखन के अलावा समाजसेवा उनका जुनून था।

वर्ष 1857 की क्रांति के दौरान सिकंदर बाग (लखनऊ) में धड़ाधड़ गोलियां चलाती ऊदा देवी को लोकगीतों में आज भी याद किया जाता है, लेकिन इतिहास में उनके बलिदान को उचित सम्मान नहीं मिला। भारत की पहली महिला न्यायाधीश अन्ना चांडी, स्वतंत्रता सेनानी के साथ भारत की पहली महिला कैबिनेट मंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री अमृत कौर, वर्ष 1907 में पहली बार भारत के ध्वज को विदेश (जर्मनी) में फहराने वाली भीकाजी जैसी तमाम तेजस्वी स्त्रियों का जीवन हर एक भारतवासी के लिए प्रेणादायी है। कल्पना दत्त, बीना दास और प्रीतिलता वादेकर का नाम भारत की सबसे साहसी महिला क्रांतिकारियों में शुमार है। कित्तूर राज्य की रानी चेन्नम्मा का अंग्रेजों की हड़प नीति के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष अविस्मरणीय है। चक्रवर्ती यशवंतराव होलकर की पुत्री भीमाबाई होलकर ने ब्रिटिश हुकूमत से युद्ध किया और इंदौर पर कब्जा नहीं होने दिया। कहते हैं कि वर्ष 1858 के युद्ध में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की प्रेरणास्रोत भीमाबाई ही थीं। पुस्तक ऐसी ही कई बहादुर शूरवीर स्त्रियों की वीर-गाथा से सुसज्जित है।

इस अद्वितीय संकलन का एक उद्देश्य इन जुनूनी महिलाओं को नमन कर उनसे प्रेणा प्राप्त करना भी है, जिन्होंने लहरों के खिलाफ जाकर दरिया को पार किया। परतंत्रता के अंधेरे काल में खुद राह बनाई और भविष्य के लिए महिलाओं की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया। रचनाकार राजगोपाल सिंह वर्मा ने इस ऐतिहासिक कथेतर गद्य को प्रामाणिक ढंग से पठनीय बनाया है, जो उनके अध्ययन विस्तार को भी सूक्ष्मता से रेखांकित करता है। इस अध्ययन में किस्सागोई का समावेश भी काबिलेतारीफ है। एक संग्रहणीय दस्तावेजी आख्यान।

यह एक ऐसा संकलन है जिसका उद्देश्य देश को परतंत्रता की बेड़ियों से निकालने में योगदान देने वाली जुनूनी महिलाओं को नमन कर उनसे प्रेरणा प्राप्त करना है, जिन्होंने लहरों के विरुद्ध जाकर दरिया को पार किया...

पुस्तक : औपनिवेशिक भारत की जुनूनी महिलाएं
लेखक : राजगोपाल सिंह वर्मा
प्रकाशक : सेतु प्रकाशन प्रा. लि. नोएडा
मूल्य : 399 रुपये

****

वायकाम18 व स्टार इंडिया के विलय की मंजूरी मांगी

नई दिल्ली : दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वायकाम18 और स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विलय को लेकर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआइ) से मंजूरी मांगी है। दोनों कंपनियों के बीच 8.5 अरब डालर में विलय समझौता हुआ है। स्टार इंडिया वाल्ट डिज्नी कंपनी की सब्सिडियरी है। रिलायंस और वाल्ट डिज्नी ने इसी वर्ष फरवरी में इस विलय की घोषणा की थी। (प्रेट्र)

संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए भारत को प्रत्येक जिला स्तर पर आर्थिक इंजन की आवश्यकता है। इसी से स्थानीय स्तर पर समृद्धि आएगी।
– श्रीधर वेम्बू, सीईओ, जोहो

फार्मास्यूटिकल्स निर्यात में भारत के लिए बड़ी संभावना

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय दवा का निर्यात करीब 10 प्रतिशत बढ़ा, अमेरिका बड़ा खरीदार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : इलेक्ट्रानिक्स के बाद फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र का निर्यात प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है। पांच साल पहले वित्त वर्ष 2018-19 में फार्मा निर्यात 13 अरब डालर था जो वित्त वर्ष 2023-24 में 27.9 अरब डालर हो गया है। बीते वर्ष कुल वस्तु निर्यात में तीन प्रतिशत की गिरावट के बावजूद फार्मा निर्यात में 9.67 प्रतिशत का इजाफा रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में भी फार्मा निर्यात में दहाई अंक में बढ़ोतरी हुई थी। सबसे बड़ी बात है कि अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, रूस जैसे विकसित देश सबसे अधिक भारतीय दवा खरीद रहे हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में अकेले अमेरिका ने भारत से 7.83 अरब डालर की दवा का आयात किया। भारत मुख्य रूप से जेनेरिक दवाइयों का निर्यात करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में इलेक्ट्रानिक्स निर्यात में 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है।

इंडियन ड्रग मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन (इडमा) के कार्यकारी निदेशक अशोक मदान के मुताबिक, अब भारतीय दवा की गुणवत्ता बढ़ती जा रही है और कोरोना काल में भारत ने 200 से अधिक देशों को वैक्सीन व दवा मुहैया कराने का काम किया। इससे हमारे लिए निर्यात बाजार तैयार हो गया। अब हम सूडान, मिस्त्र, ब्रूनेई, लातविया, हैती, इथोपिया जैसे देशों को फार्मा निर्यात कर रहे हैं। हालांकि, वैश्विक स्तर पर फार्मा का निर्यात बाजार 1.7 लाख करोड़ डालर का है और इस लिहाज से भारत की हिस्सेदारी मामूली है। लेकिन बढ़ोतरी दर को देखते हुए वर्ष 2030 तक फार्मा निर्यात 50 अरब डालर के स्तर को छू लेगा। हिमाचल ड्रग मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी सतीश सिंघल के मुताबिक, भारत की दवा सस्ती के साथ गुणवत्ता वाली भी है। यूरोप में बनने वाली दवा भारत की तुलना में 25-30 प्रतिशत अधिक महंगी होती है। हालांकि, अब भी चीन की तरह हमारे यहां बहुत बड़ी मात्रा में एक साथ उत्पादन की क्षमता स्थापित नहीं हुई है और चीन के फार्मा उत्पाद भारत की तुलना में सस्ते होते हैं।

27.9 अरब डालर की भारतीय दवाओं का निर्यात हुआ पिछले वित्त वर्ष में

1.7 लाख करोड़ डालर का है वैश्विक स्तर पर फार्मा का निर्यात बाजार

- यूरोप के मुकाबले भारत की दवा 25-30% तक सस्ती
- पीएलआइ से कच्चे माल का उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली

दो-तीन वर्षों से मेडिकल उपकरण निर्यात बढ़ा

मेडिकल उपकरणों निर्यात में भी पिछले दो-तीन सालों से 12-15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि, अभी मेडिकल उपकरणों का आयात अधिक हो रहा है और पिछले साल यह आयात 60,000 करोड़ रुपये रहा है। एसोसिएशन आफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री के संयोजक राजीव नाथ ने बताया कि मेडिकल क्षेत्र से जुड़े डिस्पोजेबल और आर्थोपेडिक उत्पाद, सिरिंज, निडल, ग्लब्स जैसे कई उत्पादों के मामले में भारत का वैश्विक बाजारों में बोलबाला है। सरकार ने मेडिकल उपकरणों का उत्पादन बढ़ाने के लिए नीति की घोषणा की है। इस पर अमल से मेडिकल उपकरण का आयात कम होने के साथ निर्यात भी बढ़ेगा।

पीएलआइ से कच्चे माल के आयात में कम वृद्धि

वर्ष 2020 में कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद फार्मा क्षेत्र में कच्चे माल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआइ) योजना लांच की थी। इसी का नतीजा है कि अब फार्मा से जुड़े कच्चे माल के आयात में अति मामूली बढ़ोतरी हो रही है। 40 से अधिक कंपनियां पीएलआइ योजना के तहत फार्मा क्षेत्र के लिए कच्चे माल का उत्पादन शुरू कर चुकी है या जल्द ही करने वाली है। ये कंपनियां अफ्रीका के कई देशों में फार्मा के कच्चे माल का निर्यात भी कर रही है। दवा क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि पीएलआइ योजना की मदद से कच्चे माल के आयात में गिरावट का दौर शुरू होने में अभी दो-तीन साल और लगेंगे।

2024-25 के लिए लागत महंगाई सूचकांक जारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : आयकर विभाग ने लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ की गणना को लेकर चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लागत महंगाई सूचकांक (सीआइआइ) अधिसूचित कर दिया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की एक अधिसूचना के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लागत महंगाई सूचकांक 363 है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए यह 348 और 2022-23 के लिए 331 था।

लागत महंगाई सूचकांक का उपयोग करदाताओं द्वारा महंगाई को समायोजित करने के बाद पूंजीगत संपत्तियों की बिक्री से होने वाले लाभ की गणना करने के लिए किया जाता है। मूर सिंघी के कार्यकारी निदेशक रजत मोहन ने कहा कि सीआइआइ अर्थव्यवस्था में महंगाई को दर्शाता है, जिससे समय के साथ वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ती हैं। उन्होंने कहा कि करदाता आमतौर पर उच्च सीआइआइ को पसंद करते हैं, क्योंकि इससे उन्हें बड़ी कर छूट का दावा करने में मदद मिलती है।

एक दिन बनाम कई साल

कुछ दिन पहले एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि चार जून को जब चुनावी नतीजे आएंगे तो शेयर बाजार नए रिकार्ड बनाएगा। अब, ट्रेडरों की एक खास नस्ल जो जगत-प्रसिद्ध 'टिप पर जिंदा रहती है, उसने इस टिप को खुशी-खुशी लपक लिया है। इतना ही नहीं, बहुत से लोग जो स्टाक निवेश में दिलचस्पी रखने वाले नए निवेशकों के लिए कहा जा सकता है कि वो अचानक जाग गए हैं। मेरा एक मित्र निवेश शुरू करने की गाइडेंस तलाश रहा है और ठान कर बैठा है कि जितना भी हो सके, उतना निवेश उसे किसी भी तरह तीन जून से पहले करना है।

धीरेंद्र कुमार, संपादक, धनक डाट काम

बोनस

ये हास्यास्पद है कि कैसे एक बयान इतना उन्माद पैदा कर सकता है। अचानक, हर किसी के भीतर का वारेन बफे फूट-फूट कर बाहर आ रहा है। यहां तक कि एक शख्स जिसने कभी शेयर बाजार की तरफ देखा भी नहीं होगा, आज एक उत्साही प्रशंसक बना हुआ है। दरअसल, उत्साह एक ऐसा भाव है जिसकी तुलना छूत के रोग से करना गलत नहीं होगा। ये याद रखना चाहिए कि निवेश कोई फर्राटा दौड़ नहीं है। ये एक मैराथन जैसा है जहां धीमा और स्थिर मन वाला व्यक्ति अक्सर खेल जीत जाता है। असल में, ये रवैया मुझे 1997 में शेयरधारकों को लिखे बफे के पत्र की बात याद दिलाता है। 'एक छोटा क्विजः अगर आप जीवन भर हैमबर्गर खाने का प्लान बनाते हैं और पशु पालक नहीं हैं, तो क्या आपको मीट के लिए ज्यादा कीमत की इच्छा करनी चाहिए या कम की? इसी तरह, अगर आप अक्सर कार खरीदते हैं लेकिन आटो निर्माता नहीं हैं, तो क्या आपको कार की ऊंची कीमतें पसंद आनी चाहिए या कम? बिना शक, ये सवाल अपना जवाब खुद दे देते हैं। लेकिन अब आखिरी परीक्षाः अगर आप अगले पांच साल के दौरान सिर्फ बचत करने वाले हैं, तो क्या आपको इस अवधि में शेयर बाजार के ऊंचे स्तर की उम्मीद करनी चाहिए या निचले? कई निवेशक इसे गलत तरीके से समझते हैं। भले ही वे आने वाले कई साल तक शेयरों को सिर्फ खरीदेंगे। जब स्टाक की कीमतें बढ़ती हैं तो वे खुश होते हैं और गिरावट में मायूस हो जाते हैं। असल में, वे खुश हैं क्योंकि 'हैमबर्गर' की कीमतें बढ़ गई हैं जिन्हें वे जल्द ही खरीदेंगे। ऐसी प्रतिक्रिया का कोई मतलब नहीं है।' बफे की अक्लमंदी एक छोटा सा रिमाइंडर है कि लंबे समय का नजरिया ही मायने रखता है। अगर आप अभी खरीदने और पांच जून को बेचने का प्लान कर रहे हैं, तो हां, ये रवैया समझ में आता है। इसलिए, भले ही चार जून के आसपास की चर्चा रोमांचक हो सकती है, लेकिन महत्वपूर्ण तो ये है कि हम अपने निवेश के लक्ष्यों को वास्तविकता के धरातल पर टिकाए रखें और मार्केट के छोटी अवधि के आकलन से प्रभावित न हों। ये समझना भी अहम है कि शेयर बाजार पर तमाम फैक्टर असर कर सकते हैं, जिसमें सिर्फ राजनीतिक घटनाएं ही नहीं बल्कि आर्थिक कारण, वैश्विक बाजार के रुझानों के साथ-साथ और भी बहुत कुछ शामिल हो सकता है।

असल में, पिछले कुछ साल भारतीय इक्विटी निवेशक के लिए अद्भुत रहे हैं और अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहे, तो भविष्य को लेकर हर निवेशक का ये अति-उत्साह पूरी तरह से जायज है। हालांकि, 'भविष्य' कोई खास दिन, या कोई एक हफ्ता या कोई एक महीना नहीं है। असल में, ये कई साल और कई दशकों में फैला हुआ है। टिकाऊ और फायेदमंद निवेश की यात्रा में, कड़ी मेहनत से नहीं बचना ही सही रहता है। एक अच्छी तरह से सोची-समझी रणनीति बनाएं, निवेश को सावधानी से चुनें, अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाएं और बाजार के उतार-चढ़ावों के बीच धैर्य को अपना साथी बनाएं।

घरेलू इक्विटी बाजारों में विदेशी निवेशकों ने की मजबूत वापसी

- एफआइआइ ने बीते सप्ताह सिर्फ 1,165 करोड़ के शेयर बेचे
- मई में डेट बाजारों में 2,009 का निवेश कर बने शुद्ध खरीदार

मुंबई, आइएएनएस : विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआइआइ) ने बीते सप्ताह घरेलू इक्विटी बाजारों में मजबूती वापसी की है। इस कारण ही सप्ताह के दौरान बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स ने 75,418 का नया सर्वकालिक उच्च स्तर बनाया। वहीं, एनएसई के निफ्टी ने कारोबार के दौरान पहली बार 23 हजार का आंकड़ा पार किया।

बीते सप्ताह एफआइआइ ने सिर्फ 1,165 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। यह हाल के कुछ सप्ताहों में सबसे कम बिकवाली है। इससे पता चलता है कि विदेशी निवेशक घरेलू बाजारों में लौट आए हैं। इस अवधि में घरेलू निवेशकों ने बाजार में 6,977 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, चुनावी स्थिति एक बार फिर धीरे-धीरे सत्तारूढ़ सरकार के पक्ष में बदल रही है। इससे एफआइआइ की बड़े पैमाने पर बिक्री बंद हो गई है और वे हाल के दिनों में खरीदार भी बन गए हैं। जैसे-जैसे चुनाव के मोर्चे पर स्पष्टता आएगी, एफआइआइ भारत में खरीदारी बढ़ा सकते हैं। इसका कारण यह है कि वे चुनाव बाद की तेजी से चूकने का जोखिम नहीं उठा सकते। विशेषज्ञों के अनुसार, चुनाव परिणामों से पहले भी शेयर बाजारों में तेजी आ सकती है।

डिपाजिटरी के डाटा के अनुसार, मई में एफआइआइ की कुल बिकवाली घटकर अब 22,046 करोड़ रुपये रह गई है जो 18 मई को समाप्त सप्ताह में 28,242 करोड़ रुपये थी। मई में अब तक डेट बाजारों में एफपीआइ शुद्ध खरीदार बन गए हैं और अब तक 2,009 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं।

गो फर्स्ट को खरीदने से पीछे हटी बिजी बी

नई दिल्ली, प्रेट्र : बिजी बी एयरवेज दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही विमानन कंपनी गो फर्स्ट को खरीदने की दौड़ से पीछे हट गई है। कंपनी ने करीब तीन महीने पहले स्पाइसजेट प्रमुख अजय सिंह के साथ मिलकर निविदा जमा की थी। बिजी बी में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले ईजमाईट्रिप के सीईओ निशांत पिट्टी ने शनिवार को इसकी घोषणा की।

एक बयान में पिट्टी ने कहा कि विचार विमर्श के बाद व्यक्तिगत क्षमता में गो फर्स्ट के लिए लगाई गई बोली वापस लेने का फैसला किया गया है। यह निर्णय मुझे अन्य रणनीतिक प्राथमिकताओं और पहलों पर बेहतर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा, जो हमारी दीर्घकालिक दृष्टि और वृद्धि उद्देश्यों के साथ जुड़ी हुई हैं। फिलहाल यह पता नहीं चला है कि बिजी बी एयरवेज के बाहर हो जाने के बाद संयुक्त बोली लगाने वाले अजय सिंह बोली लगाएंगे या नहीं। एनसीएलटी ने गो फर्स्ट की दिवालिया प्रक्रिया को पूरा करने के लिए तीन जून तक समय दिया है।

74% लोगों को आय में वृद्धि की उम्मीद

- द ग्रेट इंडियन वालेट अध्ययन में सामने आई जानकारी
- 2023 में बेंगलुरु-हैदराबाद में सबसे ज्यादा आय बढ़ी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सालाना 2-5 लाख रुपये कमाने वाले 74 प्रतिशत निम्न मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को अगले वर्ष आय में वृद्धि की उम्मीद है। 66 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने उम्मीद जताई है कि आने वाले वर्ष में वे अधिक बचत व निवेश करने में सक्षम होंगे। आर्थिक गतिविधियों में तेजी और भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती को देखते हुए उपभोक्ताओं ने यह उम्मीद जताई है। होम क्रेडिट इंडिया की तरफ से द ग्रेट इंडियन वालेट नामक वित्तीय अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। होम क्रेडिट इंडिया विभिन्न देशों में उपभोक्ता लोन देने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी से जुड़ी है।

अध्ययन में पाया गया कि वर्तमान स्थिति और भविष्य की धारणा दोनों ही संदर्भ में शहरी और अर्ध-शहरी उपभोक्ताओं के बीच वित्तीय कल्याण सूचकांक में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। 52 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष में उनकी आय में वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में महानगरों में निम्न मध्यम वर्ग की व्यक्तिगत औसत आय 35 हजार रुपये तो टियर 1 व टियर 2 में व्यक्तिगत औसत मासिक आय 33 हजार रुपये है। 2023 में महानगरों में निम्न मध्यम वर्ग की व्यक्तिगत औसत मासिक आय 33 हजार, टियर-1 में 30 हजार तो टियर-2 शहर में 27 हजार रुपये थी। आय में सबसे अधिक बढ़ोतरी बेंगलुरु और हैदराबाद में देखी गई है।

सर्वे में पाया गया कि एक औसत निम्न मध्यवर्गीय परिवार अपनी कमाई का 26 प्रतिशत किराने पर तो 21 प्रतिशत किराये पर खर्च करता है। उनके मनोरंजन में स्थानीय शहर की यात्रा, दर्शनीय स्थल पर जाना, बाहर जाकर खाना और सिनेमा देखना मुख्य रूप से शामिल हैं। 53 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने बताया कि यूपीआइ पर क्रेडिट मिलने से समय की बचत होती है, जो ऋण प्रक्रिया को सरल बनाता है। 31 प्रतिशत उपभोक्ताओं का यह भी मानना है कि यूपीआइ पर क्रेडिट सुविधा से कर्ज के जाल में फंसने की संभावना अधिक है। 66 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने बताया कि अगर सरकार यूपीआइ सेवा पर कोई शुल्क लगाती है तो वे इसकी सेवा बंद कर देंगे।

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

मिजोरम में हथियारों की तस्करी करनेवाला गिरफ्तार

नई दिल्ली : एनआइए ने पूर्वोत्तर के राज्यों में हथियार, गोलाबारूद और विस्फोटकों की तस्करी करने में संलिप्त एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एनआइए ने मिजोरम के आइजल जिले में शनिवार को दो गन शाप समेत छह स्थानों की गहन तलाशी ली। तलाशी में बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, गोलियां, डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज आदि बरामद हुए जिसके बाद सोलोमोना उर्फ हमिंगा को गिरफ्तार किया गया। (प्रेट्र)

मुंबई-सैन फ्रांसिस्को उड़ान 25 घंटे देरी से हुई रवाना

मुंबई : मुंबई से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान कई कारणों से अत्यधिक देरी के बाद शनिवार शाम को रवाना हुई। यह उड़ान शुक्रवार को शाम चार बजे होने वाली थी, लेकिन कई कारणों से इसमें 25 घंटे से अधिक की देरी हुई। एक अधिकारी के अनुसार, विमान को पहले शनिवार सुबह उड़ान भरना था, लेकिन आखिरकार यह शाम साढ़े पांच बजे के आसपास सैन फ्रांसिस्को के लिए रवाना हो सकी। यात्रियों की संख्या के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। इससे पहले शुक्रवार को यात्रियों को विमान के अंदर पांच घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा था। (प्रेट्र)

कैरीबैग में पंजाबी की जगह लिखाया इस्लामिक बाजार

मथुरा : एक दुकानदार ने कैरीबैग छपवाकर उस पर पंजाबी बाजार की जगह इस्लामिक बाजार लिखवा दिया। इससे व्यापारियों में आक्रोश फैल गया। व्यापारियों ने चौकी पुलिस को सूचना दी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। मामला इंटरनेट मीडिया में छाने पर दबाव बना तो पुलिस ने दुकानदार व उसके नौकर को हिरासत में ले लिया। बाद में शांतिभंग की कार्रवाई करते हुए दुकानदार को जेल भेज दिया गया। कोसीकलां के पंजाबी बाजार में ट्रेड नेवर एंड्स के नाम से वाहिद कुरैशी की रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान है। शनिवार को वहां के दुकानदारों ने पुलिस प्रशासन से शिकायत की कि वाहिद कुरैशी ने दुकान का प्रचार-प्रसार करने व सामान रखने वाले कैरीबैग पर पंजाबी बाजार के नाम को बदलकर इस्लामिक बाजार छपवाया है। (जासं)

छत्तीसगढ़ में बेमेतरा की बारूद फैक्ट्री में विस्फोट, एक की मौत, छह घायल

नईदुनिया, बेमेतरा

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में शनिवार को विस्फोटक बनाने वाली फैक्ट्री स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड में हुए भीषण धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि छह लोग घायल हो गए। विस्फोट कितना तेज था इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि घटनास्थल पर 40 फुट गहरा गड्ढा हो गया है। घटनास्थल से बचाव दल को मानव शरीर के अंग भी मिले हैं। इससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। राज्य सरकार ने घटना की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। विस्फोट में घायल हुए लोगों को रायपुर के डा. बीआर आंबेडकर मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। जहां एक को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि दो को रायपुर एम्स में स्थानांतरित किया गया है। राज्य के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने घटनास्थल का दौरा किया है। साव ने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और जिला प्रशासन की टीमों ने बचाव अभियान शुरू किया गया है और घटनास्थल से मलबा हटाया जा रहा है। इसके बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। मृतकों के परिजनों को पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी, जबकि घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। उनके इलाज का खर्च भी सरकार उठाएगी।

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में शनिवार को बारूद फैक्ट्री में विस्फोट के बाद उठता धुआं। एएनआइ

दो मंजिला इमारत ढही : बेमेतरा के पड़ोसी जिले दुर्ग से आई एसडीआरएफ टीम के प्रभारी ईश्वर खरे ने बताया कि विस्फोट स्थल पर बचाव अभियान चल रहा है। फैक्ट्री में हुए धमाके से दो मंजिला इमारत ढह गई। कुछ लोग मलबे में फंसे हो सकते हैं, उनकी तलाश जारी है। मलबे में मानव शरीर के कुछ हिस्से मिले हैं। पूरा मलबा हटाए जाने के बाद विस्तृत जानकारी मिल सकेगी।

कई लोग लापता : फैक्ट्री के पास स्थित गांव बोरसी के निवासी राजकुमार यादव ने बताया कि उनका बेटा फैक्ट्री में काम करता था। जो विस्फोट के बाद से लापता है। इसके साथ ही कई अन्य लोगों के स्वजन फैक्ट्री के सामने डटे हुए हैं।

गौरव और नितिन बने डांस दीवाने- 4 के विजेता

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई : लगभग चार महीने तक कलर्स चैनल पर चले डांस रियलिटी शो डांस दीवाने-4 को गौरव शर्मा और नितिन एनजे की जोड़ी ने जीत लिया है। 22 साल के गौरव दिल्ली से हैं, वहीं 19 साल के नितिन बेंगलुरु से हैं। दोनों ने टाप- 6 में शामिल पांच जोड़ियों को हराकर इस शो की ट्राफी और 20 लाख की इनामी धनराशि जीत ली है।

शो में सुपरहीरो परफार्म के नाम से प्रसिद्ध इस जोड़ी को शो के जज सुनील शेट्टी और माधुरी दीक्षित ने ट्राफी दी। दैनिक जागरण से बातचीत में गौरव ने कहा कि इस इनामी धनराशि का उपयोग मैं उस लोन को चुकाने के लिए करूंगा, जो मेरे पिता ने फिनाले से पहले मेरी होर्डिंग दिल्ली में लगवाने के लिए उठाया था। द जो पैसे बचेंगे, उनको संभालकर रखूंगा, क्योंकि मुझे आगे जो करना है, उसमें पैसों की जरूरत होगी। मैं डांस सिखाना चाहता हूं। जो डांस से प्यार करते हैं, उन्हें प्रेरित करना चाहता हूं कि वह इस क्षेत्र में आगे बढ़ें।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में 2006 तक हुए भू-अधिग्रहण को रखा बरकरार

- शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को किया रद
- डीडीए, डीएसआइआइडीसी व डीएमआरसी ने किया था अधिग्रहण

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 1957 से 2006 के बीच दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं बुनियादी ढांचा विकास निगम (डीएसआइआइडीसी) और दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) द्वारा किए गए भूमि अधिग्रहण को बरकरार रखा है।

दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के नियोजित विकास के लिए भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 के तहत भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू की थी। ऐसी अधिग्रहण प्रक्रियाओं के लाभार्थी डीडीए, डीएसआइआइडीसी और डीएमआरसी जैसी विभिन्न राज्य संस्थाएं थीं, जिन्हें आवास योजनाओं, औद्योगिक क्षेत्रों, फ्लाईओवर और दिल्ली मेट्रो जैसी विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि की आवश्यकता थी।

शीर्ष अदालत ने कहा, "तदनुसार, 1957-2006 की लंबी अवधि में इन जमीनों को प्राप्त करने के लिए 1894 अधिनियम की धारा चार और छह के तहत विभिन्न अधिसूचनाएं जारी की गईं और 1894 अधिनियम की धारा 11 के तहत मुआवजा तय करते हुए आदेश पारित किए गए।" जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने 17 मई को दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को रद कर दिया, जिसमें 'भूमि अधिग्रहण पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013' की धारा 24(2) के संदर्भ में अधिग्रहण की कार्यवाही को समाप्त घोषित कर दिया था।

लखनऊ में सेवानिवृत्त आइएएस के घर लूटपाट के बाद पत्नी की हत्या

जागरण संवाददाता, लखनऊ

सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी देवेंद्र नाथ दुबे के घर शनिवार सुबह घुसे बदमाशों ने लूटपाट के बाद उनकी पत्नी मोहिनी की हत्या कर दी। बदमाशों ने मोहिनी के सिर पर भारी चीज से प्रहार किया और फिर दुपट्टे से गला घोंट दिया। जेवर और नगदी लूटने के बाद बदमाश घर में लगे सीसीटीवी का डिजिटल वीडियो रिकार्डर (डीवीआर) भी उठा ले गए। हत्या के दौरान किसी तरह के प्रतिरोध के निशान घर में नहीं मिले हैं।

यह भी बात सामने आई है कि लखनऊ के इंदिरानगर सेक्टर बीस में रहने वाले देवेंद्र नाथ दुबे ने कुछ दिन पहले 90 लाख रुपये में एक फ्लैट बेचा था। घटना के समय घर पर मोहिनी के अलावा और कोई नहीं था। देवेंद्र अपने ड्राइवर रवि के साथ गोल्फ क्लब गए थे। जब वह सुबह करीब साढ़े नौ बजे लौटे तो पत्नी को ड्रेसिंग रूम में पड़े देखा। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम 112 पर काल किया, लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद ड्राइवर को पुलिस चौकी भेजा। पुलिस ने जांच के बाद छह से सात संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक, 2009 में सेवानिवृत्त देवेंद्र की पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। मोहिनी दूसरी पत्नी थीं। वर्ष 2007 में इनसे शादी हुई थी। मोहिनी मूल रूप से बस्ती की रहने वाली थीं। पहली पत्नी से दो बेटे हैं। बड़ा बेटा प्रांजल नोएडा में रहता है, जबकि छोटा बेटा प्रतीक लखनऊ में ही किराए के मकान में रहता है। इंदिरानगर वाले मकान में मोहिनी और देवेंद्र रहते थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मोहिनी के सिर पर किसी भारी चीज से तेज प्रहार किया गया और इसके बाद उनका गला घोंट दिया गया।

सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी देवेंद्र नाथ दुबे की पत्नी मोहिनी। फाइल/स्वजन

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 26 मई, 2024 से शनिवार 1 जून, 2024 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ) सप्ताह के प्रारंभ में मन अशंत रहेगा, आत्मविश्वास में कमी रहेगी, कार्य में प्रयास से सफलता, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, सामाजिक दूरी रखें, जीवनसाथी का ध्यान रखें, धैर्यशीलता बनाए रखें, कारोबार में वृद्धि होगी। शुभ अंक 2

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो) किसी नए कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है, सेहत के प्रति सचेत रहें, वाणी में मधुरता रहेगी, भागदौड़ अधिक होगी, विदेश व्यापार में देरी, साहस एवं समाज में यश, भूमि संबंधी कार्य में देरी, चयन में देरी, खानपान का ध्यान रखें, आय में सुधार। शुभ अंक 4

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा) कार्य में सफलता, धनागम में सुधार, साझेदारी में सावधानी, अध्ययन में एकाग्रता, शिक्षा में रुचि, मन में शांति व प्रसन्नता रहेगी, नौकरी में कार्य क्षेत्र में बदलाव हो सकता है, परिश्रम अधिक रहेगा, कारोबार में लाभ के भी अवसर, ईर्षा से बचें। शुभ अंक 6

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) सप्ताह के प्रारंभ में मन अशांत हो सकता है, घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं, वाहन सुख में वृद्धि होगी, नई योजना से बचें, मित्रों से सहयोग, शत्रुपक्ष प्रभावी, धर्म में रुचि, स्थान पद परिवर्तन, व्यय अधिक। शुभ अंक 8

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) मन परेशान रहेगा, लेकिन आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, बातचीत में संयम रखें, कारोबार में वृद्धि होगी, मित्रों का सहयोग मिलेगा, खर्चे में वृद्धि रहेगी, कार्य में प्रगति, व्यवसाय के निर्णय सलाह से करें, सामाजिक दूरी का पालन करें, वाहन में सावधानी, व्यय अधिक। शुभ अंक 7

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) आत्मविश्वास में कमी रहेगी, पिता की सेहत का ध्यान रखें, खर्चों में अधिकता से परेशानी महसूस करेंगे, धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि बढ़ेगी, कारोबार के काम में कठिनाई आ सकती है, सफलता के लिए परिश्रम अधिक करना होगा। शुभ अंक 9

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें, परिवार का साथ मिलेगा, कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगें, पहले से चले आ रहे कार्य में और प्रयास करने होंगे, प्रकृति के साथ योगदान करे, शत्रुपक्ष से सावधान, क्रोध पर नियंत्रण रखें, ससुराल से सहयोग, अधिकारी से सहयोग। शुभ अंक 9

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) कार्य में प्रयास से सफलता, अर्थसाधन में प्रयास, पारिवारिक चिंता का समाधान, साधनों की पूर्ति, शिक्षा में अवरोध, चयन में सफलता, धैर्यशीलता बनाए रखने का प्रयास करें, कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, व्यय अधिक। शुभ अंक 1

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) मन प्रसन्न तो रहेगा परंतु आत्मविश्वास में कमी भी रहेगी, कारोबार में वृद्धि के योग, लाभ के अवसर मिलेगें इसके लिए विशेष प्रयास की जरूरत, कारोबार के काम से किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है, आय में वृद्धि होगी। शुभ अंक 2

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी) मन परेशान रह सकता है, कार्य में प्रगति के योग, धनागम में देरी, शैक्षिक कार्यों में सुधार होगा, शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने का अवसर मिल सकता है, चयन में सफलता, जीवनसाथी का ध्यान रखें, धर्म में रुचि, व्यय में कमी। शुभ अंक 5

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा) मन शांत रहेगा, आत्मविश्वास बहुत रहेगा, किसी मित्र से भेंट हो सकती है, मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है, लाभ के अवसर मिलेगें लेकिन उसके लिए तत्परता दिखानी होगी, नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होगें। शुभ अंक 4

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची) कार्य में सफलता, अर्थसाधन में सुधार, अति व्यवस्तता से बचें, दूसरों की आलोचना न करें, साधनों की कमी, मन अशांत रहेगा, किसी अज्ञात भय से मन परेशान हो सकता है, व्यर्थ के क्रोध से बचें, नौकरी में तरक्की के अवसर, आय के साधन बन सकते हैं। शुभ अंक 6

****

300 लोगों की मौत पापुआ न्यू गिनी के मुलिताका क्षेत्र में शुक्रवार को आए भूस्खलन से होने की आशंका जताई गई है। भूस्खलन में 1,182 घर दब गए थे। आस्ट्रेलियन ब्राडकास्टिंग कारपोरेशन ने कहा है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

चीन ने पहली बार ताइवान व उसके नियंत्रण वाले द्वीपों पर पूरा किया हमले का अभ्यास

तनाव ▶ ताइवान ने इसे भीषण भड़कावे वाली कार्रवाई बताया, मुकाबले की क्षमता बढ़ाएगा

एक समय 62 चीनी लड़ाकू विमान थे आकाश में

- ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई के उद्बोधन से भड़का चीन
- लाई ने चीन से ताइवान को धमकी देना बंद करने को कहा था

ताइपे, रायटर : चीन ने ताइवान के इर्द-गिर्द अपना दो दिन का सैन्य अभ्यास ज्वाइंट स्वोर्ड-2024 ए पूरा कर लिया है। इस दौरान चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने पहली बार ताइवान और उसके नियंत्रण वाले द्वीपों पर हमले का अभ्यास किया। इस अभ्यास में मुख्य रूप से चीन की वायुसेना और नौसेना ने हिस्सा लिया। ताइवान ने इस अभ्यास को चीन की भीषण भड़कावे वाली कार्रवाई करार दिया है।

चीन के सरकारी टेलीविजन के मिलिट्री चैनल ने बताया है कि सैन्य अभ्यास पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को पूरा हो गया है। इस अभ्यास पर चीन के रक्षा मंत्रालय ने फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकार के शासन वाले ताइवान को अपना हिस्सा बताता है तो ताइवान स्वयं को संप्रभु राष्ट्र बताता है। लाई चिंग-ते के ताइवान के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के तीन दिन बाद पीएलए ने दो दिन का यह सैन्य अभ्यास किया है। चीन लाई को अलगाववादी बताता है।

ताइवान के एक छोटे द्वीप पेंगिजा के निकट गुरुवार को एक चीनी युद्धपोत। फाइल/रायटर

राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले उद्बोधन में लाई ने चीन से ताइवान को धमकी देना बंद करने के लिए कहा था। कहा था- ताइवान लोकतांत्रिक देश है, चीन उसकी संप्रभुता को स्वीकार करे। ताजा सैन्य अभ्यास को चीन ने लाई के इसी उद्बोधन का दंड बताया था।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि शुक्रवार को उसने एक समय में चीन के 62 लड़ाकू विमानों को आकाश में और 27 युद्धपोतों को समुद्र में हमले का अभ्यास करते हुए पाया। इनमें से 46 लड़ाकू विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया। ताइवान समुद्र के मध्य की इस रेखा को अपने और चीन के मध्य की सीमारेखा कहता है जबकि चीन उसके इस दावे को नहीं मानता है। इस सैन्य अभ्यास में चीन ने सुखोई-30 लड़ाकू विमानों और परमाणु हमला करने में सक्षम एच-6 बमवर्षक विमानों का भी इस्तेमाल किया। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने शनिवार को कहा कि चीन की सैन्य गतिविधियां ताइवान स्ट्रेट की शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचा रही हैं। चीन की हरकतें माहौल खराब करने वाली और भड़काने वाली हैं, चीन इन्हें तत्काल बंद करे। जबकि ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने कहा है कि धमकियों से डरने का सवाल ही पैदा नहीं होता, उनका देश मुकाबले की क्षमता का लगातार विकास करता रहेगा। उल्लेखनीय है कि चीन ताइवान को अपना हिस्सा बताते हुए बीते चार वर्षों में चार बार सैन्य अभ्यास कर चुका है।

पाकिस्तान में ईश निंदा के आरोप में भीड़ ने ईसाइयों पर हमला

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कट्टरपंथियों की भीड़ ने ईश निंदा का आरोप लगाते हुए शनिवार को ईसाई समुदाय के लोगों पर हमला कर दिया और एक घर और जूता फैक्ट्री में आग लगा दी। सरगोधा जिले के मुजाहिद कालोनी में हुए हमले में अल्पसंख्यक समुदाय के घायल हुए दो लोगों में से एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने समय पर पहुंचकर स्थिति को संभाल लेने का दावा किया है।

कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) कार्यकर्ताओं की अगुआई वाली भीड़ ने ईसाई समुदाय के लोगों पर हमले किए और उनकी संपत्ति में आग लगा दी। पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी असद एजाज मलही ने कहा कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस का दस्ता भेजा गया। कुरान की बेअदबी के आरोप में भीड़ ईसाई समुदाय के कुछ घरों को घेरे हुए थी। असद ने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पुलिस तैनात की गई है। दूसरे पुलिस अधिकारी ने कहा मुजाहिद कालोनी में कुछ युवकों ने आरोप लगाया कि नजीर गिल मसीह ने कुरान की बेअदबी की है। भीड़ ने मसीह की जूता फैक्ट्री व घर में आग लगा दी। कट्टरपंथियों ने ईसाई समुदाय के लोगों की अन्य दुकानों में तोड़फोड़ भी की।

गाजा में इजरायली सेना ने मारा हमास का बड़ा कमांडर

हमास से लड़ाई के दौरान शनिवार को रफाह में इजरायली बमबारी के बाद उठता धुआं। एएफपी

तेल अवीव, आइएएनएस : गाजा में जारी लड़ाई में इजरायली सेना ने शुक्रवार-शनिवार रात हमास के सशस्त्र गुट के प्रभावशाली कमांडर जियाद अल-दीन अल-शरफा को मार गिराया। जियाद को गाजा के मध्य में हवाई हमले में मारा गया। इस बीच गाजा के रफाह, जबालिया और कई अन्य इलाकों में लड़ाई जारी है। इस दौरान इजरायली हमलों में दर्जनों लोगों के मारे जाने की सूचना है।

इन्हें मिलाकर सात अक्टूबर, 2023 से गाजा में मरने वाले फलस्तीनियों की कुल संख्या बढ़कर 35,903 हो गई है। इजरायल ने रफाह में हमले रोकने के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेश को मानने से इन्कार कर दिया है। कहा है कि यह आदेश भेदभावपूर्ण और इजरायल के हितों के खिलाफ है, इसलिए वह इसे नहीं मान सकता है। इस बीच गाजा में युद्धविराम के लिए अगले सप्ताह कतर और मिस्र की मध्यस्थता में एक बार फिर से वार्ता शुरू होने के संकेत हैं। इजरायल ने सीरिया में एक कार और एक ट्रक को ड्रोन हमले का निशाना बनाया है। इन हमलों में लेबनानी सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला के दो प्रमुख सदस्य मारे गए हैं और कुछ हथियार व गोला-बारूद नष्ट हुए हैं। हमले में कई के घायल होने की सूचना है। यह हमला सीरिया के अल-दाबा एयरपोर्ट के नजदीक हुआ है।

न्यूज गैलरी

नेपाल में भारत की सहायता से निर्मित स्कूल का उद्घाटन

काठमांडू : नेपाल में भारत सरकार की वित्तीय सहायता से निर्मित दो स्कूलों का दूतावास अधिकारियों और राजनीतिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उद्घाटन किया गया। भारत सरकार ने डांग जिले के लम्ही नगरपालिका में श्रीबाल जनता सेकेंड्री स्कूल और घोराही सब मेट्रोपोलिटन सिटी में श्रीपद्मोदय पब्लिक माडल सेकेंड्री स्कूल के लिए नेपाल-भारत विकास सहयोग के तहत वित्तीय सहायता दी है। (एएनआइ)

श्रीलंकाई जेलों से 43 पाक कैदियों को स्वदेश भेजा जाएगा

इस्लामाबाद : श्रीलंका सरकार अपने यहां की जेलों में बंद पाकिस्तान के 43 नागरिकों को स्वदेश भेजेगी। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी और श्रीलंका के उच्चायुक्त एडमिरल (सेवानिवृत्त) रविंद्र चंद्र श्रीविजय गुणरत्ने के साथ शुक्रवार को समझौते के बाद यह सहमति बनी। दोनों देश अपने-अपने देश की जेलों में बंद एक-दूसरे के कैदियों को स्वदेश वापस भेजेंगे। (प्रेट्र)

बांग्लादेश में रोहिंग्याओं की सैकड़ों झुग्गियां खाक

ढाका : बांग्लादेश के दक्षिण पूर्वी काक्स बाजार जिले में रोहिंग्या शरणार्थियों के शिविर में आग लगने से सैकड़ों झुग्गियां जलकर खाक हो गईं और हजारों लोग बेघर हो गए। उखिया अग्निशमन सेवा एवं नागरिक सुरक्षा के स्टेशन अधिकारी शफीकुल इस्लाम ने बताया कि शरणार्थी शिविर संख्या 13 में लगी आग तेजी से आसपास फैल गई। देखते-देखते 230 झुग्गियां खाक हो गईं। (आइएएनएस)

रोमानिया में रूस के लिए जासूसी करने वाला गिरफ्तार

बुडापेस्ट : एक रोमानियाई व्यक्ति को दो वर्ष से रूस के लिए जासूसी करने के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। बुखारेस्ट में अभियोजक ने शुक्रवार को बताया कि उसके संदिग्ध रूसी संपर्क राजनयिक को बर्खास्त कर दिया गया है। 2022 से रोमानियाई व्यक्ति सेना के युद्ध उपकरणों और यूक्रेन सीमा पर सेना की गतिविधियों के फोटोग्राफ ले रहा था। (आइएएनएस)

सीआइए के पूर्व अधिकारी ने जासूसी का दोष स्वीकारा

होनोलुलु : सीआइए के पूर्व अधिकारी एवं एफबीआइ के लिए भाषाविद के रूप में काम करने वाले अलेक्जेंडर युक चिंग मा ने होनोलुलु स्थित संघीय कोर्ट में चीन के लिए जासूसी करने का दोष स्वीकार कर लिया है। 2020 में गिरफ्तारी के बाद से अलेक्जेंडर हिरासत में था। एक वीडियो में चीनी एजेंट से उन्हें मिले 50,000 डालर को गिनते देखा जा सकता है। (एपी)

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सड़क दुर्घटना में पांच की मौत

कराची : पाकिस्तान के दक्षिणी प्रांत सिंध में शनिवार को एक पिकअप ट्रक के ट्रेलर से आमने-सामने हुई टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। यह हादसा थाट्टा जिले के झिर्क कस्बे में हुआ है। पिकअप ट्रक में सवार लोग श्रमिक थे। (प्रेट्र)

उत्तरी केन्या में सोने की खदान ध्वस्त, पांच की मौत

नैरोबी : उत्तरी केन्या में सोने की एक अवैध खदान ध्वस्त हो गई जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। केन्या की इथोपिया से लगती सीमा के पास डाबेल में हिल्लो खदान शुक्रवार को ध्वस्त हुई। मलबा गिरने के बाद खननकर्मियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। (एपी)

पाक के पूर्व पीएम इमरान खान पर और केस दर्ज कराएगी सरकार

- सेना के बारे में घृणा फैलाने के लिए और केस दर्ज कराने दी स्वीकृति
- उनके विरुद्ध करीब 200 मामले कराए जा चुके हैं पंजीकृत

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के नेताओं के विरुद्ध सरकारी संस्थानों खास कर सेना के बारे में घृणा फैलाने के लिए और मामले पंजीकृत करने की स्वीकृति दी है। अप्रैल 2022 में सत्ता से बेदखल हुए 71 वर्षीय इमरान पिछले वर्ष अगस्त से जेल में बंद हैं। उनके विरुद्ध करीब 200 मामले पंजीकृत कराए जा चुके हैं।

मरयम नवाज मंत्रिमंडल ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के संस्थापक इमरान एवं उनकी पार्टी के अन्य नेताओं के विरुद्ध घृणा फैलाने के आरोप में कानूनी कार्रवाई करने की स्वीकृति दी है। मंत्रिमंडल की शुक्रवार शाम हुई बैठक के बाद पंजाब की सूचना मंत्री आजमा बोखारी ने संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

इमरान खान की और बढ़ी मुश्किल। फाइल

आजमा ने कहा कि इमरान मुजीबुर रहमान (बांग्लादेश के पहले प्रधानमंत्री) बनने की राह पर हैं। मुजीबुर ने पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता के लिए आंदोलन की अगुआई की थी। सूचना मंत्री ने कहा कि रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल में इमरान से मुलाकात करने वाले भी संस्थानों के विरुद्ध घृणा फैला रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इमरान के खिलाफ भ्रष्टाचार के भी कई मामले चल रहे हैं।

लंदन में ईरान समर्थकों एवं विरोधियों में भिड़ंत, चार लोग घायल

लंदन, एपी : ईरान के सरकार समर्थक और सरकार विरोधी नागरिक लंदन में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत को लेकर आयोजित कार्यक्रम में आपस में भिड़ गए। ब्रिटिश पुलिस ने कहा कि झड़प में चार लोग घायल हो गए और एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया।

मेट्रोपोलिटन पुलिस ने कहा कि अधिकारियों को पश्चिमी लंदन क्षेत्र के वेंबले में कार्यक्रम स्थल पर शुक्रवार शाम अव्यवस्था की जानकारी मिली। वहां हेलीकाप्टर दुर्घटना में इब्राहिम रईसी की मौत को लेकर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम स्थल के बाहर प्रदर्शनकारी जुट गए और टकराव शुरू हो गया। एक व्यक्ति को हिंसा फैलाने के संदेह में गिरफ्तार किया गया। घायलों को कोई गंभीर चोट नहीं लगी थी। पुलिस ने वहां जमा हुए लोगों को चले जाने का आदेश दिया। पुलिस ने कहा कि घटना का विवरण पता लगाने के लिए डिटेक्टिव्स इंटरनेट मीडिया फुटेज एवं अन्य प्रमाणों की जांच की जाएगी।

भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को आधुनिक प्रशिक्षण देगी अमेरिकी एजेंसी नासा

- भारत में अमेरिका के राजदूत गार्सेटी ने कही यह बात

वाशिंगटन, प्रेट्र : भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए संयुक्त प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को जल्द ही आधुनिक प्रशिक्षण मुहैया कराएगी।

गार्सेटी ने यह बात 'अमेरिका-भारत वाणिज्यिक अंतरिक्ष सम्मेलन : अमेरिका और भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप के लिए अवसरों की शुरुआत' विषयक कार्यक्रम में कही। यह कार्यक्रम शुक्रवार को बेंगलुरु में यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआइबीसी) और यूएस कमर्शियल सर्विस (यूएससीएस) ने आयोजित किया। अमेरिकी राजदूत ने कहा, 'नासा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र के लिए संयुक्त प्रयास बढ़ाने के उद्देश्य से जल्द ही भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को आधुनिक प्रशिक्षण मुहैया कराएगी। उम्मीद है कि यह इस वर्ष या उसके बाद शुरू होगा।' यूएसआइबीसी के बयान के अनुसार, गार्सेटी ने बताया, 'हम जल्द ही पारिस्थितिकी तंत्र, पृथ्वी की सतह, प्राकृतिक खतरों, समुद्र के बढ़ते स्तर और क्रायोस्फेयर समेत सभी संसाधनों पर नजर रखने के लिए इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से एनआइएसएआर सेटेलाइट प्रक्षेपित करेंगे।' एनआइएसएआर नासा और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बीच एक संयुक्त मिशन है। इस एक दिवसीय कार्यक्रम में गार्सेटी के अलावा इसरो अध्यक्ष डा. एस सोमनाथ और नासा के प्रतिनिधि समेत दोनों देशों के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी। फाइल

क्वाड सेटेलाइट विकसित करने का प्रस्ताव

बेंगलुरु, प्रेट्र : अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने भारत और अमेरिका की साझेदारी को और मजबूत करने के लिए एक क्वाड सेटेलाइट बनाने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने शुक्रवार को बेंगलुरु में इसरो मुख्यालय में एस. सोमनाथ से मुलाकात की। दोनों ने अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। इसी दौरान गार्सेटी ने क्वाड सेटेलाइट विकसित करने का प्रस्ताव रखा।

गर्मी के बीच मेक्सिको में कई फीट ओलावृष्टि

मेक्सिको के पुएब्ला शहर में अचानक भारी ओलावृष्टि से सड़कों पर कई फीट मोटी ओलों की चादर सी बिछ गई। नेशनल गार्ड के सदस्यों ने स्थानीय लोगों की मदद से सड़कों से ओले हटाए। मौसम विभाग के अनुसार, शहर में पिछले कई दिनों से जबर्दस्त गर्मी पड़ रही थी। शनिवार को अचानक मौसम ने करवट बदली और जबर्दस्त ओलावृष्टि हुई। एएफपी

पाकिस्तान के पीएम शहबाज अगले महीने जाएंगे चीन

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जून के पहले सप्ताह में चीन का दौरा करेंगे। वह 60 अरब डालर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) के दूसरे चरण की औपचारिक लांचिंग में शामिल होंगे। शुक्रवार को चीनी कंपनियों के प्रतिनिधियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान आइटी सेक्टर के प्रोत्साहन और निर्यात मजबूत करने में चीन के अनुभव का लाभ लेना चाहता है। डान समाचारपत्र ने प्रधानमंत्री कार्यालय के एक सूत्र के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज का चार जून को चीन जाना निर्धारित है, लेकिन यात्रा की तिथि में थोड़ी फेरबदल हो सकती है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में स्थित ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिनजियांग प्रांत से जोड़ने वाले सीपीईसी का भारत पुरजोर विरोध करता है। क्योंकि यह गुलाम जम्मू-कश्मीर से होकर गुजरता है। सीपीईसी के पहले चरण का हिस्सा बुनियादी ढांचा और ऊर्जा परियोजनाएं हैं।

62 सेकेंड में दो बार तेजी से ऊपर-नीचे हुआ था सिंगापुर एयरलाइंस का विमान

- टर्ब्युलेंस के कारण एक ब्रिटिश यात्री की हो गई थी मौत

सिंगापुर, प्रेट्र : मंगलवार को टर्ब्युलेंस (वायुमंडलीय विक्षोभ) की चपेट में आया सिंगापुर एयरलाइंस का विमान (उड़ान संख्या एसक्यू-321) 62 सेकेंड में अपनी उड़ान की ऊंचाई से दो बार ऊपर और नीचे हुआ था। उस दौरान दिल का दौरा पड़ने से ब्रिटेन के एक 73 वर्षीय यात्री जियोफ्री किचन की मौत हो गई थी और दर्जनों यात्री घायल हो गए थे।

सिंगापुर एयरलाइंस का यह विमान लंदन से सिंगापुर जा रहा था और जब वह म्यामांर में इरावड्डी बेसिन के ऊपर से गुजर रहा था तब उसने भीषण झंझावात (टर्ब्युलेंस) महसूस किया। इस दौरान यात्रियों को नाश्ता परोसा जा रहा था। पायलट ने मेडिकल इमरजेंसी की घोषणा की और विमान को बैंकाक के सुवर्णभूमि हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया जहां वह स्थानीय समयानुसार 3.45 बजे आपात स्थिति में उतरा। विमान में 211 यात्री और चालक दल के 18 सदस्य थे। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24' के मुताबिक, विमान अपनी क्रूज ऊंचाई (जिस ऊंचाई पर विमान अधिकतर समय रहता है) 37,000 फीट से 37,400 फीट पर चला गया था और फिर 36,975 फीट पर आ गया था। ऐसा दो बार हुआ था और फिर वह अपनी क्रूज ऊंचाई पर वापस आ गया था। इससे संकेत मिलता है कि टर्ब्युलेंस के कारण विमान में तीव्र उतार एवं चढ़ाव हुआ था।

आसमान में हिचकोले खाने वाले सिंगापुर एयरलाइंस के विमान के अंदर का दृश्य। विमान की बैंकाक में आपात लैंडिंग हुई। फाइल/रायटर

दक्षिण अफ्रीका गुप्ता बंधुओं की गिरफ्तारी पर भारत से करेगा संपर्क

- गिरफ्तार गुप्ता बंधुओं में से एक दक्षिण अफ्रीका में वांछित है
- बिल्डर को आत्महत्या मामले में दोनों उत्तराखंड से गिरफ्तार

जोहान्सबर्ग, प्रेट्र : दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को कहा कि वह भारतीय मूल के कारोबारी गुप्ता परिवार के दो भाइयों की गिरफ्तारी संबंधी खबर के मद्देनजर भारत सरकार के साथ संपर्क करेगा। गुप्ता बंधुओं में से एक सरकारी स्वामित्व वाले उद्यमों से अरबों रुपये की लूट में कथित भूमिका के लिए यहां वांछित है।

भारतीय मूल के परिवार के अतुल, अजय और राजेश गुप्ता पर पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा के साथ अपने करीबी संबंधों के जरिए दक्षिण अफ्रीका में अरबों रेंड (दक्षिण अफ्रीकी मुद्रा) की हेराफेरी करने का आरोप है। जैकब जुमा के 2018 में राष्ट्रपति पद से हटने के बाद ये तीनों और उनके परिवार दुबई भाग गये थे।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 2023 में राजेश और अतुल के प्रत्यर्पण के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था, जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया था। दोनों भाइयों ने आइटी, मीडिया और खनन क्षेत्र में एक विशाल साम्राज्य खड़ा किया था। गौरतलब है कि एक बिल्डर को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में अनिल और अजय गुप्ता को शनिवार को उत्तराखंड से गिरफ्तार किया गया है। बिल्डर ने अपने बहुमंजिला अपार्टमेंट भवन की छत से कूदने से पहले अपने 'सुसाइड नोट' में गुप्ता बंधुओं का नाम लिया था। अनिश्चितता की स्थिति है कि क्या यह वही अजय गुप्ता है, जो अपने भाइयों अतुल और राजेश के साथ दक्षिण अफ्रीका भाग गया था और जो वांछित सूची में तीसरा व्यक्ति भी है।

राजेश और अतुल गुप्ता। फाइल

'एलन मस्क का गूगल के सह-संस्थापक की पूर्व पत्नी के साथ था अफेयर'

- न्यूयार्क टाइम्स ने आठ अलग-अलग स्रोतों और दस्तावेज के माध्यम से दी जानकारी
- एलन मस्क और शानहन के संबंध सामने आने के बाद सर्गेई ब्रिन ने दिया था तलाक

नई दिल्ली, जेएनएन : टेस्ला के सीईओ एलन मस्क एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वे केटामाइन के उपयोग और एक वकील व गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन की पूर्व पत्नी निकोल शानहन के साथ कथित संबंध को लेकर चर्चा में हैं। 2021 में टेस्ला के सीईओ शानहन के साथ एक पार्टी में थे और उन दोनों ने एक साथ केटामाइन लिया था। न्यूयार्क टाइम्स ने आठ अलग-अलग स्रोतों और दस्तावेज के माध्यम से इस जानकारी की पुष्टि करने के बाद रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के अनुसार शानहन अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए एक स्वतंत्र उम्मीदवार राबर्ट एफ कैनेडी जूनियर की दोस्त हैं। 2021 में न्यूयार्क में राबर्ट एफ कैनेडी द्वारा एक बर्थडे पार्टी का आयोजन किया गया था, जिसमें मस्क, सर्गेई ब्रिन और निकोल शानहन उपस्थित थे। बाद में उसी वर्ष मस्क के भाई द्वारा मियामी में आयोजित एक पार्टी में मस्क और शानहन फिर से एक साथ देखे गए थे। पार्टी में एलन मस्क और शानहान ने एक साथ केटामाइन लिया और कई घंटों के लिए गायब हो गए। चार लोगों ने एनवाईटी को इसकी पुष्टि भी की थी।

गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन की पूर्व पत्नी निकोल शानहन और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क। इंटरनेट मीडिया

तीन सूत्रों ने प्रमुख अमेरिकी दैनिक को बताया कि शानहन ने सर्गेई ब्रिन के सामने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने मस्क के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे और उन्होंने अपने दोस्तों, परिवार और अन्य लोगों के साथ विवरण भी साझा किया था। 2022 डब्ल्यूएसजे की रिपोर्ट के अनुसार, मस्क और शानहन दोनों ने इस संबंध से इन्कार किया था। पिछले साल शानहन ने शारीरिक संबंध के दावों का दावों का खंडन किया था। उन्होंने पीपुल पत्रिका को बताया कि यौन संबंध की बात सामने आने के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुझे शर्मिंदा होना पड़ा था। इसके बाद शानहन और ब्रिन अलग होने का फैसला किया। 2022 में दोनों ने तलाक के कोर्ट में मुकदमा दायर किया। न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, तलाक प्रक्रिया को निपटाने में लगभग 18 महीने लग गए थे। इस दौरान शानहन ने आत्महत्या की धमकी दी। पिछले साल तलाक को अंतिम रूप दिया गया था।

नेपाल की पूर्णिमा ने दो सप्ताह में तीन बार एवरेस्ट फतह किया

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल की पर्वतारोही व फोटोजर्नलिस्ट पूर्णिमा श्रेष्ठ ने दो सप्ताह में तीन बार माउंट एवरेस्ट फतह कर रिकार्ड बनाया है। पूर्णिमा एक ही महीने में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर तीन बार चढ़ने वाली पहली व्यक्ति बन गई हैं। वह 12 मई, 19 मई व तीसरी बार 25 मई को माउंट एवरेस्ट पर गईं। वे अब तक कुल चार बार एवरेस्ट पर चढ़ चुकी हैं।

पूर्णिमा सबसे पहले वर्ष 2018 में माउंट एवरेस्ट पर गई थीं। वर्ष 2017 में वह माउंट मनास्लू की चढ़ाई को सफलतापूर्वक पूरा कर चुकी हैं। पूर्व में पूर्णिमा के नाम मनास्लू के अलावा, अन्नपूर्णा, धौलागिरी, कंचनजंगा, ल्होत्से, मकालू की चोटी फतह करने का भी रिकार्ड दर्ज है। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले नामी पर्वतारोही नीमा डोमा शेरपा ने कहा है कि पूर्णिमा की इस कामयाबी से सभी युवा पर्वतारोहियों का हौसला बढ़ेगा। उनको हिम्मत भी मिलेगी कि किस तरह से एक महिला ने महज 14 दिन में एवरेस्ट तीन बार फतह हासिल की।

****

आइपीएल टी-20

पर्पल कैप

गेंदबाज	टीम	विकेट
हर्षल पटेल	पंजाब	24
बुमराह	मुंबई	20
चक्रवर्ती	केकेआर	20

आरेंज कैप

बल्लेबाज	टीम	रन
विराट कोहली	आरसीबी	741
रुतुराज	सीएसके	583
रियान पराग	राजस्थान	573

'गुरु' गंभीर के सामने होगी कप्तान कमिंस की चुनौती

आइपीएल फाइनल में आज केकेआर का सामना सनराइजर्स से | नारायण और हेड पर होंगी नजरें | मेंटर गौतम किसी भी कीमत पर जीतना चाहते हैं विजेता ट्राफी

चेन्नई, प्रेट्र: एक ओर क्रिकेट के कुशल रणनीतिकार 'गुरु' गौतम गंभीर के कोलकाता नाइट राइडर्स और दूसरी ओर आक्रामक बल्लेबाजी की नई परिभाषा गढ़ने वाले पैट कमिंस के सनराइजर्स हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग में इस सत्र का सरताज बनने के लिए अंतिम तिलिस्म पर दोनों बेहतरीन टीमों के बीच रविवार को फाइनल मुकाबले में दर्शकों के लिए रोमांचक क्रिकेट की गारंटी रहेगी।

आम तौर पर खेल में मुकाबले कप्तानों और उनकी टीमों के बीच होते हैं, लेकिन यह आइपीएल फाइनल इससे अलग है। इसमें एक ओर 'कोरबो, लोड़बो, जीतबो' की सोच रखने वाले गंभीर का दिमाग है तो दूसरी ओर एक ऐसा आस्ट्रेलियाई कप्तान है जिसने टीम को विजेताओं वाले तेवर दिए हैं। केकेआर के कप्तान के रूप में दूसरा आइपीएल फाइनल खेलने जा रहे श्रेयस अय्यर इस महामुकाबले में सहायक भूमिका में नजर आ रहे हैं।

कमिंस ने किया है प्रभावित : एक दशक पहले किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कमिंस छह महीने के भीतर वनडे विश्व कप, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और एशेज जीतने वाले कप्तान बनेंगे। अब अगर वह सनराइजर्स को आइपीएल ट्राफी भी दिला देते हैं तो यह सोने पर सुहागा होगा। सनराइजर्स के सहायक कोच सिमोन हेलमोट ने राजस्थान रायल्स के विरुद्ध दूसरे क्वालीफायर में टीम की जीत के बाद कहा था, 'वह बहुत व्यावहारिक, विनम्र और प्रभावी कप्तान हैं। उनके पास अलग अलग परिस्थितियों में प्रतिद्वंद्वी टीमों के विरुद्ध सारी जानकारियां और आंकड़े रहते हैं। वह टीम बैठकों में समय बर्बाद नहीं करते। हमारी टीम बैठक आज 35 सेकेंड की थी, लेकिन उनके पास सारी सूचनाएं थीं।'

गंभीर इतिहास रचने को तैयार: दोनों टीमों की टक्कर पहले क्वालीफायर में हुई थी जिसमें केकेआर ने सनराजइर्स को उम्दा गेंदबाजी के दम पर हराया था। केकेआर ने पिछली बार चेन्नई में 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स के विरुद्ध आइपीएल फाइनल खेला था जिसमें कप्तान के रूप में गंभीर ने खिताबी जीत प्राप्त की थी। गंभीर की कप्तानी में केकेआर ने फिर 2014 में खिताब जीता और अब वह बतौर मेंटर भी इसी टीम को खिताब दिलाने की दहलीज पर हैं। वह भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने के सबसे प्रबल दावेदार भी हैं और आइपीएल ट्राफी से उनका दावा और पुख्ता होगा।

चेपक में वरुण, सुनील का दबदबा: टीमों की तुलना करें तो केकेआर के पास सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, श्रेयस और वेंकटेश अय्यर जैसे मैच विनर के साथ-साथ नीतीश और हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती जैसे मिस्ट्री स्पिनर हैं। दूसरी ओर सनराइजर्स के लिए घरेलू क्रिकेटर अभिषेक शर्मा और नीतीश रेड्डी के अलावा भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन और जयदेव उनादकट ने अच्छा प्रदर्शन किया है। रायल्स को कठिन पिच पर 36 रन से हराने के बाद सनराइजर्स का मनोबल बढ़ा होगा, लेकिन चेपक का विकेट वरुण (20 विकेट) और नारायण (16 विकेट) के अनुकूल होगा जो इस सत्र में शानदार फार्म में हैं।

वर्षा ने बढ़ाई चिंता

चेन्नई : चेपक स्टेडियम में शनिवार को केकेआर को अपना अभ्यास सत्र तेज वर्षा के कारण रद करना पड़ा। बंगाल की खाड़ी में उठ रहे चक्रवाती तूफान 'रेमल' को वर्षा का कारण माना जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार चेन्नई में रविवार को वर्षा की संभावना कम है। हालांकि आसमान में बादल छाए रहेंगे। अगर वर्षा हुई और मैच पूरा नहीं हो सका तो रिजर्व डे यानी 27 मार्च को इसे पूरा कराया जाएगा। रिजर्व डे में मैच कराने से पहले आयोजक रविवार को दो घंटे अधिक देकर भी इसे पूर्ण कराने की कोशिश करेंगे। यदि मैच रिजर्व डे में भी नहीं हुआ तो कोलकाता नाइटराइडर्स अंक तालिका में शीर्ष पर रहने के कारण विजेता बन जाएगी।

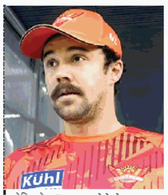
ट्रेविस हेड ● फाइल फोटो, प्रेट्र

मिशेल स्टार्क ● फाइल फोटो, प्रेट्र

स्टार्क के आगे बेअसर हो जाते हैं हेड

आइपीएल के फाइनल मैच में एक बार फिर मिशेल स्टार्क और ट्रेविस हेड आमने-सामने होंगे। मिशेल स्टार्क के सामने आते ही हेड भीगी बिल्ली बन जाते हैं। पिछले नौ वर्षों में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज हेड के लिए एक बुरे सपने की तरह रहे हैं। पहले क्वालीफायर में भी स्टार्क ने उन्हें फंसा लिया था। दिलचस्प है कि अब तक दोनों का पांच बार आमना-सामना हुआ है। इसमें से चार बार हेड खाता भी नहीं खोल पाए हैं। हेड पूरे सत्र में शानदार फार्म में रहे हैं और सत्र के शीर्ष रन स्कोरर लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने 14 मैच में 43.61 की औसत और 192.20 के स्ट्राइक-रेट से 567 रन बनाए हैं। ऐसे में सनराइजर्स की जीत के लिए उनका प्रदर्शन बहुत अहम होगा। फाइनल में यह देखना रोचक होगा कि वह स्टार्क का तिलिस्म तोड़ पाते हैं या नहीं।

567 रन बनाकर सनराइजर्स के हेड बल्लेबाजों की सूची में चौथे नंबर पर हैं तो नारायण 482 रन बनाकर 10वें स्थान पर हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडेय, आंद्रे रसेल, नीतिश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल राय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, साकिब हुसैन, मुजीब उर रहमान, गट एटिकिंसन, अल्लाह गजांफर।

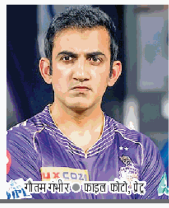
गौतम गंभीर ● फाइल फोटो, प्रेट्र

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, हेड, क्लासेन, एडेन मार्करैम, अब्दुल समद, नीतीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, भुवनेश्वर कुमार, उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडेय, उमरान, अनमोलप्रीत सिंह, ग्लेन फिलिप्स, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन, उपेंद्र यादव, जे सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत, फारूकी, मार्को जेनसेन, आकाश महाराज सिंह, मयंक अग्रवाल।

केकेआर ट्राफी की प्रबल दावेदार : मैथ्यू हेडन

चेन्नई, प्रेट्र: क्रिकेट विशेषज्ञ मैथ्यू हेडन और केविन पीटरसन का मानना है कि कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) रविवार को होने वाली आइपीएल की खिताबी भिड़ंत में अपने बेहतरीन स्पिन आक्रमण और अपने प्रतिद्वंद्वी सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध अच्छे रिकार्ड की बदौलत खिताब जीतने के लिए बेहतर स्थिति में है। केकेआर ने लीग चरण के मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत हासिल की है और इन दोनों का मानना है कि इससे रविवार को फाइनल में उसका पलड़ा भारी होगा।

हेडन ने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि केकेआर यहां जीतेगी क्योंकि उसे कुछ दिन का आराम मिल गया है। सनराइजर्स हैदराबाद की मजबूती और कमजोरी को जानने से उसे मदद मिलेगी।' पीटरसन ने कहा कि मुझे अहमदाबाद में हुए मैच में सनराइजर्स की हार का तरीका पसंद नहीं आया और मुझे लगता है कि रविवार को मैच के दौरान वे बैकफुट में होंगे।' उन्होंने कहा, 'जिस तरीके से उन्होंने मैच खत्म किया, पैट कमिंस ने ट्रेविस हेड को गेंद दी और श्रेयस अय्यर ने बस धमाल कर दिया। इससे केकेआर का फाइनल से पहले मनोबल बढ़ेगा ही क्योंकि उन्होंने पहले ही दो दिन पहले सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था।'

संगकारा बोले, अंतिम चरण में थकान हावी हो गई: राजस्थान रायल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने स्वीकार किया कि आइपीएल के मौजूदा सत्र के अंतिम चरण में उनके खिलाड़ियों पर थकान हावी हो गई, जिससे उन्होंने जीत की लय खो दी। पहले नौ में से आठ मैच जीतने वाले रायल्स शीर्ष दो में जगह बनाने के प्रबल दावेदार थे लेकिन इसके बाद टीम लगातार चार मैच हार गई और एक वर्षा की भेंट हो गया, जिससे उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। एलिमिनेटर में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हराने के बाद रायल्स दूसरे क्वालीफायर में सनराइजर्स हैदराबाद से हार गए। संगकारा ने कहा, 'हमारे लिए यह अच्छा सत्र था। हमारी शुरुआत अच्छी रही लेकिन बाद में हम कुछ करीबी मुकाबले हार गए। आरसीबी शुरुआत में लगभग हर मैच हारी लेकिन फिर उसने लय पकड़ी। टी20 में यही होता है।' उन्होंने कहा, 'सभी खिलाड़ियों ने पूरे सत्र में बेहतरीन क्रिकेट खेला। आखिरी चरण में थकान हावी हो गई।

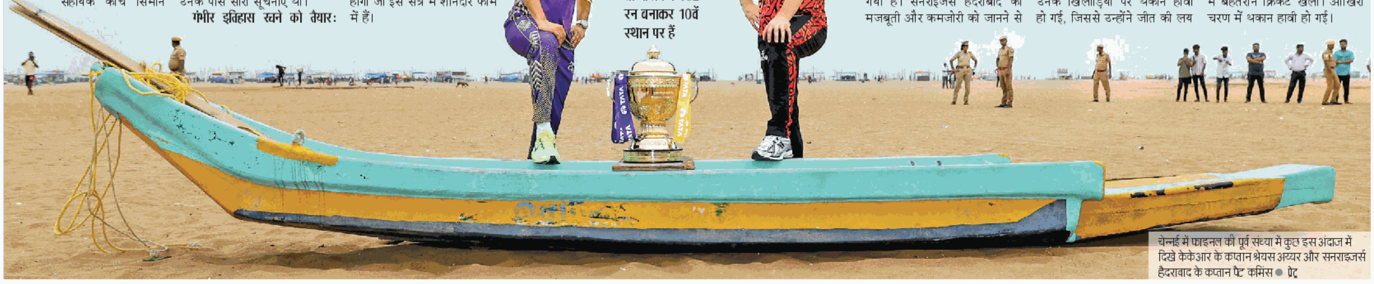
चेन्नई में फाइनल की पूर्व संध्या में कुछ इस अंदाज में दिखे केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ● प्रेट्र

एक नजर में

भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम को सोना

येचियोन: ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी की भारतीय तिकड़ी ने तीरंदाजी विश्व कप में महिला कंपाउंड वर्ग में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता जबकि मिक्स्ड टीम को रजत पदक मिला। भारतीय टीम ने तुर्किये की हेजल बुरून, एइसे बेरा सुजेर और बेगम युवा की टीम को 232-226 से हराकर पहला स्थान प्राप्त किया। (प्रेट्र)

इंग्लैंड ने पाक को हराया

बर्मिंघम: एजबेस्टन में इंग्लैंड ने शनिवार को दूसरे टी-20 मैच में पाकिस्तान को 23 रन से हरा चार मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। पहला मैच वर्षा के कारण रद हो गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने सात विकेट पर 183 रन बनाए, जवाब में पाक टीम 19.2 ओवर में 160 पर ढेर हो गई। (रायटर)

भारत को मिला छठा स्वर्ण

कोबे: सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 200 मीटर टी12 स्पर्धा में 24.95 सेकेंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर भारत को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शनिवार को छठा स्वर्ण पदक दिलाया। भारत के अब छह स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य समेत 15 पदक हो गए हैं। यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पुरुषों के एफ46 भालाफेंक में भारत के रिंकू हुड्डा और अजीत सिंह को रजत व कांस्य मिल गया। (प्रेट्र)

युनाइटेड ने सिटी को चौंकाया

लंदन: मैनचेस्टर युनाइटेड ने मैन्चेस्टर सिटी के विरुद्ध एफए कप के फाइनल में 2-1 से जीत दर्ज कर उन्हें चौंका दिया। युनाइटेड ने पहले ही हाफ में गर्नाशो के गोल से बढ़त बना ली। इसके बाद काबी माइनू ने गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। दूसरे हाफ में सिटी की ओर से डोकु ने एकमात्र गोल दागा। (एपी)

भराली ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली: असम के युवा भारोत्तोलक वेदब्रत भराली ने पेरू के लीमा में चल रही आइडब्ल्यूएफ विश्व युवा चैंपियनशिप में पुरुषों के 73 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। 17 वर्ष के भराली ने 296 किग्रा (स्नैच में 136 और क्लीन एंड जर्क में 160 किग्रा) वजन उठाया। (प्रेट्र)

ग्रुप 'ए' से भारत, पाकिस्तान प्रबल दावेदार

6 दिन शेष | टी20 विश्व कप

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 विश्व कप में इस बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता में पांच-पांच टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप 'ए' में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत, पाकिस्तान, कनाडा, आयरलैंड और अमेरिका को रखा गया है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान अगले दौर में जाने के लिए प्रबल दावेदार हैं। भारत 2007 में टी-20 विश्व कप का चैंपियन बना था, तो पाकिस्तान 2009 में टी-20 का खिताब जीतने में कामयाब रहा था।

2007 टी-20 विश्व कप की विजेता भारतीय टीम ● फाइल फोटो, एक्स

भारत: 2007 महेंद्र सिंह धौनी की कप्तानी में पहली बार हुए टी-20 विश्व कप में भारत चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर चैंपियन बना था, जबकि 2014 में भारतीय टीम श्रीलंका से हारकर उपविजेता रही थी। इस बार भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा कर रहे हैं और टीम में कई सीनियर खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इस प्रतियोगिता में रोहित, कोहली, सूर्यकुमार और बुमराह पर सबकी निगाहें होंगी।

पाकिस्तान: 2009 यूनुस खान की अगुआई में पाकिस्तान ने टी-20 विश्व जीता था। 2022 में इंग्लैंड से हारकर पाकिस्तान उपविजेता बना था। इस बार बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान टी-20 विश्व कप 2024 में शिरकत कर रही है। टीम में बाबर, रिजवान, और शाहीन पर सबकी नजरें होंगी।

आयरलैंड: सात बार टीम टी-20 विश्व कप में हिस्सा ले चुकी है और 2009 में सुपर आठ तक भी पहुंची थी। आयरलैंड ने 25 मैचों में सात में जीत पाई है। इस बार टीम की कप्तानी पाल स्टर्लिंग कर रहे हैं।

कनाडा: इस बड़ी प्रतियोगिता में क्रिकेट कनाडा की टीम पहली बार भाग ले रही है। आलराउंडर साद बिन जफर आइसीसी टूर्नामेंट में कनाडाई टीम का नेतृत्व करेंगे।

अमेरिका: अमेरिका टी-20 विश्व कप 2024 का मेजबान है और पहली बार अमेरिका की टीम टी-20 में भाग ले रही है। मोनांक पटेल टीम की कमान संभालेंगे।

मैदान के बाहर और भीतर के नायकों की भी प्रशंसा जरूरी

सुनील गावस्कर कलम से

इनक्रेडिबल प्रीमियर लीग के फाइनल से पहले यह लिखा गया है कि इसलिए पिछले दो महीने शानदार खेल दिखाने के लिए दोनों फाइनलिस्ट टीमों को बहुत बधाई। विशेषकर लीग के अंतिम चरण में जहां तापमान इतना अधिक था कि सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी। लीग चरण में जो दो टीमें शीर्ष पर रहीं ट्राफी के लिए होने वाले फाइनल मैच में भी इन्हीं दोनों के बीच मुकाबला होगा। यह ट्राफी वही टीम जीतेगी, जिसमें अधिक भरोसा और जीतने की अधिक चाह होगी। हां, भाग्य भी एक कारण अवश्य बनेगा क्योंकि यह मुकाबला दो बराबर की टीमों का है, जो भी जितेगा वह इसका हकदार अवश्य होगा।

यह वह समय भी है जब टीवी चैनल और प्रिंट मीडिया लीग में अपने सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों को चुन रहे हैं, और हमेशा की तरह, जो नहीं चुने जाते हैं उनके प्रशंसकों के पास कहने के लिए बहुत कुछ होता है। मैदान के बाहर और भीतर के खामोश नायकों की प्रशंसा भी इतनी ही जरूरी है।

मैदान के बाहर के हीरो बीसीसीआइ कार्यालय में हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने क्रिकेट जगत की सबसे बड़ी लीग के आयोजन की योजना बनाना, कार्यक्रम तैयार करना, स्थान चुनना और बारीकियां शुरू कर दी होंगी। वे यह सुनिश्चित करने के लिए आधी रात को कड़ी मेहनत करेंगे कि यह हमेशा की तरह सुचारू रूप से चले। इस बार उन्हें देश में आम चुनावों से जूझना पड़ा और इसलिए खेलों का समय निर्धारित करना थोड़ा दुःस्वप्न जैसा हो गया क्योंकि जहां चुनाव होने वाले थे वहां कुछ दिनों पहले और बाद में शहरों में खेलों की व्यवस्था करना असंभव होता है। इसीलिए शुरुआत में चुनाव की तिथियों की घोषणा नहीं होने पर केवल सात अप्रैल तक के लिए कार्यक्रम जारी किया गया था और जब तिथियों और शहरों का पता चल गया जहां चुनाव होने थे, तो बाकी कार्यक्रम की घोषणा की गई। यहां यह भी ध्यान रखना था कि गर्मियों के बीच में सभी टीमों के लिए पर्याप्त आराम के दिन और यात्रा का समय हो। यह आसान दिखता है, लेकिन यह एक बहुत मुश्किल काम है। फिर, विभिन्न खेलों के लिए अंपायरों और अधिकारियों तथा उनकी यात्रा और होटलों की व्यवस्था करना भी कोई आसान काम नहीं है। गर्मियों में स्कूल की छुट्टियां होती हैं और माता-पिता बच्चों के साथ यात्रा करते हैं, इसलिए अंतिम समय में सीटें प्राप्त करना भी सिरदर्द से कम नहीं होता है। यहीं पर बीसीसीआइ को ऐसे लोगों का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जो तनाव और दबाव में होने के बावजूद हमेशा अपने चेहरे पर मुस्कान रखते हैं और देखते हैं कि सब कुछ सुचारू रूप से चलता रहे। इस वर्ष का आइपीएल जिस तरह से सुचारू रूप से चला, उसे सुनिश्चित करने के लिए बीसीसीआइ मुख्यालय में बैठे लोगों की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। टीवी दर्शक मुख्य रूप से अधिकांश कमेंटेटरों को जानते हैं, लेकिन प्रसारण के असली सितारे मैदान पर और स्टैंड में उपस्थित लोग हैं। ये ऐसे कैमरा पर्सन हैं जो एक भी गेंद नहीं चूकते और जो आपके लिए अब तक देखी गई सबसे अच्छी तस्वीरें लेकर आते हैं। वे दर्शकों को टीवी पर सबसे अच्छा कोण और सबसे अच्छा दृश्य दिखाने के लिए गर्म मौसम में बाहर हैं, पसीना बहा रहे हैं और बहुत असहज हो रहे हैं। कमेंटेटरों के पास समय होता है और इसलिए उन्हें अवकाश मिलता है, लेकिन कैमरामैनों को एक क्षण भी अवकाश नहीं मिलता है और उन्हें हर समय अपने काम पर रहना पड़ता है। जब कोई कमेंटेटर किसी ऐसे खिलाड़ी का नाम लेता है जो मैदान पर या डग-आउट में भी है, तो कैमरा तुरंत उस खिलाड़ी के पास कैसे जाता है? यह एक असाधारण कौशल है और प्रसारण को आगे ले जाता है।

इसी तरह ध्वनि विशेषज्ञ भी हैं जो आपके पास आने वाली ध्वनि की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं और देखते हैं कि प्रसारण में बाधा डालने वाला कोई बाहरी शोर तो नहीं है। फिर प्रसारण कक्ष में सैकड़ों अन्य लोग हैं, जैसे हाकआई, अल्ट्रा-एज और अन्य तकनीकी चीजें जिनका दर्शक अपने टीवी स्क्रीन पर आनंद ले सकते हैं। ये सभी लोग न केवल खेल के हर पल के लिए उपस्थित रहते हैं, बल्कि पहली गेंद फेंके जाने से कुछ घंटे पहले भी मैदान पर मौजूद रहते हैं।

खिताब से एक जीत दूर सिंधू

पीवी सिंधू ● फाइल फोटो, एक्स

कुआलालंपुर, प्रेट्र : दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने शनिवार को यहां थाइलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के विरुद्ध पिछड़ने के बाद शानदार जीत दर्ज करते हुए मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन के फाइनल में अपनी जगह पक्की की। पिछले दो वर्षों से एक भी खिताब जीतने में नाकाम रहीं पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में 88 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में विश्व की 20वें नंबर की बुसानन के विरुद्ध 13-21, 21-16, 21-12 से जीत प्राप्त की। यह बुसानन पर 19 मैचों में उनकी 18वीं जीत थी। बुसानन ने सिंधू को केवल एक बार 2019 हांगकांग ओपन में शिकस्त दी है। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू के सामने फाइनल में चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झांग यी की चुनौती होगी।

आज से शुरू हो रहे दूसरे ग्रैंडस्लैम में राफेल-जोकोविक पर होंगी नजरें

यह मेरा अंतिम फ्रेंच ओपन नहीं : नडाल

पेरिस, रायटर : 14 बार के चैंपियन राफेल नडाल ने रोलां गैरो की शुरुआत से पूर्व कहा कि हो सकता है कि यह मेरा अंतिम फ्रेंच ओपन नहीं हो। पहले ही दौर में चौथे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होने वाले कड़े मैच से पूर्व उन्होंने अगले वर्ष भी फ्रेंच ओपन में खेलने के संकेत दिए। उनके अलावा 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता और गत चैंपियन नोवाक जोकोविक पर भी नजरें होंगी, जिन्होंने इस वर्ष अब तक कोई खिताब नहीं जीता है। जोकोविक को पहले दौर में सोमवार को पी हरबर्ट से भिड़ना है।

स्पेन के दिग्गज खिलाड़ी नडाल अगले महीने 38 वर्ष के हो जाएंगे। पिछले चोट के कारण वह इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले सके थे। उन्होंने कहा था कि 2024 के अंत में वह संन्यास ले सकते हैं। हालांकि, शनिवार को उन्होंने इन बातों को नहीं दोहराया। नडाल ने कहा, 'अगर मुझे यह कहना पड़े कि 100% यह मेरा अंतिम रोलां गैरो है तो मुझे क्षमा कर दीजिए मैं ऐसा नहीं कहूंगा। मैं भविष्यवाणी नहीं कर सकता। मैं आशा करता हूं कि आप इसे समझेंगे। मैं 100% दरवाजा बंद नहीं करना चाहता।'

नोवाक को जीतने का भरोसा नहीं

गत चैंपियन नोवाक जोकोविक ने कहा कि वह स्वयं को इस वर्ष दावेदार नहीं मानते हैं। रोलां गैरो से पहले 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन को शुक्रवार को जेनेवा ओपन के सेमीफाइनल में थामस मैकेक से हार का सामना करना पड़ा। 37 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, 'हां मैं चिंतित हूं। इस वर्ष मेरा प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। मैं इसे स्वीकार करता हूं और मैं यहां स्वयं को प्रबल दावेदार नहीं मानता हूं।'

राफेल नडाल ● फाइल फोटो, एक्स

भारतीय टीम के पहले दल के साथ नहीं गए कोहली व पांड्या

नई दिल्ली, जेएनएन: अमेरिका और वेस्टइंडीज में दो जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए कप्तान रोहित शर्मा की अगुआई भारतीय टीम का पहला दल शनिवार देर शाम न्यूयार्क के लिए मुंबई से रवाना हो गया। हालांकि, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और टीम के उपकप्तान हार्दिक पांड्या पहले दल के साथ रवाना नहीं हुए। क्रिकबज के अनुसार कोहली की कुछ कागजी कार्यवाही बाकी है। वह 30 मई को रवाना हो सकते हैं।

रोहित के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, विश्व नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ शनिवार देर शाम मुंबई हवाई अड्डे से रवाना हुए। साथ ही रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल भी उनके साथ दिखे। कोहली और हार्दिक के अलावा आइपीएल के प्लेआफ में दूसरा क्वालीफायर खेलने वाले राजस्थान रायल्स के खिलाड़ी संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल और युजवेंद्रा चहल भी अभी टीम के साथ रवाना नहीं हुए हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर रोहित व जडेजा ● एक्स

****

> झारखंड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन अच्छा काम कर रहे हैं। मुझे फिलहाल पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, मैं उसे निभाता रहूंगी। भविष्य में भी जो जिम्मेदारी दी जाएगी, उसे इसी तरह निभाऊंगी।

हेमंत जेल चले गए, संघर्ष करना हमारा कर्तव्य

झारखंड में भी इस साल व्यापक राजनीतिक उलटफेर हुआ। सत्तारूढ़ क्षेत्रीय दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद पार्टी में एक शून्यता की स्थिति आई। इसे काफी कम समय में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने भरने की कोशिश की। घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर उन्होंने सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया तो एक

सप्ताह का साक्षात्कार

नया चेहरा लोगों के समक्ष आया, लेकिन पहले क्षण से ही यह चेहरा कमजोर नहीं लगा। एमटेक-एमबीए की डिग्री और हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला व उड़िया भाषा पर अच्छी पकड़ ने उन्हें 'सोशल इंजीनियरिंग' को साधने में मदद की। महज तीन माह में ही वह महागठबंधन की स्टार प्रचारक बन चुकी हैं। राज्यभर में ताबड़तोड़ रैलियां कर रही हैं और स्वयं राज्य की एक विधानसभा सीट गांडेय से उपचुनाव भी लड़ रही हैं। प्रभावी व सधे हुए संबोधनों से वह सीधे लोगों से जुड़ रही हैं। उनके प्रति लोगों का एक आकर्षण है। दैनिक जागरण के झारखंड राज्य ब्यूरो प्रमुख **प्रदीप सिंह** ने **कल्पना सोरेन** से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। पेश है कुछ प्रमुख अंश :

● आप गांडेय से विधानसभा का उपचुनाव लड़ रही हैं। चर्चा है कि आप आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री पद की दावेदार हैं। कुछ लोग यह भी कहते हैं कि आप अभी भी सरकार चला रही हैं, क्या कहेंगी?

– अभी मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन बहुत बेहतर से काम कर रहे हैं। विकट परिस्थितियों में उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। ऐसे में यह सवाल पूछना ही गलत है। रही बात मेरी तो मैं झामुमो की सिपाही हूं। पार्टी द्वारा जो भी जिम्मेदारी मुझे दी जाएगी, उसे निभाऊंगी। पार्टी के निर्देश पर ही चुनाव लड़ रही हूं। अभी हमारे नेता हेमंत सोरेन जेल में हैं और हम सबके अभिभावक व पार्टी अध्यक्ष शिबू सोरेन बढ़ती उम्र के कारण पूरी तरह स्वस्थ नहीं हैं। ऐसे में हम सभी का कर्तव्य है कि संघर्ष करें। इतना कह सकती हूं कि किसी भी परिस्थिति में भी हम झुकेंगे नहीं, आगे बढ़ेंगे। हमारी कोशिश है कि हम पार्टी के ज्यादा से ज्यादा कार्यक्रमों में जाएं और अपना प्रचार अभियान लगातार तेज करें। जहां तक मेरे सामने आने की बात है तो इतना कहूंगी कि हेमंत सोरेन को एक मजबूत आवाज की जरूरत है और अगर यह आवाज उनके घर से ही है तो इसमें गलत क्या है।

● आपने विपरीत परिस्थितियों में राजनीति में कदम रखा है। आपके पति जेल में हैं। आप लगातार चुनाव प्रचार कर रही हैं। आपको यह सब कितना चुनौतीपूर्ण लग रहा है।

– देखिए, मुझे लगता है कि हेमंत सोरेन के जेल जाने से झारखंड के लोग परेशान हैं। मैं जब चुनावी सभाओं में जाती हूं तो लोग मुझसे सर (हेमंत सोरेन) के बारे में बातें करते हैं। उनकी योजनाओं की बातें करते हैं। यह मेरे लिए भावुक करने वाला क्षण होता है। मुझे लगता है कि मेरी परेशानी उन लोगों की परेशानी से छोटी है। जनसंपर्क के दौरान मुझे लोग अपना आवास दिखाते हैं, हरा राशन कार्ड दिखाते हैं और कहते हैं कि यह हेमंतजी की वजह से मिला। लोगों का स्नेह उनके साथ है। मुझे देखकर लग रहा है कि अपनी परेशानी को छोड़कर जनता के अपार स्नेह को स्वीकार करना है। मैं पार्टी के लोगों, समर्थकों और सभी लोगों का आभार प्रकट करती हूं कि वह सब मेरा इतना साथ दे रहे हैं।

● आप अपने पति के जेल जाने को चुनाव में मुद्दा बना रही हैं और इसे गलत बता रही हैं, ऐसा क्यों ?

– देखिए, मुद्दा हमने नहीं बनाया, यह स्वयं मुद्दा बन चुका है। हेमंत सोरेन जेल में हैं, लेकिन राज्य की साढ़े तीन करोड़ जनता उनके साथ है। मैं तो जहां भी जाती हूं, लोगों का आक्रोश देखती हूं। अपने नेता को जेल में देखकर वे आक्रोशित हैं। जनता तो मन बना चुकी है। मुझे भरोसा है कि हम झारखंड की सभी 14 सीटें जीतेंगे।

● भाजपा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आपकी पार्टी और गठबंधन के नेताओं को कठघरे में खड़ा करती है, इस पर क्या कहेंगी?

– जो गलत करते हैं, उन्हें दोष साबित होने पर सजा मिलनी चाहिए, लेकिन निष्पक्ष जांच हो। अभी केंद्रीय एजेंसियां भाजपा और केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही हैं। भाजपा के विरोधियों को निशाना बनाया जा रहा है। पिछड़ों के आरक्षण पर बात आगे नहीं बढ़ती है। केंद्र सरकार से बकाया मांगते हैं तो नहीं मिलता है। यह तो कोई करप्शन नहीं है। हम 20 वर्षों से हक मांग रहे हैं। झारखंड की जमीन से सोना निकाल लेते हैं और रायल्टी नहीं देते हैं। 1.36 लाख करोड़ से अधिक झारखंड का कोयला रायल्टी मद में केंद्र पर बकाया है। इसे मांगना क्या भ्रष्टाचार है? झारखंड के साथ हमेशा सौतेला व्यवहार किया गया। भाजपा ने सुनियोजित षडयंत्र के तहत अपने विरोधियों को जेल भेजा है। जिनसे इन्हें ज्यादा खतरा महसूस होता था, उन लोगों में हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं, इसलिए उन्हें पर्याप्त सबूत नहीं होने के बाद भी जेल भेज दिया।

● लोकसभा चुनाव में किन मुद्दों पर आप लोगों के बीच हैं। आपको कैसे परिणाम की अपेक्षा है?

– मैं कहती हूं कि ये चुनाव भाजपा बनाम जनता का है। 2014 में जो वादे इन्होंने किए थे, वह वादे कहां गए? संकल्प इन्होंने तोड़ दिया। करोड़ों नौकरी, हर आदमी के खाते में 15 लाख कहां गए? वैसी तस्वीर कहां है? मणिपुर जल रहा है, कोई बात नहीं हो रही है मणिपुर पर। किसानों से भी कोई बात नहीं करते। जो मुद्दे की बात करेगा, उसे जेल में डाल देंगे। जवाब देने की बजाय ये मौन धारण किए हुए हैं। झारखंड में 1932 का खतियान, सरना धर्मकोड समेत जल, जंगल, जमीन से जुड़े मुद्दे हैं। भाजपा इन मुद्दों पर दोहरा रवैया अपनाती है। हम जनता से अपील कर रहे हैं कि वह असलियत पहचानें।

● आप जिन बातों का जिक्र कर रही हैं, उसका उल्लेख आप हेमंत सोरेन से मुलाकात के दौरान करती हैं तो उनकी किस प्रकार की प्रतिक्रिया होती है?

– उनका बहुत ज्यादा साथ मिलता है। वह कहते हैं कि जनता के बीच ज्यादा से ज्यादा जाना। अपने चुनाव के अलावा पूरे राज्य में झामुमो और गठबंधन में शामिल सभी दलों के सभी प्रत्याशियों के लिए प्रचार करना। वह राज्य के जल, जंगल, जमीन के मुद्दों की चर्चा करते हैं और पार्टी के नियम-सिद्धांतों व रणनीति की जानकारी मुझे देते रहते हैं। मेरा मार्गदर्शन करते हैं। यही वजह है कि इस कठिन समय में भी मैं अकेली नहीं हूं।

● जिस प्रकार से राज्य में ईडी की कार्रवाई चल रही थी, वैसे में कभी हेमंत सोरेन ने आपसे उल्लेख किया कि क्या परिणाम हो सकता है? गिरफ्तारी की कोई आशंका पहले उन्होंने प्रकट की थी?

– हम लोगों ने सोचा था कि ये परेशान कर सकते हैं। इलेक्शन के बीच में ईडी आफिस जाना होगा, जब उनके अधिकारी बुलाएंगे। मेहनत ज्यादा हो जाएगी। इतना तक तो सोचा था। जेल जाने का कभी नहीं सोचा था। ये घटना 31 जनवरी को जो हुई, उससे हम लोग सदमे में चले गए। चुनाव से पहले ऐसा हुआ। ये घटना तकलीफदेह है। वे (हेमंत सोरेन) झारखंड के लोगों के लिए काम कर रहे थे। उन्हें षड्यंत्र कर अंदर कर दिया।

● विपरीत परिस्थितियों में आपके परिवार की एक अहम सदस्य सीता सोरेन भाजपा में चली गईं। क्या आपको लगता है कि उनकी वापसी हो सकती है?

– अभी संकट का समय है, सबको साथ मिलकर चलने की जरूरत थी। फिर भी दीदी (सीता सोरेन) का निर्णय व्यक्तिगत था। छोटी बहन के नाते मेरी शुभकामना उनके साथ है। कभी इस बारे में उनसे चर्चा नहीं हुई। उनकी वापसी के बारे में मैं कुछ नहीं कह सकती हूं। अभी यह सवाल भी सामने नहीं आया है। अगर ऐसी परिस्थिति आती है तो पार्टी को निर्णय लेना है। फिलहाल पार्टी ने उन पर कार्रवाई करते हुए निष्कासित किया है। यह विचारधारा की लड़ाई है। चुनाव हम मुद्दों पर लड़ रहे हैं। संविधान को बचाना है।

● आपका दायरा पहले परिवार की देखभाल तक सिमटा हुआ था। व्यस्तता बढ़ने के बाद अब उन जिम्मेदारियों की ओर कितना ध्यान दे पाती हैं?

– यह थोड़ा डिफिकल्ट (कठिन) सवाल है। समय निकालना तो मुश्किल हो जाता है। चुनाव प्रचार में रहती हूं तो बच्चे भी साथ होते हैं। उन्हें जनसंपर्क में लेकर जाती हूं। उनका योगदान रहता है तो मेरी ऊर्जा बनी रहती है। वक्त मिला है तो बच्चों को भी लोगों से मिलाने लाई हूं। झारखंड ही हमारा परिवार है। इनसे मिलकर मजबूती का अहसास करती हूं।

● देश के अन्य राज्यों से भी आपको प्रचार अभियान के लिए आमंत्रण आ रहा है। वहां प्रचार के लिए जाएंगी?

– अभी झारखंड में अधिक जिम्मेदारी है। लोग बुला रहे हैं। बड़ी रैलियों में जा भी रही हूं। अभी हेमंत सोरेन नहीं हैं तो राज्य के प्रति मेरी जिम्मेदारी ज्यादा है। अभी झारखंड पर ही ज्यादा फोकस करना है। हां, इतना जरूर कहूंगी कि आइएनडीआइए के सभी दल एकजुटता से एकसाथ खड़े हैं। हेमंत सोरेन की लड़ाई में भी गठबंधन साथ खड़ा है। मुझे राहुल गांधी ने न्याय रैली समेत तमाम सभाओं में संबोधन का मौका दिया। दिल्ली के रामलीला मैदान में भी हमने एक होकर आवाज उठाई।

● आप सेना की पृष्ठभूमि वाले परिवार से आती हैं?

– जी, बिलकुल। मेरे पिता एक सेवानिवृत्त सेना अधिकारी हैं। हमारा जीवन व्यवस्थित और अनुशासित था। जब से वे सेना में थे, मैं पंजाब, हरियाणा, उप्र और कोलकाता में रही हूं। हम मूल रूप से ओडिशा से हैं। मेरी खुश किस्मती है कि अलग-अलग राज्यों में रहने के दौरान मेरी भाषाओं पर पकड़ बनी और आज मुझे इसका फायदा मिल रहा है।

● पिता की कोई सीख, जिसे आप इन हालातों में सबसे ज्यादा याद करती हैं?

– मेरे पिता ने मुझे हमेशा डरना नहीं सिखाया। उन्होंने मुझे अपनी बात खुद रखना सिखाया। वे श्रीलंका में शांति सेना का हिस्सा थे और सीमा पर सेवा की। एक सैनिक की बेटी होने के नाते मुझे विरासत में योद्धा के गुण मिले हैं।

● तो यह आत्मविश्वास वहीं से आता है?

– यह आत्मविश्वास मेरे आदिवासी डीएनए से आता है, जो मुझे मेरे माता-पिता से मिला है। मेरे ससुर, मेरे पति और सोरेन परिवार ने उस कौशल को मांझा है।

● कुछ महीने पहले तक आप जो जीवन जी रही थीं, वह कैसा था?

– सीधे तौर पर राजनीति से मेरा कोई वास्ता नहीं था। मेरे पास वंचित परिवारों के बच्चों के लिए एक छोटा सा स्कूल है। मेरा अपना व्यवसाय है, जिसे मैं देखती थी लेकिन मेरी पहली प्राथमिकता मेरा परिवार था क्योंकि हमें अपने बच्चों को इस तरह से बड़ा करना है कि वे हमारी आदिवासी संस्कृति के बारे में जानें।

● आप दिल्ली में इंडिया ब्लाक रैली में अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता से मिलीं। यह आप दोनों के लिए एक भावनात्मक क्षण रहा होगा।

– हमने मजबूत बने रहने की बात की। हेमंत जी और केजरीवाल जी नहीं झुके, तो हम कैसे झुक सकते हैं? जब वह रांची आईं, तो उन्होंने मुझसे कहा, 'हम आपके साथ हैं। अरविंद केजरीवाल जी झारखंड के साथ हैं।' जब महामारी के दौरान दिल्ली में आक्सीजन की कमी हुई, तो हेमंत सोरेन ने यहां से आक्सीजन सिलेंडर भिजवाए थे। हमारा वह संबंध है। इस लड़ाई में भी हम साथ हैं।

---

20 किलो की गुलाबी ड्रेस में नैंसी ने बिखेरे जलवे

कांस में छाई गांव की छोरी नैंसी

ऊंची उड़ान

बागपत के एक छोटे से गांव की लड़की कांस फिल्म महोत्सव में शिरकत कर आज सभी के आकर्षण का केंद्र बनी है। बमुश्किल दो साल पहले इंटरनेट मीडिया पर कंटेंट क्रिएटर के तौर शुरू हुआ उसका सफर सितारों की दुनिया तक जा पहुंचा। हम बात कर रहे हैं नैंसी त्यागी की। 21 साल की इस लड़की के बारे में आज हर कोई जानना चाहता है। कांस महोत्सव में रेड कार्पेट पर अपनी डिजाइन की हुई 20 किलो की गुलाबी ड्रेस में जब नैंसी ने जलवा बिखेरा तो सबने पूछा कैसा महसूस कर रही हैं। नैंसी ने इसके जवाब में यही कहा कि यह तो उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था। आइए, जानते हैं कांस जाकर छा जाने वाली गांव की इस छोरी के बारे में :

आशु सिंह ● जागरण

बागपत: दिल्ली की फैशन डिजाइनर नैंसी त्यागी ने अपनी असाधारण डिजाइन प्रतिभा से सभी का दिल जीत लिया है। कान्स में उनके डेब्यू का पूरे देश में जश्न मनाया जा रहा है और वह जो सम्मान पा रही हैं, उसकी हकदार हैं।

मूलतः उप्र के जनपद बागपत के बरनावा गांव की रहने वाली नैंसी त्यागी ने प्रारंभिक से लेकर 10वीं तक की शिक्षा अपने ननिहाल रोहाना कलां में प्राप्त की। फिर वापस अपने गांव आ गई। मेरठ के हर्रा गांव स्थित इंटर कालेज से 12वीं की परीक्षा पास की। उसके बाद दिल्ली में इग्नू से ग्रेजुएशन किया। उसने दिल्ली जाकर यूपीएससी की तैयारी करने का मन बनाया। चार वर्ष पूर्व मां माया त्यागी व छोटे भाई मनु के साथ दिल्ली में जौहरी एन्क्लेव में किराए पर मकान लिया। यूपीएससी की तैयारी से जल्द ही मन उचट गया। नैंसी के पिता गजेंद्र त्यागी की गांव में थोड़ी खेतीबाड़ी है और एक टैक्सी को किराए पर चलाते हैं। दिल्ली में रहकर आर्थिक समस्याएं आनी शुरू हो गईं तो नैंसी ने पिता से रुपये लेकर कैमरा खरीदा। विभिन्न परिधानों में वीडियो बनाकर यूट्यूब व इंस्टाग्राम पर अपलोड करनी शुरू की। इंस्टाग्राम पर पहली रील 19 मार्च 2022 को आई जिसे केवल 500 से कुछ अधिक लाइक्स मिले। धीरे-धीरे नैंसी के फालोवर बढ़ने शुरू हुए तो आर्थिक समस्याएं दूर होने लगीं। नैंसी ने कान फेस्टीवल में सिर्फ पश्चिमी शैली के गाउन ही नहीं पहनें बल्कि भारतीय कारीगरी और साड़ी लुक को भी फैशन के उस मंच तक पहुंचाया। कढ़ाई की हुई डिजाइनर साड़ी ने कालातीत साड़ी लुक को एक समकालीन मोड़ दिया। इसे काफी पसंद किया जा रहा है।

खुद डिजाइन कर बनाई ड्रेस

नैंसी ने स्क्रैच से खुद ड्रेस डिजाइन करनी शुरू की। इसमें उनकी मां का भी सहयोग रहा। ड्रेस पहनकर कंटेंट क्रिएट करना शुरू किया। 10 महीने में आकर्षक परिधानों में उनके वीडियो को देखने वाले प्रशंसकों की संख्या बढ़ने लगी। 100 दिन तक अलग-अलग ड्रेस में वीडियो बनाकर अपलोड किए। अब इंस्टाग्राम पर उनके फालोवर की संख्या डेढ़ मिलियन तक पहुंच गई है।

मां माया त्यागी के साथ नैंसी। स्वयं

गजेंद्र त्यागी।

बेटी पर है नाज

नैंसी त्यागी के पिता गजेंद्र त्यागी बरनावा गांव में ही रहते हैं। जब उन्हें अपनी बेटी की फ्रांस में की गई परफार्मेंस का पता चला तो उन्हें बहुत खुशी हुई। वे कहते हैं कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी बेटी भविष्य में भी उपलब्धि हासिल कर नाम रोशन करेगी। उन्हें अपनी बेटी पर नाज है।

नेशनल क्रिएटर्स अवार्ड से मिली पहचान

देश में इस वर्ष पहली बार शुरू हुए नेशनल क्रिएटर्स अवार्ड में दो श्रेणियों में नैंसी को नामांकन मिला। वे अवार्ड तो नहीं जीत सकीं लेकिन इससे उनको पहचान जरूर मिली। इसके बाद उन्हें 77 वें कांस फिल्म महोत्सव के लिए निमंत्रण मिला और वे दुनियाभर में छा गईं। वहां नैंसी ने करीब एक हजार मीटर कपड़े से खुद का बनाया गाउन पहनकर रेड कार्पेट पर वाक किया तो हर किसी ने सराहना की। आज सोनम कपूर जैसे नामचीन सितारे नैंसी के हुनर को सलाम कर रहे हैं। उनके पास स्पांसर की कतार लग गई है।

'क्वीन आफ मिलेट' रायमती घुरिया

जड़ों से जुड़ाव

नई दिल्ली, जागरण : नेशनल डेस्क : ओडिशा के कोरापुट जिले की रहने वाली रायमती घुरिया ने अब तक मिलेट की 30 से अधिक किस्मों को संरक्षित किया है। सातवीं पास रायमती का कृषि और बीज संरक्षण के प्रति लगाव आज उनकी पहचान बन गया है। लोगों ने 'क्वीन आफ मिलेट' का खिताब दिया है। यह किसी भी वैश्विक स्तर पर की संस्थान द्वारा दिए गए पुरस्कार से कहीं अधिक श्रेष्ठ है। आइए, जानते हैं इनके बारे में :

रायमती घुरिया। इंटरनेट मीडिया

102 पारंपरिक किस्मों को किया संरक्षित

रायमती घुरिया ओडिशा के कोरापुट जिले के एक आदिवासी किसान परिवार में जन्मीं। बचपन से ही माता-पिता को खेत पर काम करते हुए देखा। धीरे-धीरे यह शौक में बदल गया। वह अब तक धान की 72 और मिलेट की कम से कम पारंपरिक 30 किस्मों को संरक्षित कर चुकी हैं। इनमें कुंद्रा, बाटी, मंडिया, जसरा, जुआना और जामकोली जैसे दुर्लभ किस्में शामिल हैं।

स्कूल की पढ़ाई याद नहीं...

रायमती कहती हैं, मुझे स्कूल की कोई भी शिक्षा याद नहीं है। 16 साल की छोटी उम्र में शादी होने के बाद उनका जीवन घर के काम में ही उलझ कर रह गया था। बावजूद इसके उन्होंने अपने आप को खेती से कभी दूर नहीं किया। आस-पास के किसानों के साथ मिलकर मिलेट की किस्मों को संरक्षित करना शुरू किया। इस दौरान वह पद्म श्री पुरस्कार विजेता कमला पुजारी के संपर्क में आईं और उनसे प्रेरित हुईं।

गांव में खोला फार्म स्कूल

उन्होंने इस काम के लिए अपने गांव में एक फार्म स्कूल भी बनवाया है। यह रायमती के प्रयास ही है, जिसके कारण आज वह अपने गांव से निकलकर नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन तक पहुंच गईं। रायमती और उनके प्रयास युवाओं को भी प्रेरणा दे रहे हैं।

2500 किसानों को किया प्रशिक्षित

अपने काम के लिए वह चेन्नई स्थित एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ) नाम की संस्था से जुड़ीं, जहां उन्होंने आधुनिक संरक्षण का कौशल सीखा। गांव की महिलाओं को ट्रैनिंग देना शुरू किया। वह अब तक लगभग 2,500 किसानों को मिलेट की खेती का प्रशिक्षण दे चुकी हैं। रायमती ने महिलाओं को मिलेट के पकोड़े और लड्डू जैसे उत्पाद बनाकर बाजार में बेचने के लिए भी प्रेरित किया।

वैज्ञानिक शोध और अर्थशास्त्र की गणना... क्रांति करने चल पड़े हैं आइआइटी के प्रोफेसर

उपलब्धि

आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर को माइक्रो इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बेहतर कार्यों के लिए आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर शोईबाल मुखर्जी को ग्लोबल 2024 माइक्रो इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग जर्नल मिडिल केरियर इन्वेस्टिगेटर अवार्ड और लेक्चरशिप प्राप्त हुई है। विज्ञान जगत से जुड़े लोगों का मानना है कि यह शोध पर्यावरण, कृषि और स्वास्थ के क्षेत्र में क्रांति लाएगा। खास बात यह है कि उनके शोध सिर्फ जर्नल्स तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने इसे धरातल पर उतारने का काम किया है। उनके द्वारा बनाए गए प्रोटोटाइप पर मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों ने काम करना शुरू कर दिया है। जल्दी ही यह बाजार में उपलब्ध होगा। आइए, जानते हैं यह प्रतिष्ठित अवार्ड पाने वाले वह देश के इकलौते विज्ञानी और इस काम में उनकी सहयोगी बनीं उनकी पत्नी पल्लवी के बारे में :

9 पेटेंट हैं प्रोफेसर शोईबाल के पास, जो आइआइटी इंदौर में सर्वाधिक

4 और पेटेंट के लिए फाइल किए जा चुके हैं

250 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं

प्रोफेसर शोईबाल मुखर्जी पत्नी डा. पल्लवी व शोध टीम के सदस्य डा. चंद्रभान पटेल, मयंक दुबे, सुमित चौधरी, विकास शर्मा, ब्रह्मदत्त महापात्रा और अजित यादव के साथ। स्वयं

आदर्श सिंह ● जागरण

इंदौर: आइआइटी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर शोईबाल मुखर्जी को यह अवार्ड पर्यावरण निगरानी से लेकर कृषि और स्वास्थ्य देखभाल तक के अनुप्रयोगों के लिए एआइ-आइओटी आधारित क्वांटम उत्पादों के क्षेत्र में योगदान देने के लिए मिला है। एल्सेवियर की जर्नल प्रकाशक चेन लिन की निगरानी में छह अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक पैनल ने इस पुरस्कार के विजेता का चयन किया है। यह पुरस्कार भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन को बढ़ावा देगा और सेमीकंडक्ट डिजाइन और मैन्यूफैक्चरिंग को एक नई दिशा देगा। यह अवार्ड सिंगापुर में 15 से 18 जुलाई को आइईईई इंटरनेशनल सिंपोजियम आन द फिजिकल एंड फेल्योर एनालिसिस आफ इंटीग्रेटेड सर्किट्स (आइपीएफए) 2024 के 31वें संस्करण के आयोजन के दौरान उन्हें यह अवार्ड दिया जाएगा। यहां पर वह क्वांटम-टेक्नोलाजी मेमोरी इन बायोमेडिकल इमेज प्रोसेसिंग, एग्रीकल्चर एंड लाजिक सर्किट्स विषय पर व्याख्यान भी देंगे।

मूलतः बंगाल के रहने वाले शोईबाल की बचपन से ही शोध में रुचि थी। कल्याणी से बैचलर्स आफ टेक्नोलाजी (बीटेक) की डिग्री लेने के बाद उन्होंने आइआइटी खड़गपुर से एमटेक किया। उसके बाद वर्ष अमेरिका के ओक्लाहोमा विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में पीएचडी की। वर्ष 2009-2010 में उन्होंने नार्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी से पोस्ट डाक्टरल शोध कार्य किया। 2010 में वह भारत लौटे और आइआइटी इंदौर में काम शुरू किया।

25 सेकंड में बताएगा यूरिक एसिड की मात्रा : प्रोफेसर मुखर्जी के निर्देशन में तैयार की गई प्रौद्योगिकी कृषि, स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में काफी उपयोगी साबित होगी। उन्होंने हाल ही में अपने डीप टेक उद्यम क्वानटेकएल2एम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत एक क्वांटम बायो-सेंसर उपकरण तैयार किया है। इससे शरीर में यूरिक एसिड के स्तर की 25 सेकंड में सटीक जानकारी मिल सकेगी। इसका ह्यूमन क्लीनिकल ट्रायल एम्स भोपाल में चल रहा है।

ई-नोज डिवाइस जहरीली गैसों को पकड़ेगा

उन्होंने एक ई-नोज डिवाइस फार बायो गैस सेंसर भी बनाया है, जिसकी मदद से उद्योगों, सीवरेज और कोयला खदान में जहरीली गैसों से होने वाले बड़े हादसों को टालने में उपयोगी साबित होगा। यह डिवाइस गैस के रिसाव होते ही अलर्ट जारी करेगा। इसी प्रकार मिट्टी के अवगुण बताने वाला सेंसर आधारित हैंड्हेल्ड उपकरण तैयार किया है। इसका उपयोग किसान आसानी से कर सकते हैं।

स्टार्टअप का श्रेय पत्नी पल्लबी को

प्रोफेसर शोईबाल द्वारा किए गए शोध की खासीयत यह है कि यह सिर्फ जर्नल्स या किताबों तक ही सीमित नहीं है। स्टार्टअप कंपनी के जरिये वह इन उपकरणों को बाजार में लांच करने जा रहे हैं। इसका श्रेय वह पत्नी पल्लबी को देते हैं। अर्थशास्त्र की प्रोफेसर पल्लवी बताती हैं अमेरिका में जब शोईबाल शोध कर रहे थे, तो मुझे लगा कि यह शोध हमारे देश में क्रांति ला सकता है। आर्थिक पहलूओं पर काम करते हुए स्टार्टअप बनाया और उपकरण डिजाइन करना शुरू किया।

2014 में शुरू हुआ था अवार्ड

सेमीकंडक्टर मिशन को मिलेगा बढ़ावा माइक्रो इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग जर्नल मिडिल कैरियर इन्वेस्टिगेटर अवार्ड की शुरुआत एल्सेवियर प्रकाशक द्वारा वर्ष 2014 में हुई थी। यह पुरस्कार माइक्रो नैनो-इलेक्ट्रानिक सामाग्रियों, उपकरणों और सर्किटों के निर्माण और शोध के क्षेत्र में कार्य करने वालों को प्रदान किया जाता है। हर वर्ष अलग-अलग देश में अवार्ड प्रदान के लिए आयोजन होता है, जिसमें विजेता को सम्मानित किया जाता है।

****

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 26 मई, 2024
आजकल
14
www.jagran.com

सौरव और राहुल ने की 318 रनों की रिकार्ड साझेदारी

1999 में आज ही के दिन सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ ने विश्व कप मैच में श्रीलंका के विरुद्ध खेलते हुए 318 रनों की साझेदारी की थी। उस समय वन-डे क्रिकेट में यह किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी थी। मैच में भारत ने छह विकेट पर 373 रन बनाए थे।

इसरो ने लांच किया समुद्री अध्ययन के लिए बनाया पहला सेटेलाइट

1999 में आज ही इसरो ने ओशनसैट-1 सेटेलाइट लांच किया था। समुद्र विज्ञान संबंधी अध्ययन करने वाला यह पहला सेटेलाइट था। इसका वजन 1,050 किलोग्राम था और इसे पीएसएलवी-सी2 के जरिये प्रक्षेपित किया गया था। आठ अगस्त, 2010 को इसका मिशन समाप्त हुआ था।

गलत नीतियों को उजागर करने पर नजरबंद रहे छगनराज

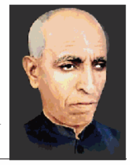

प्रसिद्ध क्रांतिकारी छगनराज चौपासनीवाला का जन्म 1912 में आज ही राजस्थान के जोधपुर में हुआ था। गांधीजी से प्रभावित होकर स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गए। बाल भारत सभा, मारवाड़ हितकारिणी सभा जैसी कई संस्थाओं की स्थापना में योगदान देकर स्वतंत्रता आंदोलन को गति प्रदान की। 1932 में जोधपुर में तिरंगा फहराया। इसी वर्ष ब्रिटिश सरकार की गलत नीतियों का विरोध करने पर उन्हें नजरबंद कर दिया गया। उन्होंने खादी ग्राम उद्योग को बढ़ावा देने में भी भूमिका निभाई थी।

कार्य स्थल पर मित्रता : पेशेवर रहते हुए बनाए जा सकते हैं बेहतर संबंध

खराब कार्य संस्कृति के कारण 2021 में 43 लाख अमेरिकियों ने नौकरियां छोड़ दी

हममें से अधिकांश लोग ये बंधन स्वाभाविक रूप से बनाते हैं क्योंकि हम जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा काम

शिकागो, प्रेट्र: व्यक्तिगत और संगठनात्मक सफलता के लिए कार्य स्थल में सार्थक संबंध होना आवश्यक है। हममें से अधिकांश लोग ये बंधन स्वाभाविक रूप से बनाते हैं क्योंकि हम जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा काम पर बिताते हैं।

कालेज छोड़ने के बाद 20 साल की उम्र में कई लोग करियर में अवसरों लिए नए शहरों में चले जाते हैं, जहां उन्हें शुरू से ही एक नया सामाजिक दायरा बनाने की चुनौती का सामना करना पड़ता है। लोगों के जुड़ने के लिए कार्य स्थल आदर्श स्थान बन जाता है। काम के बाद पेय पदार्थ लेना, टीम भावना से खेल खेलना या भोजन साझा करना जैसी गतिविधियां सहकर्मियों के साथ संबंध बनाने के अवसर के रूप में काम करती हैं। ये बातचीत न केवल अलगाव की भावनाओं से निपटने में मदद करती है, बल्कि दैनिक कार्य की दिनचर्या में सौहार्द व समर्थन को भी जोड़ते हैं। हालांकि, जैसे जैसे व्यक्ति शादी करने या परिवार शुरू करने तक पहुंचते हैं, जीवन में उनकी प्राथमिकताएं स्वाभाविक रूप से बदल जाती हैं। काम के बाद मौजमस्ती व आकस्मिक मुलाकातें पारिवारिक प्रतिबद्धताओं और घरेलू जिम्मेदारियों से पीछे हटने लगती हैं। समय के साथ कार्य स्थल की मित्रता को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। पेशेवर विकास और किसी के निजी जीवन में संतुलन बनाने से अक्सर इन रिश्तों की आवृत्ति और गहराई में कमी आती है, जबकि पहले से स्थापित संबंध बरकरार रहते हैं।

वर्कप्लेस पर मित्र बनाना है जरूरी: सामान्य सहकर्मी के बीच संबंध और सच्ची मित्रता के बीच अंतर है। सामान्यतया जिन लोगों के साथ हम काम करते हैं, जरूरी नहीं कि वे दोस्त हों। हमारे व्यक्तिगत जीवन में किसी को अपने मित्रों के समूह में लाने के लिए विश्वास बनाने में अक्सर वर्षों लग जाते हैं। फिर भी हममें से कई लोग उन सहकर्मियों के साथ अक्सर वर्षों तक मित्रता विकसित करते हैं। उदाहरण के लिए, मैंने काम के दौरान ऐसे दोस्त बनाए हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं और उन पर बहुत भरोसा करता हूं। मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक वह व्यक्ति है जिससे मैं काम के दौरान मिला था। मेरे उस कार्य स्थल को छोड़ने के बाद भी दोस्ती लंबे समय तक कायम रही। जैसाकि कहा गया है कि क्या मैं सबसे गहरे, रहस्यों को काम के दोस्तों के साथ साझा करता हूँ? इसका उत्तर है- नहीं। तो फिर क्या कार्यस्थल का मित्र इसके लायक है? हां। कमजोर संबंधों वाले रिश्ते भी फायदेमंद हो सकते हैं, लेकिन यह रिश्ते की गहराई व प्रकृति पर निर्भर है।

2021 का सर्वेक्षण

57 प्रतिशत श्रमिकों ने कहा कि काम पर एक दोस्त होने से नौकरी की संतुष्टि में वृद्धि हुई

22 प्रतिशत प्रतिभागियों का मानना है कि कार्य स्थल पर मित्रता से उनकी कार्यक्षमता बढ़ती है

21 प्रतिशत ने सोचा कि कार्यस्थल पर जुड़ाव ने हमें नवाचार के लिए किया प्रेरित

कार्य स्थल पर मित्रता के लाभ

मित्रता से पर्याप्त लाभ हो सकता है। कार्य स्थल पर दोस्ती और खुशी को लेकर 2021 के सर्वेक्षण में पाया गया कि 57 प्रतिशत श्रमिकों ने कहा कि काम पर एक दोस्त होने से नौकरी की संतुष्टि में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 22 प्रतिशत प्रतिभागियों का मानना है कि कार्य स्थल पर मित्रता से कार्यक्षमता बढ़ती है। अन्य 21 प्रतिशत ने सोचा कि इन जुड़ाव ने हमें नवाचार के लिए प्रेरित किया। जब कर्मचारी खुश, व्यस्त और उत्पादक होते हैं और संगठन व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करता है, तो उनकी क्षमता को पूरा करने की अधिक संभावना होती है। **कार्य स्थल** के लिए जुड़ाव और समुदाय आवश्यक है। वे हमें अपनेपन की भावना पैदा करने में मदद करते हैं। ये हमारे नियोक्ताओं के साथ हमारे मनोवैज्ञानिक अनुबंधों को मजबूत करते हैं और हमें प्रेरित और कुशल बनने में मदद करते हैं। मजबूत रिश्ते सहकर्मियों के बीच संचार और सलाह साझा करने की सुविधा प्रदान करते हैं।

कार्य स्थल की मित्रता के नकारात्मक पहलू

कार्य स्थल की मित्रता का नकारात्मक पहलू भी हो सकता है। रिश्तों की अफवाहों, भाई-भतीजावाद और पक्षपात आदि के कारण कार्य स्थल पर मित्रता समस्याग्रस्त हो सकती है। "काम" और "खेल" की अवधारणा अक्सर तब टकराती है, जब करियर के लक्ष्य एक-दूसरे से टकराते हैं। जब काम के दौरान कोई टकराव होता है तो बदतर स्थिति हो सकती है। जैसा कि कहा गया है, स्पष्ट सीमाओं और संचार के साथ इनमें से कई मुद्दों को कम किया जा सकता है।

अंतर पीढ़ीगत की मित्रता

कार्य स्थल पर पीढ़ीगत अंतर के बीच मित्रता विकसित करना महत्वपूर्ण है। इन सार्थक रिश्तों से अधिकतम लाभ उठाने के लिए नेटवर्क का विस्तार करने पर विचार करना चाहिए। हालांकि, पर्यवेक्षकों के साथ मित्रता बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस तरह के रिश्ते भाई-भतीजावाद और भाई-भतीजावाद का खतरा उठाते हैं और कार्यस्थल की अखंडता और प्रभावशीलता को कमजोर करते हैं।

कार्य स्थल पर मित्रता से नौकरी के अवसरों की तलाश होती है कम

कार्य स्थल के मित्रों से केवल कर्मचारी ही लाभान्वित नहीं होते, नियोक्ताओं के लिए भी महत्वपूर्ण लाभ होते हैं। उदाहरण के लिए, सम्मानजनक और समावेशी कार्य संस्कृति के माध्यम से कर्मचारी के जुड़ाव को बढ़ावा देने से कर्मचारी के टर्नओवर दर में कमी आती है। काम पर दोस्तों के साथ काम करने वाले कर्मचारियों में भूमिकाओं के प्रति जुनूनी महसूस होने की संभावना दोगुनी होती है। ये व्यक्ति ग्राहकों के साथ बातचीत करते हैं। ये उच्च गुणवत्ता वाले काम करते हैं और बिना काम वाले दोस्तों की तुलना में समग्र रूप से बेहतर कल्याण के काम करते हैं। कार्य स्थल पर मित्रता के कारण लोगों में नौकरी के अन्य अवसरों की तलाश कम हो जाती है। कार्य स्थल संस्कृति का यह तत्व महत्वपूर्ण हो गया है। अकेले अगस्त 2021 में 43 लाख अमेरिकियों ने नौकरियां छोड़ दीं।

अनसुया सेनगुप्ता को कान में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार

कान फिल्म समारोह में फिल्म 'द शेमलेस' में अपने प्रदर्शन के लिए वर्ष 2024 के अन सर्टेन रिगार्ड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली अनसूया सेनगुप्ता। प्रेट्र

कान, प्रेट्र : बुल्गारिया के निर्देशक कांस्टांटिन बोजानोव की हिंदी भाषी फिल्म 'द शेमलेस' के प्रमुख कलाकारों में से एक अनसुया सेनगुप्ता ने कान फिल्म महोत्सव में 'अन सर्टेन रिगार्ड' श्रेणी के तहत सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया है। कोलकाता की रहने वाली सेनगुप्ता इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय हैं। यह इस प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सव में भारत के लिए एक अहम उपलब्धि है। कान फिल्म महोत्सव का शनिवार को समापन हो गया।

शुक्रवार रात को पुरस्कार लेते हुए सेनगुप्ता ने इसे दुनियाभर में अपने अधिकारों की खातिर बहादुरी से लड़ने के लिए समलैंगिक समुदाय और अन्य वंचित समुदायों को समर्पित किया।

- 'अन सर्टेन रिगार्ड' श्रेणी के तहत पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बनीं
- पाल्मे डोर पुरस्कार की दौड़ में पायल कपाड़िया की फिल्म

उन्होंने कहा, समानता की खातिर लड़ने के लिए आपको समलैंगिक होने की जरूरत नहीं है। हमें बस बहुत सभ्य इंसान बनने की जरूरत है।

फिल्म निर्माता जोया अख्तर, हंसल मेहता, अभिनेता अर्जुन कपूर, राधिका आप्टे और आदर्श गौरव सहित कई भारतीय हस्तियों ने सेनगुप्ता को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है। 'द शेमलेस' का 17 मई को कान में सर्वप्रथम प्रदर्शन किया गया था। शोषण और दुख की अंधेरी दुनिया को दिखाने वाली यह फिल्म दो यौन कर्मियों की कहानी है, जो अपनी बेड़ियां तोड़ना चाहती हैं।

इसके अलावा पायल कपाड़िया की फिल्म 'आल वी इमेजिन एज लाइट' कान फिल्म महोत्सव में पाल्मे डोर पुरस्कार की दौड़ में शामिल है। पाल्मे डोर कान फिल्म फेस्टिवल का सर्वोच्च पुरस्कार है।

इस पुरस्कार की दौड़ में आज तक किसी भारतीय महिला निर्देशक की फिल्म शामिल नहीं हुई थी और न ही देश के किसी फिल्मकार को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला है। फिल्म महोत्सव में समीक्षकों की प्रशंसा पाने वाली इस फिल्म में अपनी मंजिल तलाश रहीं तीन महिलाओं की कहानी बयां की गई है। कान फिल्म महोत्सव में कई भारतीय फिल्मों का प्रीमियर हुआ है।

हांगकांग में डोरेमोन की प्रदर्शनी

हांगकांग के पार्क में दुनियाभर में लोकप्रिय जापानी कार्टून करेक्टर डोरेमोन के माडल की मोबाइल कैमरे में तस्वीर कैद करती महिला। डोरेमोन कार्टून करेक्टर का निर्माण प्रसिद्ध मंगा निर्माता फुजिको एफ फुजियो ने बनाया था। वर्ष 1969 से मासिक प्राथमकि विद्यालय के बच्चों की पत्रिकाओं में धारावाहिक रूप में प्रकाशित किया गया था। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए डोरेमोन के 100 से अधिक माडल प्रदर्शित किए गए हैं। एपी

इधर-उधर की

रोमियो बना दुनिया का सबसे ऊंचे कद वाला बैल

छह फीट 4.5 इंच है रोमियो की ऊंचाई। इंटरनेट मीडिया

वाशिंगटन, एजेंसी: अमेरिका के रोमियो ने दुनिया के सबसे ऊंचे बैल के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। ओरेगान के एक पशु अभयारण्य में रहने वाले रोमियो की ऊंचाई छह फीट 4.5 इंच है। गिनीज के अनुसार रोमियो ने पिछले रिकार्डधारक टामी को तीन इंच से पीछे छोड़ दिया है। रोमियो को सेब और केले खाना काफी पसंद है। वह हर दिन अनाज और अन्य चीजों के साथ 45 किलोग्राम घास खाता है। रोमियो के मालिक मिस्टी मूर ने बताया कि रोमियो सिर्फ 10 दिन का था जब उसे एक कसाईखाने से बचाकर अभयारण्य में लाया गया था। विशालकाय रोमियो काफी शांत स्वभाव वाला है।

एडीएचडी पीड़ितों को भावनाओं के नियंत्रण में हो सकती है दिक्कत

अनुसंधान

प्रतीकात्मक

अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसआर्डर (एडीएचडी) पीड़ित बच्चों को लेकर एक नया अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन के अनुसार, एडीएचडी पीड़ित हर दो किशोरों में से एक को अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इसका परिणाम डिप्रेशन और एंजाइटी के रूप में सामने आ सकता है। एडीएचडी बच्चों को प्रभावित करने वाले सबसे आम मानसिक विकारों में से एक है। इसके लक्षणों में ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत, अतिसक्रियता और आवेग शामिल हैं। आमतौर पर यह समस्या बचपन और किशोरावस्था में होती है, लेकिन वयस्क होने पर भी यह परेशान कर सकती है। ये समस्या आमतौर पर अनुवांशिक, दिमाग पर किसी प्रकार की चोट या गर्भावस्था के दौरान खराब पोषण के दौरान हो सकती है। लड़कियों की तुलना में लड़कों में यह समस्या आम है। इसका इलाज स्कूल के शुरुआती वर्षों में हो सकता है, जब बच्चे में ध्यान केंद्रित करने की समस्या होती है।

ब्रिटेन की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी और चीन की फुडन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, इसके ठोस प्रमाण मिले हैं कि उच्च स्तर पर भावनात्मक रूप से अनियंत्रण बढ़ने से एडीएचडी संबंधी और लक्षण उभर सकते हैं।

उन्होंने यह निष्कर्ष एडीएचडी पीड़ित छह हजार से ज्यादा लोगों पर एक अध्ययन के आधार पर निकाला है। इनमें से 350 प्रतिभागियों में एडीएचडी के उच्च लक्षणों की पहचान की गई। शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान ऐसे पीड़ितों के अभिभावकों से भी बात की और उसे दूर करने की कोशिश की। उनसे पीड़ितों के व्यवहार के बारे में जानकारी ली और उसका विश्लेषण किया। अध्ययन के नतीजों को नेचर मेंटल हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। -प्रेट्र

मेमोरियल डे पर ध्वजों का 'समुद्र'

अमेरिका के बोस्टन में मेमोरियल डे पर मैसाचुसेट्स के सदस्यों को सम्मानित करने के लिए मैदान में अमेरिकी राष्ट्रध्वज लगाती स्वयंसेवक। अमेरिकी क्रांति में जीवन का सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों और नागरिकों के सम्मान में मेमोरियल डे मनाया जाता है। अमेरिकी क्रांति 1765 से 1783 के बीच लड़ी गई एक राजनीतिक और सैन्य लड़ाई थी। एपी

स्क्रीन शाट

प्रोडक्शन में उतरने की जल्दबाजी में नहीं सोनाक्षी

फिल्म काकुडा में अलग होगा सोनाक्षी का अंदाज।

आलिया भट्ट, कृति सैनन, हुमा कुरैशी, दीपिका पादुकोण और तापसी पन्नू समेत ऐसी कई अभिनेत्रियां हैं, जो अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी सक्रिय हो गई हैं। हालांकि, सिनेमाई पृष्ठभूमि से ही आने वाली और उन्हीं के समकालीन अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा फिलहाल फिल्म प्रोडक्शन में उतरने की जल्दबाजी में नहीं हैं। सोनाक्षी फिलहाल अपना ज्यादा से ज्यादा समय अभिनय और कृत्रिम डिजाइनर नाखूनों के व्यवसाय में देना चाहती हैं। इस बारे में उन्होंने कहा, 'फिलहाल मेरे पास जिस तरह के प्रस्ताव आ रहे हैं, तो मैं एक्टिंग और अपनी नेल्स (नाखून) कंपनी चलाने में व्यस्त हूं। मेरी सारी ऊर्जा इन्हीं दोनों में जा रही है। फिलहाल मुझे जिस तरह के काम के प्रस्ताव मिल रहे हैं, मैं उससे बहुत खुश हूं। मैं अच्छे काम चुनना और करना चाहती हूं। मेरे पास फिल्में प्रोड्यूस करने के लिए टीम के साथ बैठने और स्क्रिप्ट पर काम करने का समय फिलहाल नहीं है। अगर मैं कुछ करती हूं, तो उसमें अपनी क्षमता का शत प्रतिशत देती हूं। मैं आधे दिल से कोई काम नहीं कर सकती हूं।' सोनाक्षी आगामी दिनों में फिल्म काकुडा में नजर आएंगी।

शैतान के बाद एक बार फिर आमने-सामने होंगे अजय और आर माधवन

फिर से दिखेगा आर माधवन का कामिक अंदाज। इंस्टाग्राम (@actormaddy)

इस साल प्रदर्शित हारर थ्रिलर फिल्म शैतान में हिंदी सिनेमा के सिंघम अभिनेता अजय देवगन और आर माधवन बड़े पर्दे पर एकदूसरे का आमना-सामना करते हुए दिखे थे। अब अजय और आर माधवन की यह जोड़ी एक बार फिर साथ काम करने के लिए तैयार हैं, हालांकि इस बार दोनों के टकराव का अंदाज अलग होगा। खबर है कि फिल्म दे दे प्यार दे की सीक्वल दे दे प्यार दे 2 में अजय के सामने आर माधवन को कास्ट किया गया है। हारर थ्रिलर फिल्म शैतान में दोनों के बीच टकराव हुआ था, वही दे दे प्यार दे में दोनों के टकराव की पृष्ठभूमि कामेडी और ड्रामा होगा। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, आर माधवन को फिल्म की कहानी और इसमें भूमिका दोनों पसंद आई है। इसलिए उन्होंने इस फिल्म को अपनी स्वीकृति दे दी है। पिछले कुछ वर्षों से लगातार गंभीर भूमिकाएं निभाते आ रहे आर माधवन ने यहां अपने लिए थोड़ा बदलाव देखा। उन्हें भरोसा है कि कामेडी और ड्रामा उनके काम में ताजगी लाएगी। पहले खबरें भी कि दे दे प्यार दे 2 में अजय का आमना-सामना अनिल कपूर के साथ होगा, हालांकि, अब यह भूमिका आर माधवन के खाते में चली गई है। निर्माताओं की योजना अगले महीने से इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की है। मूल फिल्म की अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह सीक्वल में भी अजय के साथ मुख्य भूमिका होंगी।

हीरामंडी पर संजय लीला भंसाली ने किया भांजी शर्मिन सहगल का बचाव

शर्मिन की फिल्म मलाल प्रोड्यूस कर चुके है संजय। इंस्टाग्राम (@sharminsegal)

वंशवाद और परिवारवाद के विषय पर स्टारकिड्स की आलोचना या ट्रोलिंग कोई नई बात नहीं है। हाल ही में वेब सीरीज हीरामंडी प्रदर्शित होने के बाद अभिनेत्री शर्मिन सहगल को भी शो में उनके परफार्मेंस और सामान्य हाव भाव को लेकर खूब ट्रोल किया गया। परफार्मेंस के अलावा शर्मिन को ट्रोल किए जाने की एक बड़ा कारण यह भी था कि वह शो के निर्माता निर्देशक संजय लीला भंसाली की भांजी हैं। ऐसे में शर्मिन की ट्रोलिंग पर शो से जुड़े तमाम कलाकारों के बाद अब संजय लीला भंसाली का बयान सामने आया है। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा, 'आलमजेब की भूमिका के लिए किसी ऐसी अभिनेत्री की जरुरत थी, जो चेहरा नया हो, मासूमियत हो, ऐसी लड़की जो तवायफ की तरह बातें न करती हो। आलमजेब कविताएं लिखती है और उस जगह से आजाद होना चाहती है। इसलिए, मुझे लगा कि आलमजेब के लिए शर्मिन सही विकल्प थीं।' आगे संजय ने शर्मिन के साथ कोई पक्षपात न करने का दावा करते हुए कहा, 'मैंने उन्हें इसलिए नहीं चुना, क्योंकि वह मेरी भांजी है। इसके लिए उन्हें कड़ी मेहनत और अनगिनत आडिशन से गुजरना पड़ा था। मैंने उनके साथ बहुत टेस्ट किए। जब मैंने उन्हें कास्ट करने का फैसला कर लिया, तभी मैंने कह दिया था कि तुम्हें कड़ी मेहनत करनी होगी। आपने कभी भी इस तरह की दुनिया में काम नहीं किया है।'

उपनाम हटाने से तेज हुई हार्दिक व नताशा के अलगाव की अटकलें

साल 2020 में नताशा और हार्दिक ने की थी शादी। फाइल

इंटरनेट मीडिया के इस दौर में सितारों की छोटी-छोटी गतिविधियां भी लोगों की निगाहों से नहीं छुपती हैं, जिससे कई बार अलग-अलग अटकलें भी लगनी शुरु हो जाती हैं। अब ऐसा ही कुछ भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और उनकी पत्नी नताशा स्टेनकोविक के बीच देखा जा रहा है। सर्बिया की माडल और अभिनेत्री नताशा ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल से पांड्या उपनाम हटा दिया है। जिससे उनके और हार्दिक के अलगाव और तलाक जैसी स्थिति आने की खबरों ने जोर पकड़ लिया है। इन खबरों के जोर पकड़ने के आधार कुछ और भी हैं। दरअसल, हार्दिक और नताशा दोनों ही इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय रहते हैं, लेकिन बीते कुछ महीनों से दोनों की एक साथ कोई पोस्ट नहीं दिखी। इसके अलावा आईपीएल मैचों के दौरान भी स्टेडियम में नताशा हार्दिक को सपोर्ट करने नहीं पहुंची। काफी लंबे समय से दोनों को साथ भी नहीं देखा गया है। इसी आधार पर दावा किया जा रहा है कि नताशा और हार्दिक के बीच रिश्ते सही नहीं चल रहे हैं। दोनों के बीच तलाक की भी संभावना जताई जा रही है। कुछ खबरों में तो यह भी दावा किया जा रहा है कि अगर हार्दिक और नताशा के बीच तलाक होता है, तो नताशा को आश्रित के तौर पर हार्दिक की संपत्ति का 70 फीसदी हिस्सा मिलेगा। हालांकि, अभी तक नताशा और हार्दिक की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ऐसे में अलगाव और तलाक की इन खबरों में कितनी सच्चाई और कितना कयास हैं, यह तो हार्दिक और नताशा या उनके करीबी ही बता सकते हैं। दोनों ने साल 2020 में शादी की थी, दोनों का एक बेटा अगस्त्य भी है। नताशा ने साल 2013 में प्रदर्शित फिल्म सत्याग्रह से हिंदी सिनेमा में पदार्पण किया था। उन्हें रैपर बादशाह के गाने डीजे वाले बाबू.. के बाद देश में खूब लोकप्रियता मिली थी।

****